फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 73 संख्या: 187 प्रभात जयपुर, मंगलवार 7 फरवरी , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Earning Two Jeeps For The Reserve — Why should a reserve like Sariska be allotted so much of budget when it has no tigers?'

TECHNOLOGY: 'Fairy' Robot

SMART-MATERIAL: Warm Or Cool Buildings — A chameleon-like building material changes its infrared colour-and how much heat it absorbs or emits

पुरातत्ववेत्ताओं ने ऐसी प्राचीन ममीज़ की खोज की है जिनके साथ मृतक के आदमकद कलर पोर्ट्रेट भी दफनाए गए थे। ये ममीज़ मिस्र के प्राचीन शहर फिलडैल्फिया के एक मकबरे में मिली हैं। कायरो के दक्षिण पश्चिम में 75 मील दूर फिलडैल्फिया शहर की स्थापना टोलमी काल (304 ईसापूर्व से 30 ईसापूर्व) में की गई थी, तब मिस्र पर सिकंदर महान के एक विख्यात सेनापति के वशंज राज कर रहे थे। प्राचीन फिलडैल्फिया क़ब्रिस्तान के उत्खनन मिशन के डायरैक्टर बासेन गेहाद ने कहा, उत्खनन के दौरान पुरातत्वविदों को ममी के पूरे बने दो पोर्ट्रेट और साथ ही कुछ आधे बने पोर्ट्रेट भी मिले। फिलडैल्फिया में दफनाए गए लोगों का सम्बंध अवश्य ही उच्च मध्यम वर्ग या अभिजात्य वर्ग से रहा होगा, इसलिए उनकी कब्रों में महंगे पोर्ट्रेट रखे गए थे। ये पोर्ट्रेट संभवतया भूमध्य सागर के तटवर्ती शहर एलैक्ज़ैण्ड्रिया के कलाकारों ने बनाए थे। इस नई खोज से पहले, 1880 के दशक में हुए उत्खनन में भी ममी पोर्ट्रेट मिले थे। लुटेरों ने उन्नीसवीं सदी में फिलडैल्फिया सहित कई प्राचीन कब्रों को पोर्ट्रेट के लिए लूटा था। इसलिए पुरातत्व विशेषज्ञों को ज्यादा पोर्ट्रेट तो नहीं मिले पर विश्लेषण के लिए फिलडैल्फिया की कब्रों से कुछ पोर्ट्रेट अवश्य मिल गए। युनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफर्ड के एश्मोलीन म्यूज़ियम की प्रमुख क्यूरेटर, सूज़न वॉकर ने बताया कि, रोमन ममी पोर्ट्रेट के लिए 1880 के दशक में कब्रें लूटी गई थीं। इनमें से अधिकांश पोर्ट्रेट वियना के डीलर और संग्रहकर्ता थिओडोर ग्राफ को बेच दी गई थीं। उसने इनका कैटलॉग बनाया और विश्वभर में इनकी प्रदर्शनी लगाई। अब कुछ पोर्ट्रेट म्यूज़ियमों में हैं तो कुछ अमीरों के निजी संग्रह में। वॉकर, जो खनन में शामिल नहीं थीं, ने कहा कि, नई खोज से ईजिप्शियन ममी पोर्ट्रेट पर और रौशनी पड़ सकेगी। क्योंकि इनकी आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से जांच की गई है। ममी पोर्ट्रेट के अलावा पुराविदों को कब्रिस्तान से एक इमारत के अवशेष और ईजिप्शियन यूनानी देवी आइसिस- एफ्रोडाइटी की मूर्ती मिली है, जिसे प्रेम की देवी कहा जाता है। एक पपायरी (भोज पत्र) के अवशेष भी मिले हैं, जिस पर मिस्र की कर्सिव स्क्रिप्ट और यूनानी भाषा में कुछ लिखा है।

कांग्रेस के रायपुर अधिवेशन में सी.डब्ल्यु.सी. के चुनाव होंगे?

24 से 26 फरवरी को आयोजित इस अधिवेशन में राहुल गांधी व प्रियंका चुनाव कराने के पक्ष में हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। इस बात को लेकर अभी भी रहस्य बना हुआ है कि, 24 से 26 फरवरी रायपुर में होने वाले कांग्रेस पार्टी के महाधिवेशन के दौरान कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यु.सी.) के चुनाव होंगे या नहीं। यह पूछे जाने पर ए.आई.सी.सी. के संगठन प्रभारी ने कहा कि, इस बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे निर्णय लेंगे।

सूत्रों ने कहा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में इस बात पर भारी मतभेद हैं कि पार्टी की सर्वोच्च निर्णायक समिति के लिए चुनाव होने चाहिए या नहीं।

सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी चुनावों के पक्ष में हैं क्योंकि वे विविध प्रकार से पार्टी के अंदर चुनावों पर जोर देते रहे हैं। समझा जाता है कि अब प्रियंका गांधी भी चुनावों के पक्ष में हैं तो वे यह भी चाहेंगी कि वे सी.डब्ल्यु.सी. में मनोनीत होने के बजाय, स्वयं भी कार्य समिति में स्थान के लिये चुनाव लड़ें। लेकिन जिस तरीके से शशि थरूर ने कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खड़गे को चुनौती दे दी थी

- **प्रियंका तो स्वयं चुनाव लड़कर सी.डब्ल्यु.सी. का सदस्य बनना चाहती हैं, केवल मनोनीत सदस्य नहीं रहना चाहतीं।**
- **जैसा कि विदित ही है, कांग्रेस अध्यक्ष आधे सदस्य मनोनीत करते हैं तथा आधे चुनकर आते हैं।**
- **राहुल गांधी स्वयं भी चुनाव लड़ना चाहते हैं, पर अधिक संभावना है कि, कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे उन्हें सी.डब्ल्यु.सी. में मनोनीत करेंगे।**
- **हाई कमान के अन्य वरिष्ठ नेता, सी.डब्ल्यु.सी. के सदस्यों का चुनाव कराने के पक्ष में नहीं हैं। वे इस बात से आशंकित हैं कि, खड़गे के खिलाफ कांग्रेसाध्यक्ष के चुनाव में शशि थरूर 1000 वोट पा गये थे, अधिकतर युवा नेताओं का।**
- **ए.आई.सी.सी. के सदस्य सी.डब्ल्यु.सी. के सदस्यों को अपने मतों से चुनते हैं। पर अभी तक ए.आई.सी.सी. के सदस्यों की सूची जारी नहीं हुई है, हालांकि राज्यों ने अपनी सूचियाँ मुख्यालय भेज दी हैं।**

तथा 1000 से ज्यादा वोट हासिल कर लिये थे क्योंकि उन्हें काफी युवा वोटरों का समर्थन मिल गया था, इस सब को देखते हुये, शीर्ष नेता चुनाव कराये जाने की स्थिति में, काफी चौकन्ने रहने के लिये बाध्य हो जायेंगे।

यहाँ यह याद दिलाना उल्लेखनीय होगा कि कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी ने अपने समग्र कार्यकाल में एक बार भी सी.डब्ल्यु.सी. के चुनाव नहीं कराये तथा मनोनयन संस्कृति चलती रही तथा कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में, वे पूरी सी.डब्ल्यु.सी. को मनोनीत करती रहीं।

सी.डब्ल्यु.सी. के अंतिम चुनाव सीताराम केसरी की अध्यक्षता में कोलकाता अधिवेशन में हुये थे।

परम्परानुसार मल्लिकार्जुन खड़गे के पार्टी अध्यक्ष चुने जाने की पुष्टि के लिये ऐसा महाधिवेशन आयोजित किया जायेगा। कांग्रेस के संविधान में ऐसा प्रावधान है कि सी.डब्ल्यु.सी. के आधे सदस्य निर्वाचित तथा आधे सदस्य मनोनीत होने चाहिए।

अगर चुनाव होते हैं तो ऐसी संभावना नहीं है कि राहुल गांधी चुनाव लड़ेंगे। वे नये पार्टी अध्यक्ष द्वारा सी.डब्ल्यु.सी. के लिये मनोनीत कर दिये जायेंगे।

पार्टी सूत्रों का कहना है यह भी अटकलों का विषय है कि सोनिया गांधी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष चाहता है, अडानी प्रकरण किसी भी तरह जीवित रहे

भाजपा की रणनीति है, मीडिया व सोशल मीडिया के जरिये, "डैमेज कंट्रोल" हो

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। मोदी सरकार पर दबाव बढ़ाने की कार्यवाही के अन्तर्गत, विपक्ष ने आज सरकार और अडानी ग्रुप के खिलाफ संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। ज्ञातव्य है कि अडानी ग्रुप तब विपक्ष के निशाने पर आया, जब अमेरिका की एक फर्म "हिन्डनबर्ग रिसर्च" ने अडानी ग्रुप पर स्टॉक में चालबाजी एवं फ्रॉड का आरोप लगाया था। तभी से विपक्ष यह माँग करता आ रहा है कि इस मुद्दे की जाँच या तो किसी संयुक्त संसदीय समिति से कराई जाये या फिर सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में इसकी जाँच-पड़ताल हो।

संसद भवन परिसर में लगी गांधी जी की मूर्ति पर किये गये विरोध प्रदर्शन के दौरान सांसद अपने हाथों तख्तियाँ लिये हुये थे, उन पर लिखे नारों में

- **दबाव बनाने के लिये विपक्ष की 16 पार्टियों ने संसद के बाहर गांधी जी की प्रतिमा के सामने नारे बाजी व प्रदर्शन किया।**
- **विपक्ष के नारे थे, "मोदी -अडानी की पारी है, पैसे की लूट जारी है, "नहीं चलेगी और बेईमानी, बस करो मोदी-अडानी", "एल.आई.सी. व एस.बी.आई. को बचाओ"।**
- **तृणमूल कांग्रेस ने, खड़गे के कक्ष में आयोजित विपक्ष के नेताओं की बैठक में भाग नहीं लिया। डैरेक ओ' ब्रायन ने बाद में तर्क दिया कि, अब संसद की कार्यवाही में व्यवधान नहीं डालना चाहिये, क्योंकि, अब धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में सदस्यों को मौका मिलेगा, मोदी सरकार को "भेदने" का।**
- **पर बाद में तृणमूल कांग्रेस ने गांधी जी की प्रतिमा के सामने विपक्ष द्वारा दिये गये धरने में भाग लिया।**

"प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और अरबपति (अडानी) के बीच "यारी" के आरोप दिखाई दे रहे थे। उन्होंने "एल.आई.सी." और "एस.बी.आई." बचाओ के नारे भी लगाये। सांसदों ने गत सप्ताह स्थगन नोटिस पेश कर दिये थे तथा कहा था कि "जनता का पैसा बहुत बड़ी मात्रा में एस.बी.आई. तथा एल.आई.सी. के रास्ते अडानी ग्रुप की कैद में है।" किन्तु सरकार ने शुक्रवार को एक बयान में कहा था कि बैंकों तथा बीमा कंपनियों की अरक्षितता (एक्सपोज़र) अनुमत (परमिटेड) के अंदर ही है।

कांग्रेस, द्रमुक, एन.सी.पी., बी.आर.एस., जद (यू), सपा, माकपा, भाकपा, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय लोक दल, आर.एस.पी., ए.ए.पी., आई.यू.एम.एल., राजद तथा शिवसेना (यू.बी.टी.) के सांसदों के हाथों में लगी तख्तियों पर "अडानी-मोदी में यारी है, पैसे की लूट जारी है', "एल.आई.सी.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शिवाजी ने लिखी थी औरंगज़ेब को चिट्ठी'

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवात ने हिन्दू-मुस्लिम बहस शुरू करने के लिये एक बार फिर एक ऐतिहासिक प्रश्न उठाया है। उन्होंने एक पत्र का हवाला दिया है, जो काशी में एक मंदिर को ध्वस्त कर दिये जाने के बाद कथित रूप से शिवाजी

- **आर.एस.एस. प्रमुख ने कहा कि, काशी का मंदिर तोड़ने पर छत्रपति शिवाजी महाराजा ने औरंगज़ेब को पत्र लिखकर कहा था कि, अगर यह सब बंद नहीं किया तो, वे अपनी तलवार उठाएंगे।**

महाराज ने बादशाह औरंगज़ेब को लिखा था।

भागवत ने रविवार को एक समारोह में कहा, "एक मंदिर को ध्वस्त कर दिये जाने के बाद, छत्रपति शिवाजी महाराज ने औरंगज़ेब को एक पत्र लिखा था,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को कॉन्स्टेबल से हैडकॉन्स्टेबल पदोन्नति में विलम्ब का दोषी माना

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, राज्य सरकार ने गलत तथ्य पेश कर कई कॉन्स्टेबलों की पदोन्नति रोकी

जयपुर, 6 फरवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में नागौर जिले में 2012-13 में कॉंस्टेबल से हैड कॉंस्टेबल की पदोन्नति से जुड़े विवाद पर अदालत ने आदेश दिये हैं कि राज्य सरकार ने पदोन्नति के लिये रिक्त पदों की गणना गलत तरह से की है। अदालत ने अपने आदेश में आगे भी यह भी कहा कि कई कॉंस्टेबल, जिन्हें वर्ष 2012-13 में ही हैड कॉंस्टेबल के पद पर पदोन्नत कर देना चाहिये था, उन्हें सरकार ने गलत तथ्य देकर पदोन्नत नहीं होने दिया।

अदालत के इस फैसले से नागौर जिले में 28 और कॉंस्टेबल्स की पदोन्नति का वर्ष 2013 माना जायेगा जबकि राज्य सरकार ने इन्हें 2014 या उसके बाद पदोन्नत किया था। इस मामले में याचिकाकर्ता महावीर सिंह और अन्य की ओर से अधिवक्ता तनवीर अहमद और एम.एम. महर्षि पैरवी के लिये पेश हुए। जैसा कि विदित है कि जयपुर जिले में भी कॉंस्टेबल से हैड कॉंस्टेबल और हैड कॉंस्टेबल से

- **इस फैसले के अनुसार पदोन्नति का वर्ष अब 2013 माना जाएगा।**
- **वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि, इन गड़बड़ियों का असर प्रदेश में एस.आई. के दो से ढाई हजार पदों को भरने या उन पर पदोन्नति देने पर पड़ेगा।**

ए.एस.आई. के पदों पर पदोन्नति देने के मामले में राज्य सरकार ने गलती की थी, जिसे सरकार ने अदालत के समक्ष भी माना था। इस मामले में न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह ने राज्य सरकार को आदेश दिये थे कि वह 377 'शैडो पोस्ट' का गठन करें ताकि नियमानुसार योग्य व्यक्तियों को पदोन्नति दी जा सके।

वर्तमान मामले में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि उनके मुवक्किलों को 2014 या उसके बाद पदोन्नति तो दे दी गई थी परंतु उन्होंने प्रमोशन कैडर कोर्स (पी.सी.सी.) 2013 में ही पास कर लिया था, जिसके बाद वे पदोन्नति के योग्य हो गये थे।

इस मामले में याचिकाकर्ताओं का कहना है कि राज्य सरकार ने उन्हें पदोन्नति से नियम विरुद्ध रोक रखा था। उनसे कनिष्ठ कर्मियों को पदोन्नति दी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रणीत कौर ने "शो कॉज" नोटिस की खिल्ली उड़ाई

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। पार्टी के "शो कॉज" नोटिस के प्रति पूर्ण असम्मान दर्शाते हुए पटियाला की

- **पंजाब की कांग्रेसी सांसद प्रणीत कौर ने अनुशासनात्मक कार्यवाही समिति के प्रमुख तारिक अनवर पर निशाना साधा और कहा, "जिसने सोनिया के विदेशी मूल का मुद्दा उठाया था और 20 साल से पार्टी से बाहर रहा और जो खुद अनुशासनात्मक कार्यवाही का सामना कर चुका है, वह मुझसे सवाल पूछ रहा है।"**

लोकसभा सांसद और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'संविदा पर लगे कर्मचारी को हटाकर दूसरा संविदाकर्मी नहीं लगा सकते'

जयपुर, 6 फरवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि संविदा पर लगे कर्मचारी को हटाकर उसके साथ पर दूसरे संविदाकर्मी को नियुक्त नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रदूषण नियंत्रण

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने यह कहते हुये प्रदूषण नियंत्रण मंडल के चेयरमैन व सचिव को नोटिस दिया तथा संविदा पर लगे आई.टी. अफसर को हटाने पर रोक लगा दी।**

मंडल के चेयरमैन व सचिव से जवाब मांगा है। अदालत ने मंडल में संविदा पर लगे आईटी ऑफिसर को पद से हटाने पर भी रोक लगा दी तथा उसे मौजूदा पद पर काम करते रहने को कहा है। जस्टिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अडानी प्रकरण में कांग्रेस ने केन्द्र सरकार पर अपने उद्योगपति मित्रों को बचाने के आरोप लगाए

शहर और देहात जिला कांग्रेस कमेटी, दोनों नगर निगमों और 19 विधानसभा क्षेत्रों के लोगों को जयपुर में विरोध प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया, लेकिन इसमें गिनती के लोग ही पहुँचे

जयपुर, 6 फरवरी (का.प्र.)। ऑल इण्डिया कांग्रेस कमेटी (ए.आई.सी.सी.) के आव्हान पर अडानी प्रकरण को लेकर कांग्रेस की ओर से पूरे देश में एलआईसी तथा एसबीआई बैंकों के बाहर धरने-प्रदर्शनों किए गए। इसी कड़ी में राजस्थान के भी सभी शहरों में धरने प्रदर्शन कर विरोध प्रकट किया गया, जिसमें जयपुर में एलआईसी भवन के सामने विरोध प्रदर्शन करने के लिए जयपुर शहर और देहात कांग्रेस कमेटी, दोनों नगर निगम तथा 19 विधानसभा क्षेत्रों के लोगों और सरकार में राजनीतिक नियुक्तियां पा चुके नेताओं को भी आमंत्रित किया गया था।

ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि कार्यक्रम में कम से कम हजार, पंद्रह सौ लोग तो मौजूद रहेंगे, लेकिन स्थितियां यह थी, कि जितनी कुर्सियां मंगाई गई थी, उनमें से आधी तो समेटकर पीछे रख दी गई और बाकी बची उनमें से भी बहुत सी खाली नजर आ रही थी। ये स्थितियां तब हैं जब राजस्थान में कांग्रेस का "हाथ से हाथ जोड़ो" कार्यक्रम चल रहा है। वही यह चुनावी वर्ष है, जिसमें कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 156 सीटें लाने की बात कर रहे हैं, लेकिन सोमवार को हुए विरोध-प्रदर्शन से आम कांग्रेसजनों की दूरी बता रही है कि शायद वे अपने नेताओं से निराश हो चुके हैं, इसलिए पार्टी के प्रोग्रामों से भी दूरी बना चुके हैं।

अडानी समूह में एलआईसी के निवेश के विरोध में सोमवार को प्रदेश भर में कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया।

- **मंच पर दो कैबिनेट मंत्री, तीन विधायक एक महापौर सहित अन्य नेता मौजूद थे, लेकिन सामने भीड़ नहीं थी।**
- **यह स्थिति तब है जब राजस्थान में कांग्रेस का "हाथ से हाथ जोड़ो" कार्यक्रम चल रहा है और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इसी वर्ष में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए 156 सीटें लाने की बात कर रहे हैं।**
- **कांग्रेसजनों की दूरी बता रही है कि, वे शायद अपने ही नेताओं से निराश हो चुके हैं।**

राजधानी जयपुर में एलआईसी कार्यालय के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार के खिलाफ हल्ला बोला। राजधानी में अंबेडकर सर्किल स्थित एलआईसी मुख्यालय के सामने कांग्रेस ने धरना दिया। धरने में कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, महेश जोशी, विधायक रफीक खान, गंगादेवी, अमीन कागजी, महापौर मुनेश गुर्जर सहित समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष अर्चना शर्मा सहित प्रदेश कांग्रेस के कई पदाधिकारी और विधानसभा चुनाव हार चुके उम्मीदवार मौजूद रहे, लेकिन चुनिंदा कांग्रेसजनों के अलावा वे लोग ही मौजूद थे, जिन्हें बसों से भरकर लाया गया था। इसके बावजूद भीड़ उंगलियों पर गिनने लायक थी।

इस मौके पर खाचरियावास ने कहा कि सब कुछ शीशे की तरह साफ हो गया है। मोदी-अडानी का गठजोड़ सबके सामने है। उन्होंने आरोप लगाया कि एलआईसी और एसबीआई ने अपने करोड़ों निवेशक धारकों की गाढ़ी कमाई का पैसा जोखिम लेकर अडानी समूह में निवेश किया। निवेश के दौरान सारे नियम कायदे ताक में रखे गए थे। खाचरियावास ने कहा कि षड्यंत्र इतना गहरा था कि किसी को खबर नहीं हुई, लेकिन एक विदेशी कंपनी ने भ्रष्टाचार का खुलासा किया। अब इस मामले में केंद्र सरकार अडानी समूह पर कार्रवाई करने की बजाय उन्हें बचाने का प्रयास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

हमें जानने का हक है

24 जनवरी, 2023, जब से अडानी ग्रुप की कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में हिंडनबर्ग रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है, यह पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई है। इसका प्रभाव इतना हुआ कि इसके कारण संसद में भी हंगामे के कारण कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है। अब तक इस पर सरकार की ओर से कोई वक्तव्य तक नहीं आया है। यह रिपोर्ट दो वर्ष के गहन अन्वेषण और शोध के पश्चात जारी की गई है।

इस रिपोर्ट के जारी होने के बाद अडानी ग्रुप की कुल संपत्ति 20 लाख करोड़ रूपए से घटकर 10 लाख करोड़ रूपए रह गई है। इसके शेयर की कीमतें में भी अप्रत्याशित कमी आई है। 15 दिन पहले तक गौतम अडानी दुनिया के तीसरे सर्वाधिक अमीर व्यक्ति थे। अब ये प्रथम 20 की सूची से भी बाहर हो गए हैं। यह घटना और भी अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि गौतम अडानी की संपत्ति में गत 8 वर्षों में अत्यंत तीव्रता से बढ़ोतरी हुई। यहां उल्लेखनीय है कि गौतम अडानी को प्रधानमंत्री के अत्यंत नजदीकी लोगों में समझा जाता है । इनके संबंध वर्तमान प्रधानमंत्री, जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब से बताए जाते हैं। यह भी कहा जाता है कि प्रधानमंत्री के विदेश दौरों के समय अप्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम आयोजित कराने का कार्य गौतम अडानी के सहयोग से किया जाता रहा है। गौतम अडानी की प्रधानमंत्री से निकटता के परिप्रेक्ष्य में हिंडनबर्ग रिपोर्ट अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

इस रिपोर्ट में अडानी ग्रुप पर कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित कुल 88 आरोप लगाए गए हैं। अडानी ग्रुप द्वारा इसके उत्तर में 413 पेज का वक्तव्य जारी किया गया है, किंतु किसी भी आरोप का स्पष्ट रूप से कोई उत्तर नहीं दिया गया है। इस रिपोर्ट के आते ही स्टॉक एक्सचेंज में हड़कंप मच गया और अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई। इसके बावजूद अडानी ग्रुप की एक कंपनी ने एफ पी ओ के माध्यम से 20000 करोड़ रुपये उगाहे । इस आधार पर यह दिखाने का प्रयास किया गया कि इस रिपोर्ट के आने के बाद भी निवेश कर्ताओं का विश्वास अडानी ग्रुप में यथावत है। आश्चर्यजनक रूप से इसके एक दिन बाद ही अडानी ग्रुप ने इस एफ पी ओ को निरस्त कर दिया। इसकी जानकारी स्वयं अडानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी द्वारा सभी टी वी चैनल के माध्यम से दी और कहा कि ऐसा नैतिक आधार पर किया गया। वास्तविकता यह है कि इसमें सामान्य व्यक्तियों का निवेश तो नगण्य था और लगभग सारा ही पैसा स्वयं उन्हीं के विश्वस्त लोगों का लगा था।

विभिन्न टीवी चैनलों पर रोज इस विषय पर चर्चा हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा के प्रवक्ता जो सामान्यतया प्रत्येक डिबेट में बढ़-चढ़कर भाग लेते रहे हैं और बड़े प्रभावी रूप से अपनी बात जोर-शोर से रखते हैं, उनमें से कोई भी इस विषय से संबंधित चर्चा में भाग नहीं ले रहा है। संभवतया भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा प्रवक्ताओं को ऐसा करने से रोका गया है।

जब से यह रिपोर्ट आई है, सत्ताधारी दल एवं उनके समर्थकों द्वारा इस रिपोर्ट को भारतीय अस्मिता पर हमला बताया जा रहा है और इसे विदेशों की साजिश तक करार दिया गया है ।यह कहना कठिन है कि रिपोर्ट का इस समय सामने आना मात्र संयोग है या कुछ और। यह रिपोर्ट ऐसे समय प्रकाशित हुई है जब भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से राहुल गांधी की लगभग 4000 किलोमीटर की पदयात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक पूरी हुई है और इसके कारण कांग्रेस में एक प्रकार से उत्साह का संचार हुआ है। यह भी उल्लेखनीय है कि इस रिपोर्ट के बारे में पूरा विपक्ष सरकार पर एकजुट होकर हमलावर है। विपक्ष की प्रमुख मांग है इस विषय पर सरकार संसद में चर्चा कराए ताकि देश की जनता आश्वस्त हो सके कि उसका पैसा सुरक्षित है। इस विषय में प्रश्न केवल संपत्ति का ही नहीं है, अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयर की कीमत 4000 रुपये से गिरकर 1500 रुपये रह गई है। अडानी ग्रुप को गत कुछ वर्षों में जीवन बीमा निगम, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा तथा अन्य राष्ट्रीय कृत बैंकों द्वारा हज़ारों करोड़ के ऋण दिये गये हैं।

रिपोर्ट से यह सामने आया है कि अडानी ग्रुप के शेयर की कीमत कृत्रिम रूप से बहुत अधिक बढ़ा दी गई और इसी बढ़ी हुई कीमत के आधार पर बैंकों से बहुत अधिक ऋण प्राप्त कर लिया गया। बैंकों के नियमों के अनुसार, शेयर की प्रचलित दर के आधार पर गिरवी रखे गए शेयर का मूल्यांकन किया जाता है उनके बदले में उनके आधे मूल्य तक का ऋण बैंकों द्वारा दिया जाता है। जिस शेयर की कीमत कुछ समय पूर्व डेढ़ सौ रुपए थी उसके 4000 होने का कारण एवं उसकी जांच करना भी उन बैंकों ने उचित नहीं समझा। जब शेयर की कीमत अत्यधिक कम हो गई है, बैंक कैसे अपना ऋण वसूल करेंगे, इस पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। जब ऋण का भुगतान नहीं किया जाएगा तो बैंकों एवं एलआईसी की स्थिति पर विपरीत प्रभाव पड़ना संभावित है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में देश के करोड़ों लोगों ने निवेश किया हुआ है और इसी कारण केवल एक उद्योग समूह पूरे देश के कई नागरिकों को प्रभावित करता है। जहां एक ओर 50000 रुपए के ऋण के लिए अपनी संपत्ति गिरवी रखने के लिए कहा जाता है, वहीं हजारों करोड़ का ऋण केवल शेयर के आधार पर दे दिया गया, और वह भी बिना किसी विस्तृत विश्लेषण और जांच-पड़ताल के। जहां एक छोटे उद्यमी से विभिन्न प्रकार के दस्तावेज मांगे जाते हैं एवं उसे कई बार बैंकों के चक्कर लगाने होते हैं, वहीं दूसरी ओर अडानी ग्रुप की कंपनी को किसी जांच की प्रक्रिया से गुजरने की आवश्यकता नहीं पड़ी। वैसे भी जिस व्यक्ति की सत्ता के शिखर से नजदीकी सर्वज्ञात हो, उसके बारे में कोई भी जांच का निर्णय लेना, किसी भी बैंक अथवा राष्ट्रीय संस्था के लिए सरल नहीं था।

भारत की नियामक संस्थाओं और बैंकों की योग्यता और क्षमता में कोई संदेह नहीं है। सवाल यह है कि क्या उन्हें स्वतन्त्र रूप से काम करने दिया गया या नहीं। उन्हें केवल छूट दिए जाने की आवश्यकता है कि वह निर्भीक होकर अपने काम को अंजाम दें एवं इस पूरे तथाकथित कांड में जो भी व्यक्ति जिम्मेदार हैं उन्हें सामने लाएं ताकि जनता उनके संबंध में स्वयं एक निर्णय ले सके।

संस्थाओं के उच्च अधिकारियों को अपने पद को सुरक्षित रखना कहीं अधिक युक्त लगा बजाय निवेशकों के हित को ध्यान रखने के। यह भी रिपोर्ट में बताया गया है कि मॉरीशस एवं अन्य देशों में 'शेल' कंपनियां बनाकर उनके द्वारा पैसा इन शेयरों को कृत्रिम रूप से बढ़ाने हेतु लगाया गया। कुछ वर्षों पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा शैल कंपनियों को बंद करने एवं उन पर प्रभावी कार्यवाही करने की बात बढ़-चढ़कर की गई थी। भारत के सेबी, आर बीआई, इनकम टैक्स ई डी आदि संस्थाओं ने अडानी ग्रुप के में हो रही इस तेज वृद्धि को शंका की दृष्टि से नहीं देखा और आवश्यक सावधानियां भी नहीं बरती, जिसके कारण इन के शेयर के भाव कृत्रिम रूप से अस्वाभाविक रूप से बढ़ते रहे। हर्षद मेहता का एक ऐसा ही कांड 1992 में हुआ था। उसके बाद कहा जाता है कि नियामक प्राधिकरण एवं संस्थाओं ने बहुत सुधार किया। इसके बावजूद, किस प्रकार विदेशों की जिन कंपनियों ने अडानी ग्रुप में बहुत बड़ी राशि लगाई गई, उनके पास पैसा कहां से आया इसकी कोई जांच नहीं की गई। इन कंपनियां को केवल भारत से पैसा बाहर भेजकर वापस अडानी ठ्ग़ुप में पैसा लगाने हेतु काम में लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार इस प्रकार की कंपनियों में कोई काम नहीं होता था, और केवल इनको पैसे को विदेश के माध्यम से अडानी ग्रुप के शेयर खरीदने हेतु काम में लिया जाता था।

सत्ताधारी दल और उनके समर्थकों द्वारा इस रिपोर्ट को न केवल खारिज किया जा रहा है बल्कि इसे देश विरोधी गतिविधि तक घोषित कर दिया है। यह समझ से परे है कि किसी उद्योग समूह के बारे में कोई तथ्यात्मक रिपोर्ट सामने आती है, जिससे कई कथित अनियमितताएं होने की शंका उत्पन्न होती है तो उस पर बिंदुवार तथ्यात्मक जानकारी लोगों को उपलब्ध कराने के बजाय उस रिपोर्ट को ही देशद्रोही घोषित कर देना कतई उपयुक्त नहीं है। वित्तीय संस्थाओं में देश की जनता का पैसा लगा हुआ है और सरकार यह नहीं कह सकती कि हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है। विपक्षी नेताओं के विरुद्ध भारत सरकार के द्वारा किसी न किसी आधार पर कार्यवाही की जाती रही है, किंतु अडानी समूह के बारे में इस प्रकार से आंखें मूंद लेना, सत्ता के साथ गठजोड़ की ओर संकेत करता है। इस विषय में सरकार को सामने आकर, अडानी ग्रुप के बारे में तथ्य स्पष्ट रूप से रखने चाहिये एवं अडानी ग्रुप को भी ऐसा करने हेतु बाध्य किया जाना चाहिए । केवल यह कहना पर्याप्त नहीं है की एलआईसी और एसबीआई के द्वारा दिया गया लोन इतना अधिक नहीं है कि उनकी वित्तीय स्थिति पर कोई प्रभाव पड़े। यह प्रकरण बहुत छोटा नहीं है, बल्कि लाखों करोड़ों का है, जो अब तक पहले किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता से कहीं बड़ा प्रतीत होता है। इसका श्रेष्ठ निराकरण यही है कि हिंडन बर्ग की रिपोर्ट पर संसद में विस्तृत चर्चा हो, ताकि देश की जनता भी समझ सके कि किस प्रकार से कृपा पात्र उद्योग समूह को लाभ पहुंचाया गया, जिससे अडानी ग्रुप की संपत्ति में दिन दुगनी रात चौगुनी से भी कहीं अधिक वृद्धि होती गई। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि हिंडन बर्ग की स्वयं की विश्वसनीयता क्या है अथवा इसके उद्देश्य क्या है? प्रश्न केवल यह है कि उस में उठाए गए बिंदुओं के बारे में वास्तविक स्थिति क्या है? यह वास्तविक स्थिति एक बार जब सामने आ जाएगी एवं उस पर बहस हो जाएगी तो देश की जनता एवं निवेशक निश्चिंत हो जाएंगे कि उसकी गाढ़ी कमाई का पैसा जिन बैंकों अथवा एलआईसी में लगा हुआ है उनके द्वारा किसी गलत काम में पैसा नहीं लगाया गया है। यदि ऐसा अभी समय पर नहीं किया गया तो आगे चलकर वैसी स्थिति बन सकती हैं जैसे कि विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चौकसी के प्रकरण में बनी थी। वहां तो मामला केवल कुछ हजार करोड़ का था, यहां तो लाखों करोड़ का है। इस बारे में सरकार को अपने आप को अलग करने से काम नहीं चलेगा। जनता के प्रति उसका त्तर दायित्व है कि वह उसका विश्वास अर्जित करे एवं सही स्थिति जनता के सामने लाये।

भारत की नियामक संस्थाओं और बैंकों की योग्यता और क्षमता में कोई संदेह नहीं है। सवाल यह है कि क्या उन्हें स्वतन्त्र रूप से काम करने दिया गया या नहीं। उन्हें केवल छूट दिए जाने की आवश्यकता है कि वह निर्भीक होकर अपने काम को अंजाम दें एवं इस पूरे तथाकथित कांड में जो भी व्यक्ति जिम्मेदार हैं उन्हें सामने लाएं ताकि जनता उनके संबंध में स्वयं एक निर्णय ले सके। यदि चुने हुए लोग इसमें सम्मिलित हैं तो अगले चुनाव में जनता उसी अनुसार उत्तर देगी और यदि किसी प्रकार की कोई गलती नहीं है तो संदेह के बादल छट जाएंगे। फिलहाल तो आवश्यकता तो इस बात की है जनता के हक का सम्मान भारत सरकार करे और देश को वह सारी जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जिसके बारे में सवाल हिंडन बर्ग रिपोर्ट में उठाए गए हैं।

इस रिपोर्ट को देश विरोधी कहना उचित इसलिए नहीं है कि हिंडन बर्ग के द्वारा वित्तीय अनियमितताओं के बारे में अन्य देशों की कंपनियों के संबंध में भी रिपोर्ट दी गई थी। तब किसी भी देश ने, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, जापान भी शामिल हैं, ने इसे उनके देश पर हमला नहीं बताया था। यदि इसे देश पर हमला बताया जाता है तो फिर हमले का प्रत्युत्तर देने के लिए एक प्रकार की 'सर्जिकल स्ट्राइक' की आवश्यकता है। क्या उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री शीघ्र ही इस पूरे प्रकरण में भी विभिन्न प्रकार के आशंकाओं को निर्मूल करते हुए कोई सर्जिकल स्ट्राइक करके देश के समक्ष दूध का दूध और पानी का पानी कर देंगे?

लोकतंत्र में जनता को यह जानने का हक तो है ही कि अडानी ग्रुप की सम्पत्ति में इतनी अप्रत्याशित वृद्धि (जिसमें कोविद की अवधि भी सम्मिलित है) कैसे हुई और क्या इसमें सत्ता का वरद हस्त भी था?

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

रणथम्भौर बाघ अभयारण्य पर विशेष

प्रकृति प्रेमियों को सुकून देती है बाघों की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी विश्व के मानचित्र में राव हम्मीर की वीरभूमि के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले रणथम्भौर किले के चहुंओर फैली राष्ट्रीय बाघ परियोजना में बीते कुछ दशकों के दौरान बाघों की संख्या में हुई अप्रत्याशित वृद्धि हर उस विचारक, चिंतक और प्रकृति प्रेमी के लिए विशिष्ट संतुष्टि एवं सुखद अहसास का कारक है, जिसके माथे पर अतीत में विलुप्तता की ओर बढ़ती बाघ-प्रजाति को लेकर चिंता की गहरी रेखाएं उभर आईं थीं। यह बात अलग है कि चिंता की लकीरें अभी भी यथावत हैं।

चिंता की गहरी स्याही से स्वयमेव उभर आने वाली इन लकीरों की अब वजह और जगह बदल गई है। पहले ये लकीरें विलुप्तप्राय प्रजाति के संरक्षण के लिए कुछेक चिंतकों के माथे पर उभरती थीं लेकिन अब स्थिर सीमाओं के भीतर बढ़ते बाघों के घनत्व और उससे उत्पन्न हो रहे क्षेत्राधिकार के स्वाभाविक भीषण संघर्ष ने प्रकृति प्रेमियों के साथ-साथ बतौर अधिकारी/कर्मचारी रणथम्भौर बाघ परियोजना में तैनात समूचे सरकारी अमले के माथे को चिंता की सलवटों से पाट दिया है। जहां एक ओर बाघों की संख्या में हुई अप्रत्याशित वृद्धि ने परियोजना की सीमाओं से सटे गांवों के ठ्ग़ामीणों और बाघों के बीच वैमनस्यता का भाव उत्पन्न कर टकराव की संभावनाएं बढ़ा दी हैं, वहीं दूसरी ओर बाघों के बीच क्षेत्र के वर्चस्व को लेकर होने वाले खूनी संघर्ष में अनेक बाघों की मृत्यु हो जाना न सिर्फ़ परियोजना में पदस्थ कार्मिकों बल्कि खुद सरकार के लिए भी चिंता का विषय बन चुका है। भू-क्षेत्र स्थिर है। यह कोई एलास्टिक नहीं है, जिसे खींचकर बढ़ाया जा सके। परियोजना की नींव रखते वक्त किसी ने सोचा भी नहीं था कि भविष्य में एक दिन ऐसा भी आएगा, जब बाघों के घनत्व के मुकाबले इस परियोजना का क्षेत्र ऊंट के मुंह में जीरे की मानिंद बौना दिखाई देने लगेगा।

इस बाघ परियोजना में उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती प्रकार का एनोजिसस फॉरेस्ट पाया जाता है।

रणथम्भौर बाघ परियोजना प्रथम में बाघों का घनत्व 10.011.36 बाघ प्रति 100 वर्ग कि.मी. है। मध्य भारत में शुष्क पर्णपाती प्रकार के वनों में रणथम्भौर बाघ परियोजना में सबसे ज्यादा बाघ घनत्व है। रणथम्भौर के बाद दूसरे स्थान पर घनत्व में ताडोबा टाईगर रिजर्व आता है।

रणथम्भौर बाघ परियोजना प्रबंधन के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि रणथम्भौर में बाघों की डेन्सिटी मध्य भारत के सभी टाईगर रिजर्व से बहुत अधिक है। रणथम्भौर बाघ परियोजना प्रबंधन द्वारा हैबीटाट इम्प्रूवमेंट, प्रोटेकशन, वाटर मैनेजमेंट के अनेक कार्य किये गये हैं। इसके परिणामस्वरूप आज रणथम्भौर में 77 से ज्यादा बाघ विचरण कर रहे हैं, जिसमें शावकों का सर्वाइवल रेट 70 प्रतिशत है, जो कि अन्य बाघ परियोजना में सर्वाइवल रेट (30-40 प्रतिशत) से कहीं ज्यादा है।

रणथम्भौर में बाघों की संख्या निरन्तर वृद्धि की ओर अठोसित है। पिछले दो सालों में बाघों की संख्या में लगभग 24 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। बाघों की बढ़ती संख्या एक चुनौती तब बन जाती है, जब हमारे पास वन क्षेत्र की सीमाएँ स्थिर होती हैं। इससे टेरिटोरीयल फाइटिंग, ह्यूमन वाइल्डलाइफ कॉफ्लिक्ट इत्यादि समस्याएँ सामने आने लगती हैं।

रणथम्भौर टाईगर रिजर्व में बाघों की संख्या व घनत्व अधिक हो जाने के कारण यहां बाघों के लापता व गुमशुदगी, क्षेत्राधिकार को लेकर आपसी टकराव तथा मौतें होने के प्रकरणों की संख्या अधिक है। रणथम्भौर टाईगर रिजर्व में वर्ष 2006 से 2014 तक भारतीय वन्य जीव संस्थान देहरादून द्वारा किये गये एक शोध में यह उल्लेख किया गया कि रणथम्भौर टाईगर रिजर्व के रणथम्भौर नेशनल पार्क एवं सवाई मानसिंह अभ्यारण्य क्षेत्र में टाईगर घनत्व केरिंग केपेसिटि के बराबर पहुंच चुका है। शोध के समय रणथम्भौर टाईगर रिजर्व प्रथम के क्षेत्र में 43 व्यस्क बाघ थे जबकि वर्तमान में बढ़कर 22 नर एवं 30 मादा हैं और कुल 52 वयस्क बाघ हो गये हैं।

वर्ष 2011 में राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा गठित मिसिंग टाईगर के संबंध में कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में यह स्पष्ट उल्लेख किया कि रणथम्भौर नेशनल पार्क में 40 से अधिक बाघों की संख्या पार्क प्रबंधन के लिये हमेशा समस्या का कारण रही है। वयस्क होने पर बाघ या तो अपनी टेरीटरी से दूर चले जाते है या पूर्व में स्थापित बाघ-बाघिन को उनकी टेरीटरी से विस्थापित कर देते हैं। टाईगर की बढ़ती संख्या के लिये रणथम्भौर टाईगर रिजर्व में पर्याप्त क्षेत्र उपलब्ध नहीं है। वर्तमान में रणथम्भौर टाईगर रिजर्व में 23 नर बाघ, 31 मादा बाघिन एवं 23 अल्प वयस्क/शावक, कुल 77 बाघ /बाघिन हैं। इसके अतिरिक्त धौलपुर जिले में 1 नर बाघ एवं 1 मादा बाघिन हैं। इस प्रकार वर्तमान में रणथम्भौर टाईगर रिजर्व में धौलपुर सहित कुल 24 नर बाघ, 32 मादा बाघिन एवं 23 अल्प वयस्क / शावक सहित कुल 79 बाघ हैं।

बाघों की यह संख्या रणथम्भौर टाईगर रिजर्व की वर्ष 1973 में स्थापना के बाद से अब तक की अधिकतम संख्या है। वर्तमान में नर एवं मादा बाघ का अनुपात भी 1 अनुपात 1.3 है। वर्तमान में 32 मादा बाघिनों में से अधिकांश प्रजनन आयु में है, जिसके कारण नये शावकों के जन्म में भी वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 से 2021 के बीच 44 शावकों का जन्म हुआ है। अब इन समस्याओं पर सरकार को गौर करना होगा और शीघ्र समाधान ढूंढना होगा।

–प्रकाश चंद्र शर्मा,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

85 दिन बाद बाबा श्याम का दरबार श्रद्धालुओं के लिए खोला

खाटूश्यामजी, (निसं)। 85 दिन के लम्बे इंतजार के बाद सोमवार को सुबह 11 बजे बाबा श्याम का दरबार श्याम श्रद्धालुओं के लिए दर्शनार्थ खोला गया।

राजस्थान सरकार की देवस्थान मंत्री शकुन्तला रावत के श्याम दर्शन करने के साथ ही मंदिर को श्याम दर्शनार्थ खोल दिया गया। जैसे ही स्थानीय नागरिकों को मंदिर खुलने की सूचना मिली तो लोग श्याम दर्शन करने पहुंचे और श्री श्याम मंदिर कमेटी द्वारा मंदिर के अंदर किए गए नवाचारों की भी प्रशंसा की। अब श्याम के मन्दिर में 14 कतारों में दर्शन हो रहे हैं। साथ ही बाबा की चौखट के पर एक पारदर्शी शीशा लगाया गया। श्याम बाबा के मंदिर के अंदर अब भक्तों को सुगमतापूर्वक दर्शन हो रहे हैं।

- **अब श्याम के मन्दिर में 14 कतारों में दर्शन हो रहे हैं**
- **देवस्थान मंत्री शकुन्तला रावत ने श्याम दर्शन करने के साथ ही मंदिर खोला**

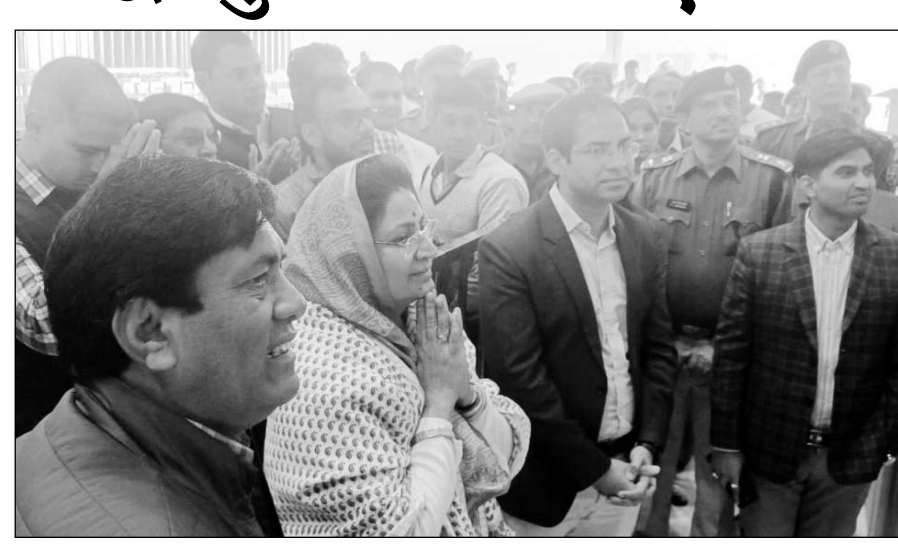

खाटूश्यामजी में देवस्थान मंत्री शंकुतला रावत सहित भक्तों ने श्याम बाबा के दर्शन किए।

देवस्थान मंत्री रावत ने किए श्याम दर्शन: राजस्थान सरकार की देवस्थान मंत्री शकुन्तला रावत ने सोमवार को खाटूश्यामजी पहुंचकर बाबा श्याम के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर कमेटी के संरक्षक प्रताप सिंह चौहान ने गत तीन माह में दर्शन व्यवस्था को सुगम करने के लिए श्री श्याम मंदिर कमेटी द्वारा किए गए नवाचारों की विस्तृत जानकारी दी। जिस पर प्रभारी मंत्री ने मंदिर कमेटी द्वारा किए कार्यों की सराहना की साथ ही आने वाले श्याम भक्तों से कतारबद्ध होकर धैर्य के साथ दर्शन करने की अपील की। इसके साथ ही 22 फरवरी से आयोजित होने वाले वार्षिक लक्खी मेलें की तैयारियों का जायजा लिया तथा दर्शन मार्ग, पार्किंग स्थल सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

श्याम बाबा का मंदिर खुलने के बाद सोमवार शाम मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रमेश बोराण ने बाबा श्याम के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की।इस दौरान श्री श्याम मंदिर कमेटी के मंत्री श्याम सिंह चौहान व प्रताप सिंह चौहान ने स्वागत करते मंदिर कमेटी द्वारा किए गए नवाचारों तथा व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

राष्ट्रीय राजमार्ग 48 की सर्विस रोड की हालत खस्ता

पावटा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के सर्विस रोड की हालत खराब हो गई है। सर्विस रोड पर बने गड्ढों में पानी भरने से जगह-जगह तालाब नजर आ रहे हैं। जिससे सर्विस रोड पर आवागम मुश्किल हो गया है।

बारिश की वजह से ललाणा मोड से लेकर से लेकर सीएचसी कट तक बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। वहीं वाहन तेजी से चलाते हुए जब गड्ढों के निकट आते हैं तो अचानक ब्रेक लेने के प्रयास में बिगड़ जाता है। यह तो संयोग ही अब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। यदि सर्विस रोड में सुधार न हुआ तो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ललाणा मोड पर सर्विस रोड पर करीब 3 फीट गहरा गड्ढा हो गया है। ऐसे ही कई और गड्ढे हैं जिसमें बड़े वाहन तो पार हो जाते हैं लेकिन छोटे वाहन अक्सर फंस जा रहे हैं। साइकिल व मोटरसाइकिल वालों के लिए यह सबसे बडी मुसीबत बने गए हैं। इस रास्ते से स्कूली वाहन सर्वाधिक आते जाते हैं। वहीं प्रशासन व एनएचएआई अधिकारियों को भी भी इस बारे में कई बार अवगत करवाया गया है लेकिन वो भी आंखें मूंदे हैं।

सर्विस रोड पर बने गड्ढे में भरा पानी।

- **ललाणा मोड से सीएचसी कट चौराहे तक सड़क बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील**

सोलंकी का होगा सम्मान

जालोर, (कासं)। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष एवं पूर्व उपसभापति नगर परिषद जालोर मंजू सोलंकी महिला शक्ति शिरोमणी अवॉर्ड 2023 के सम्मान से दिल्ली में सम्मानित होगी।

जानकारी देते हुए अंतरराष्ट्रीय समरसत्ता मंच के सचिव योगेश कुमार शर्मा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय समरसत्ता मंच एवं इंडो नेपाल ऑर्गनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में नई दिल्ली में महिला दिवस कार्यक्रम में 12 मार्च को महिला सम्मेलन एवं विचार पस्ट्रेशन कार्यक्रम में पूर्व सम्मानित 150 प्रतिमाओं के साथ आपका चयन एवं प्रतिभा मनोनयन महिला शक्ति शिरोमणि अवार्ड से सोलंकी का सम्मान किया जाएगा।

राशिफल मंगलवार 7 फरवरी, 2023

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, मघा नक्षत्र सांय 5:45 तक, शोभन योग सांय 4:02 तक, तैतिल करण दिन 3:24 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज राजयोग सांय 5:45 से आरम्भ होगा। बुध मकर राशि में प्रातः 7:27 पर प्रवेश करेगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:57 से 11:19 तक, लाभ-अमृत 11:19 से 2:03 तक, शुभ 3:25 से 4:47 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:13, सूर्यास्त 6:08

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। वाणी की कटुता के कारण परिवार में तनाव हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण्ज्ञ कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

सिंह
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण्ज्ञ कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। व्यावसायिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

अफ्रीकन स्वाइन फीवर संक्रमित शूकर वंशीय पशुओं के आवागमन एवं परिवहन पर रोक

जयपुर, (का.सं.)। राज्य में अफ्रीकन स्वाइन फीवर के मामलों को गंभीरता से लेते हुए पशुपालन विभाग ने प्रदेश के प्रत्येक ज़िले में ब्लॉक स्तरीय दलों का गठन किया है। संक्रमित क्षेत्र (इंफेक्टड जोन), निगरानी क्षेत्र (सर्विलेंस जोन) एवं मुक्त क्षेत्र (फ्री जोन) के आधार पर गठित इन दलों द्वारा संक्रमित एवं शूकर वंशीय पशुओं के विचरण स्थल पर पहुंच कर सर्वेक्षण कर रोग की रोकथाम एवं निदान के लिए हर संभव कार्यवाही की जा रही है। गठित दलों द्वारा संक्रमित एवं मृत शूकरों के सैंपल एकत्र कर अफ्रीकन स्वाइन फीवर रोग की पुष्टि के लिए राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, निषाद भोपाल भिजवाए जा रहे हैं। रोग की आक्रामकता एवं शूकर पशुपालकों के हितों को ध्यान में रखते हुए पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. भवानी सिंह राठौड़ ने रोग की रोकथाम के सम्बन्ध में दिशा निर्देश जारी किये हैं।

इस सम्बंध ने विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ. राठोड़ ने बताया कि रोग के प्रति संवेदनशीलता को देखते हुए विभागीय अधिकारियों को अलर्ट जारी कर शूकर वंशीय पशुओं को इस रोग से बचाने एवं पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए प्रत्येक ज़िले के प्रभावित क्षेत्रों में रोग सर्वेक्षण, रोग निदान, प्रतिबंधित/मुक्त क्षेत्र चिन्हित कर 'क्षेत्र विशिष्ट कार्यवाही' निष्पादित की जायेगी।

अफ्रीकन स्वाइन फीवर रोग के प्रति संवेदनशीलता को देखते हुए प्रत्येक ज़िले के प्रभावित क्षेत्रों में रोग सर्वेक्षण के लिये पशुपालन विभाग की टीम रवाना हुई।

उन्होंने कहा कि शूकर वंशीय संक्रमित पशुओं एवं संपर्क में आये अन्य शूकरों का वैज्ञानिक रीति से यूथेनाइज, क्षेत्र का विसंक्रमण, वेक्टर कण्ट्रोल, जैव कचरे, पशु आहार एवं अन्य कचरे आदि का निस्तारण किया जाएगा ताकि रोग पर नियंत्रण किया जा सके। वहीं जंगली शूकरों में रोग प्रकोप नियंत्रण के लिए

■ 'पशुपालकों की सहायता के लिए विभाग 24 घंटे समर्पित, प्रत्येक जिले में ब्लॉक स्तर पर त्वरित कार्यवाही दल गठित'

वन विभाग एवं अन्य सम्बंधित विभागों के साथ सामंजस्य स्थापित कर कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि शूकर वंशीय पशुओं की असामान्य मृत्यु एवं अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि के सम्बन्ध में प्रभावित क्षेत्र के जिला प्रशासन, सम्बंधित ब्लॉक स्तरीय नोडल अधिकारी एवं स्थानीय निकाय व पंचायतों को अवगत करवा कर अपेक्षित सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग पशुपालकों के हितों के लिए समर्पित है। किसी भी प्रकार की मदद विभागीय अधिकारियों से संपर्क कर ली जा सकती है। साथ ही पशुपालक भी पशुओं में असामान्य स्थिति होने पर विभाग के अधिकारियों से तुरंत संपर्क करें ताकि राज्य के पशुओं को समय रहते इस तरह के रोगों से निदान पहुंचाया जा सके।

पेपर लीक व बेरोजगारी से नाराज बहरोड़ विधायक बलजीत यादव ने सुबह से सूर्यास्त तक सेंट्रल पार्क में सरकार के विरोध में लगातार दौड़ लगाई।

'जनवरी तक 5573 करोड़ का राजस्व संग्रहण'

जयपुर, (का.सं.)। राज्य का माइंस विभाग राजस्व अर्जन में इस साल नया रेकार्ड कायम करने जा रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि जनवरी, 23 तक विभाग द्वारा 5572 करोड़ 96 लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया है जो गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में करीब 836 करोड़ रु. अधिक है जबकि 2020-21 की पूरे वित्तीय वर्ष के राजस्व संग्रहण 4966 करोड़ 39 लाख से 606 करोड़ रु. से भी अधिक का राजस्व संग्रहित किया है।

एसीएस डॉ. अग्रवाल ने बताया कि विभाग द्वारा गत वित्तीय वर्ष में 6395 करोड़ 75 लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया था जबकि इस साल सात हजार करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित कर नया रेकार्ड बनाया जाएगा। राजस्व बढ़ोतरी के लिए विभाग द्वारा समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी राजस्व की छीजत रोकने और राजस्व बढ़ाने के लिए विभागीय मोनेटरिंग व्यवस्था को मजबूत करने और नियमित समीक्षा के परिणाम स्वरुप राजस्व बढ़ाने में उल्लेखनीय सफलता मिली है। विभाग द्वारा योजनावद्ध तरीके से अवैध खनन

■ एसीएस माइंस ने अधिकारियों से कहा जितना अधिक फील्ड से जुड़ेंगे उतने ही मिलेंगे बेहतर परिणाम

व परिवहन गतिविधियों पर कार्यवाही में तेजी लाई गई। नियमित मोनेटरिंग, दिशानिर्देश के क्रियान्वयन व आपसी समझ व समन्वय से लक्ष्यों से अधिक राजस्व अर्जित किया जा सका है।

एसीएस माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल सोमवार को सचिवालय में निदेशक माइंस संदेश नायक व अधिकारियों के साथ माइंस विभाग की राजस्व वसूली और अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने रेकार्ड राजस्व अर्जन के लिए विभाग के अधिकारियों व कार्मिकों को बधाई देते हुए बताया कि टीम भावना व परस्पर समन्वय से यह रेकार्ड राजस्व संग्रहण हो सका है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे जितना अधिक फील्ड से जुड़े रहेंगे उतने ही अधिक सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे, राजस्व बढ़ेगा, अवैध गतिविधियां रुकेगी और वैध खनन गतिविधियों को बढ़ाया मिलेगा।

खोया पाया

आंनद भवन निर्माण सहकारी समिति का प्लॉट नं.45 पटेल नगर, अजमेर रोड के ओरिजनल दस्तावेज कहीं खो गए है। मिलने पर सूचित करें। वैभव साबू-9829062188

जलमहल हा.कॉ.सो.लि. जयपुर की योजना विश्वकर्मा नगर-I, II के भूखण्ड सं.-93 की मूल लीजडीड, स्टाम्प, साईट प्लान कहीं गुम हो गये है। मुकेश पाण्डया मो.8696934120

PUBLIC NOTICE

This is to inform to all, that we Bhur Singh Rajpurohit, Ranu Singh Rajpurohi & Sawai Singh all S/o Prem Singh Rajpurohit being a Legal owner of immovable property being Plot No. 36 situated at Khasra No. 46, 43/1, 44, 41/1045, 42/1046, 39/984, 39/984/1346, 41, 42, 43/1047, 44/1048, 32/1042, 33, 51, 54 and 40/1044, 51, 54 and 40/1044, Village Syaau, Tehsil Chomu, District Jaipur (Hereinafter refer as the said properties) That we are willing to finance against the said properties have clear and marketable title, interest without any encumbrances. That Bhur Singh Rajpurohit & Shri Ranu Singh Rajpurohi & Shri Sawai Singh has declared Sale deed dated 18.10.2012 has been lost and a Found and lost information report So No. 10/2016 Rajasthan Police Complaint by Sharwan Kumar Jat S/o Baksha Ram Jat on dated 01.02.2019 regarding missing of Sale deed dated 18.10.2012, which was registered in SR-Chomu, Jaipur on dated 18.10.2012 Book No. 1, Vol. No. 423 on Page No. 101, Reg. No. 2012008301, Add. Book No. 1, Vol. No. 1473 page No. 1 to 12. and therefore not presented to STATE BANK OF INDIA SMS Highway Branch, Chaura Rasta, Jaipur and also declared that no mortgage, charge, lien, encumbrances, over the said properties against the lost Sale Deed has been created. Therefore any person, bank, firm, institution etc. having objection against said transaction or they having right, interest, share, claim, charge, lien, relation, encumbrances, agreement, mortgage, hypothecation easements evidence etc. or other rights, claim they should right the undersigned along with documentary evidence within 7 days from the publication of this notice. On failure of the same after expiration of the period of notice, it will be considered that there is no right or claim of any body and if it there they have waived the same and STATE BANK OF INDIA Highway Branch, Chaura Rasta, Jaipur shall finance against the said property. Thereafter no dispute complains of objection will be entertained this may be noted by the concerned.

Bhur Singh Rajpurohit
Ranu Singh Rajpurohi
Sawai Singh

नाम परिवर्तन

I, Suresh Singh No.3001300W S/o Late Ratan Singh R/o Plot No.-35, Balaji Dham Niwaru Link Road, Govindpura, Jhotwara Jaipur Rajasthan 302012, In Service record my Son's Name Lokendra Singh Tanwar is wrongly recorded. Correct is Lokendra Pratap Singh Tanwar vide affidavit dated 27.01.2023 Jaipur Court.

I have changed my name from Nazmuz Sahar to Najmussahar In future I have called Najmussahar W/o Ateeg Ahmed. 757 Bisatiyon Ka Mohalla, Ram Ganj Bazar, Jaipur-3

मैंने अपना नाम ममता कुमारी सोनी से बदल कर ममता सोनी रख लिया है। भविष्य में मुझे ममता सोनी पत्नि योगेश सोनी, निवासी 100, सुन्दर विहार कालवाड़ रोड, झोटवाडा, जयपुर के नाम से जाना जाये।

मेरा नाम कुछ दस्तावेजो में आशा चौहान दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम आशा कंवर है अब मेरे को भविष्य में आशा कंवर के नाम से ही जाना व पहचाना जावें। पत्ता- प्लाट नं.-127 मित्र नगर जोडी फार्म के पास मार्ग नं.- 4 झोटवाडा जयपुर

सभी राज्यों में बनाए गए राजस्थान उद्योग मित्र

जयपुर, (का.सं.)। मारवाड़ी इंटरनेशनल फेडरेशन के संगठन को तेजी से विस्तार देने के लिए संस्था के संस्थापक महासचिव सीए विजय गर्ग ने बताया कि, मारवाड़ी इंटरनेशनल फेडरेशन के द्वारा भारत के प्रत्येक राज्य में राजस्थान उद्योग मित्र बनाए गए हैं। पूरी दुनिया में, मारवाड़ी शब्द को उद्यमिता की पहचान माना जाता है एवं मारवाड़ीयो द्वारा भारत के सभी राज्यों एवं विदेशों में उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में अपना विशेष योगदान रहा है एवं मारवाड़ीयो ने अपनी विशेष पहचान बनाई है। इसी दिशा में राजस्थान में तेजी से औद्योगिक विकास के लिए, राजस्थान के आर्थिक विकास को गति देने के लिए, राजस्थान के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए एवं राजस्थान को देश- विदेश के मानचित्र पर औद्योगिक स्टेट का दर्जा देने के लिए, मारवाड़ी इंटरनेशनल फेडरेशन विशेष रूप से कार्य कर रहा है।

मारवाड़ी इंटरनेशनल फेडरेशन ने राजस्थान में तेजी से औद्योगिक और आर्थिक विकास के लिए प्रवासी राजस्थानीओं को जो कि औद्योगिक नीतियों, कर प्रणाली, वित्तीय प्रबंधन, टैक्स कंसलटेंट ,इंडस्ट्री कंसलटेंट आदि निपुण है एवं उनके पास चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, कंपनी सेक्रेट्री, टैक्स कंसलटेंट, आईसीसीडब्ल्यू, कॉस्ट अकाउंटेंट आदि की डिग्रियां एवं अनुभव हो उनको राजस्थान उद्योग मित्र के रुप में नियुक्त किया गया है। यह सभी राजस्थान उद्योग मित्र, राज्य सरकार को औद्योगिक एवं व्यापारिक नीतियों से संबंधित समय-समय पर सुझाव देंगे एवं वास्तविक रूप से राजस्थान में कैसे निवेश के और अवसर उपलब्ध हो सकते हैं, यहां के युवाओं को कैसे रोजगार मिल सकता है और प्रदेश का आर्थिक विकास तेजी से कैसे हो सकता है इस संबंध में अपनी राय मशवरा देंगे एवं प्रवासी राजस्थानी यों को प्रदेश में उद्योग व्यापार को बढ़ावा देने के लिए आकर्षित करेंगे।

मोहन भागवत के ब्राह्मण विरोधी बयानों की घोर भर्त्सना की

जयपुर (का.सं.)। गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान के युवा प्रदेश अध्यक्ष पंकज पचलंगिया एडवोकेट ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के ब्राह्मण विरोधी बयानों की भर्त्सना की मोहन भागवत आर.एस.एस. प्रमुख के नाते ब्राह्मण समाज को जातिवाद फैलाने का आरोप लगाते हैं तुरंत माफी मांग कर अपने बयानों को वापस ले ब्राह्मणों ने कभी ना जातिवाद किया ना कभी जातिवाद फैलाई इस देश के अनेको प्रधानमंत्री व देश के आजादी के समय अधिकतर राज्यों के मुख्यमंत्री ब्राह्मण समाज से थे उसके बावजूद भी कभी समाज के राजनेताओं ने न परिवारवाद वह जातिवाद किया ,हमेशा सर्व जाति को साथ लेकर सभी के हितों के लिए ब्राह्मण समाज तत्पर रहा है

आर.एस.एस. का असली चेहरा मोहन भागवत के सामने के माध्यम से आ गया और यह सिद्ध है आर एस एस का राजनीतिकरण हो चुका है। पंकज पचलंगिया ने बताया कि स्वामी प्रसाद मौर्य के बयानों से छटपटा कर आर. एस. एस. ने अपना असली चेहरा आम जनता के सामने मोहन भागवत के बयान के माध्यम से पेश किया है

यदि आर.एस.एस. मोहन भागवत के बयानों से इत्तेफाक नहीं रखती तो तुरंत मोहन भागवत को पद से हटाए। पंकज पचलंगिया एडवोकेट ने बताया कि ब्राह्मण विरोधी बयान का व्यापक असर पूरे हिंदुस्तान में होगा तुरंत मोहन भागवत को माफी मांगनी होगी।

रेल मंत्री को देवदर्शन के शिलान्यास करने राजसमंद आने का न्यौता दिया

जयपुर, (का.सं.)। सांसद दीया कुमारी के नेतृत्व में राजसमंद जिले के जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं के एक दल ने दिल्ली के रेल भवन में

■ नाथद्वारा से देवगढ़ तक ब्रॉडगेज हेतु 968.92 करोड़ की स्वीकृति पर जताया आभार

केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर मावली मारवाड़ आमान परिवर्तन के प्रथम फेज में नाथद्वारा से देवगढ़ तक के लिए 968.92 करोड़ की स्वीकृति हेतु आभार व्यक्त किया।

दल की भावनाओं को केंद्रीय मंत्री वैष्णव के समक्ष रखते हुए सांसद दीया कुमारी ने कहा की 8 - 9 दशक की लंबी प्रतीक्षा को पूर्ण कर क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ताओं को जो उपहार आपने दिया है उससे सभी प्रसन्न है। मोदी सरकार के प्रति जनता अपनी सद्भावनाएं व्यक्त करती है। क्षेत्र की जनता अपेक्षा रखती है की प्रथम चरण की घोषणा की विधिवत शुरुआत करते हुए जल्दी से जल्दी कार्य पूर्ण कर दूसरे चरण की शुरुआत की जाए।

वैष्णव ने कहा कि रेल सेवाओं का विस्तार करके ही देश को आगे बढ़ाया जा सकता है और यह सब पी.एम. मोदी के नेतृत्व के कारण संभव हो पा रहा हैं जो बारीकी से एक एक बात का निरीक्षण करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा की जल्दी ही प्रथम

सांसद दीया कुमारी के नेतृत्व में कार्यकर्ता रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से दिल्ली में मिले।

चरण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। आभार ज्ञापित करने दिल्ली पहुंचे करीब 50 कार्यकर्ताओं के दल ने केंद्रीय मंत्री वैष्णव को प्रभु श्रीनाथ जी का छवि चित्र भेंट कर पान प्रसाद गुलदस्ते और इकलाई के साथ भावपूर्ण स्वागत सम्मान करते हुए भारत माता, श्रीचार भुजानाथजी, श्रीद्वारकाधीश और श्रीनाथजी, वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जयकारे के साथ राजसमंद आकर देवदर्शन के साथ शिलान्यास करने का न्योता दिया।

सोमवार को एक नया संक्रमित मिला

जयपुर। प्रदेश में सोमवार को करोना संक्रमण का एक नया मामला सामने आया है। इस दौरान एक और मरीज के ठीक होने से एक्टिव केस 15 पर ही बने हुए हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में जयपुर में एक नया संक्रमित मालवीय नगर में मिला है। इससे पहले राज्य में रविवार को भी एक ही मरीज पाया गया था। इधर आज जयपुर में एक नया संक्रमित मिलने से एक्टिव केस बढ़कर 5 हो गए हैं।

प्रदेश में सोमवार को केवल एक संक्रमित के ठीक होने से एक्टिव केस 15 पर ही बने हुए हैं। इनमें भरतपुर में 6, जयपुर में 5 व उदयपुर में 3 तथा अलवर में एक मामला है। राज्य में सोमवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9654 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में आज 5 हजार 217 कोविड के टीके लगाये गये है।

नौ लोगों पर बालानंद मठ की संपत्तियां हड़पने का आरोप

जयपुर, (का.सं.)। राजधानी जयपुर के चांदपोल बाजार में पुरानी बस्ती स्थित बालानंदजी के मठ के महंत महेशदास ने नाहरगढ़ थाने में एक मुकदमा दर्ज करवाया है। इसमें 9 लोगों पर फर्जी वसीयत बनाकर मठ की संपत्तियों को हड़पने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। अब इस केस की जांच नाहरगढ़ थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक महेश दास ने रिपोर्ट में बताया कि वह पिछले 35 वर्षों से बालानंद के मठ में सेवा पूजा एवं प्रबंधन सहित सभी कार्य संचालित कर रहा है। वह मठ के पूर्व महंत लक्ष्मणनंदाचार्य जी का चेला है।

महंत लक्ष्मणदास ने अपने देहांत से पहले महेशदास के पक्ष में वसीयत 9 अक्टूबर 22 को तैयार की, जिसमें उन्होंने अपने शिष्य महेशदास को अपना चेला एवं उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। 31 अक्टूबर 22 को मठ के महंत लक्ष्मणनंदाचार्य जी के देहांत के बाद 27 नवंबर 22 को मठ से जुड़े लोगों के बीच चादर पोशी की रस्म अदा की गई जिसमें महेश्दास को महंत घोषित किया गया। इसके बाद रिपोर्ट में दर्ज आरोपीगणों ने मिलकर के एक और फर्जी वसीयत तैयार की और बालानंद मठ की संपत्तियों पर कब्जा करने का प्रयास किया। पीड़ित महंत महेशदास ने बताया कि आरोपियों ने जो फर्जी वसीयत तैयार की है वह भी 9 अक्टूबर 2022 की है, लेकिन उसमें ना तो दिवंगत महंत लक्ष्मणदास के हस्ताक्षर हैं,ना उनकी आयु सही लिखी गई है। महंत महेशदास का आरोप है कि इसके अलावा फर्जी वसीयत लक्ष्मणनंदाचार्य द्वारा तैयार नहीं कराई गईं बल्कि किसी चेला रामशंकर के द्वारा तैयार कराई गईं है।

अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पुलिस विभाग में अनिवार्य एफ.आई.आर., स्वागत कक्ष सहित अन्य नवाचार किए गए हैं।

गहलोत सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पुलिस महानिरीक्षकों एवं जिला पुलिस अधीक्षकों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संगठित अपराधों के खिलाफ विशेष अभियान आक्रामक रूप से जारी रखें। सोशल मीडिया पर गैंगस्टर और अपराधियों को फोलो एवं समर्थन करने वालों, आश्रय और वित्तीय सहायता प्रदान करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

उन्होंने जेल में अपराधिक तत्वों के माध्यम से संचालित सक्रिय गिरोहों के खिलाफ विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि साम्प्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने वाली कोई भी घटना किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

बजरी डंपर से हुई तीन लोगों की मौत, छह घंटे के प्रदर्शन के बाद उठाए शव

मांगों पर सहमति बनने के बाद ही तीनों शवों का पोस्टमार्टम हो सका

जहाजपुर से भाजपा विधायक गोपीचंद मीणा के नेतृत्व में भाजपाइयों व परिजनों द्वारा एसडीएम ऑफिस के बाहर धरने के दौरान पुलिस ने मौके पर पहुंच कर समझाइश की।

■ पुलिस ने हादसे के बाद वाहनों में हुई आगजानी के मामले में भी एफ़आईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू की

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाज़पुर थाना क्षैत्र से गुजरने वाले नेशनल हाईवे 148 डी धौड़ घाटी के पास बीती रात हुई डंपर की टक्कर से कार सवार तीन नौजवानों की मौत और दो जनों के घायल होने के मामले में दूसरे दिन जहाजपुर से भाजपा विधायक गोपीचंद मीणा के नेतृत्व में भाजपाइयों व परिजनों ने एसडीएम ऑफिस के बाहर चार सूत्रीय मांगों को लेकर 6 घंटे धरना दिया। मांगों पर सहमति बनने के बाद ही तीनों शवों का पोस्टमार्टम हो सका। पुलिस का कहना है कि तीनों शव परिजनों को सौंप दिये गये।

जहाजपुर पुलिस के अनुसार, सरसिया निवासी रमेश पुत्र मथरा मीणा, धीरज पुत्र बरदीचंद सुवालका व नरेंद्र पुत्र प्रेमचंद मीणा के साथ ही नाथूण निवासी लेखराज पुत्र शांतिलाल मीणा व अशोक पुत्र राजू मीणा रविवार देर रात कार से नाथूण गांव से सरसिया जा रहे थे। यह कार, धौड़ घाटी के पास पहुंची थी कि जहाजपुर की ओर से आये बजरी भरे डंपर ने कार को टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि कार सवार रमेश मीणा, धीरज सुवालका व लेखराज मीणा की मौत हो गई, जबकि अशोक मीणा व नरेंद्र मीणा घायल हो गये, जिन्हें जहाजपुर में प्राथमिक उपचार के बाद मुख्यालय पैट एमजी अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। दूसरे दिन जहाजपुर से भाजपा विधायक गोपीचंद मीणा के नेतृत्व में भाजपाइयों व परिजनों ने एसडीएम ऑफिस के बाहर चार सूत्रीय मांगों को लेकर 6 घंटे तक धरना दिया। मांगों पर सहमति बनने के बाद ही तीनों शवों का पोस्टमार्टम हो सका।

पुलिस का कहना है कि तीनों शव परिजनों को सौंप दिये गये। पुलिस ने हादसे के बाद वाहनों में हुई आगजानी के मामले में भी एफ़ आई आर दर्ज कर मामले की जाँच शुरू की है।

महिला से छेड़छाड़ के आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार करने की मांग

पीड़ित पक्ष के लोगों ने पूर्व विधायक रामहेत यादव से मुलाकात की।

■ निजी क्लीनिक पर डॉक्टर द्वारा महिला के साथ अश्लील हरकत का मामला

■ पीड़ित परिवार के साथ सिख समाज के लोग पूर्व विधायक रामहेत यादव से मिले

किशनगढ़ बास, (निसं)। क्लीनिक पर इलाज के लिए पहुंची महिला के साथ अश्लील हरकत के मामले में पुलिस रवैये से परेशान सिख समाज के लोग पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की गुहार को लेकर पूर्व विधायक रामहेत यादव के किशनगढ़ बास मकान पर पहुंचे। पीड़ित पक्ष के लोगों का आरोप था कि पुलिस राजनीतिक दबाव में आरोपी डॉक्टर को बचा रही है और सत्तारूढ़ पार्टी के लोग राजीनामा को लेकर दबाव बना रहे हैं अब हमारी मदद करो यह मामला खैरथल पुलिस थाने का है।

पूर्व विधायक यादव के पास सोमवार को मदद की गुहार लेकर अनाज मंडी किशनगढ़ बास निवास पर पहुंचे सिख समाज के लोगों ने बताया खैरथल में निजी क्लीनिक पर महिला पति के साथ 2 दिन पहले इलाज कराने डॉक्टर के पास पहुंची तो डॉक्टर जीपी शर्मा महिला को इलाज के बहाने कमरे में ले गया और अश्लील हरकत की जिस पर महिला ने डॉक्टर के विरुद्ध खैरथल पुलिस थाने में शिकायत की हुई है। लेकिन पुलिस आरोपी डॉक्टर को नहीं पकड़ रही है उल्टे किलनिक पर कार्य करने वाली महिला नर्स की रिपोर्ट पर हमारे विरुद्ध जाति सूचक शब्द बोलने व मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है। पूर्व विधायक रामहेत यादव ने पीड़ित परिवार के साथ आए सिख समाज के लोगों की पीड़ा को सुना और एसपी से फोन पर बात कर पीड़ित महिला को न्याय दिलाने की बात कही।

यादव ने एसपी से बात करने के बाद मिलने पहुंचे सिख समाज के लोगों को आश्वासन दिया कि व पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए सिख समाज के फैसले के साथ हैं। आरोपी डॉक्टर नहीं पकड़े जाने को लेकर सिख समाज के लोगों में रोष व्याप्त है।

एमजी अस्पताल में कंपाउंडर ने मरीज को जड़ा थप्पड़

■ कंपाउंडर ने उसे कैंची घुसाने की कोशिश भी की

■ मरीज ने इस घटना को लेकर पीएमओ को शिकायत देते हुये कंपाउंडर को हटाने की मांग की

भीलवाड़ा, (निसं)। ज़िले के सबसे बड़े महात्मा गांधी चिकित्सालय में विवाद ख़त्म होने का नाम ही नहीं ले रहे है। सोमवार को एक पेशेंट के अटेंडर को एक कंपाउंडर ने ना सिर्फ़ थप्पड़ जड़ दिये, बल्कि कंपाउंडर ने उसे कैंची घुसाने की कोशिश भी की। अटेंडर का कसूर इतना ही था कि वह, पर्ची पर लिखी दवा समझने के लिए कंपाउंडर के पास चला गया। उधर, पीड़ित ने आरोपित कंपाउंडर को अस्पताल से हटाने की मांग को लेकर पीएमओ डॉ. अरुण गौड़ को शिकायत दी है।

एमजीएच चौकी प्रभारी अनवर हुसैन ने बताया कि करेड़ा थानासर्किल के जोरावरपुरा निवासी 40 वर्षीय भैंरूलाल पुत्र मोहनलाल लौहार ने पीएमओ को शिकायत दी। लौहार का आरोप है कि वह, अपने मित्र के पिता का उपचार करवाने के लिए जिला अस्पताल आया था।

घायल को सर्जिकल वार्ड में भर्ती किया गया। वार्ड में पर्ची पर दवा लिखी गई। भैंरूलाल इस दवा को समझने के लिए वार्ड में तैनात कंपाउंडर प्रमोद के पास गया। कंपाउंडर प्रमोद ने क्रोध में आकर बिना कारण ही भैंरूलाल को तीन-चार थप्पड़ मार दिये। इतना ही नहीं, पीड़ित भैंरूलाल के पेट में कैंची घुसाने की कोशिश भी की, जिसे लोगों ने पकड़ लिया। भैंरूलाल ने इस घटना को लेकर पीएमओ को शिकायत देते हुये कंपाउंडर को हटाने की मांग की है।

दो वाहन आमने-सामने भिड़े, बारह जने घायल

बीकानेर, (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ के ठुकरियासर गांव में रविवार रात दो वाहनों के आमने-सामने टकराने से बारह जने घायल हो गए। जिसके बाद घायलों को पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर रैफर किया गया है, हालांकि कुछ घायलों को श्रीडूंगरगढ़ में ही प्राथमिक उपचार दिया गया है।

धीरदेसर पुरोहितान गांव में रहने वाले लिखमाराम सुथार अपने परिवार के साथ रिश्तेदार के यहां किसी कार्यक्रम में गए हुए थे। वापसी में श्रीडूंगरगढ़ की ओर से ये लोग बोलेरो से लौट रहे थे। गांव ठुकरियासर से निकलते ही सामने से आ रही स्कॉर्पियो से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद स्कार्पियो में आग लग गई। आग लगने से काफी संख्या में लोग वहां पहुंच गए। घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला गया। दोनों गाड़ियों में सवार यात्री घायल हुए हैं। आपणो गाव सेवा समिति को हादसे की जानकारी दी गई। इसी समिति की एम्बुलेंस से श्रीडूंगरगढ़ हॉस्पिटल पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद 6 जनों को बीकानेर रेफर किया गया। घायलों में गांव धीरदेसर पुरोहितान के देवकर्ण, मोहन, लालचंद, पेमीदेवी, निरमा व झमका शामिल हैं। इनके अलावा द्रोपती पुत्री मघाराम, मनोज पुत्र लिखमाराम, विमला पत्नी मोहनलाल, आरती पत्नी मनोज, निशा पुत्री मनोहरलाल व गजानंद पुत्र रामकरण को सामान्य चोटें आने पर प्राथमिक उपचार किया गया है।

सड़क किनारे लाश मिली

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के धम्बोला थाना सर्कल में 40 वर्षीय व्यक्ति की लाश मिली। धम्बोला थाना पुलिस से मिली जानकारी अनुसार थाना सर्कल के पीठ सरथुना मार्ग पर पीठ गांव से कुछ ही दूरी पर सोमवार सुबह एक व्यक्ति की लाश सड़क के पास पत्थरों के बीच पड़ी हुई मिलने की जानकारी पुलिस को मिली जिस पर धम्बोला थाना अधिकारी हजारीलाल पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे।

मौके पर जाकर देखा तो 40 वर्षीय व्यक्ति की लाश पत्थरों के बीच पड़ी हुई है अज्ञात हत्यारे के द्वारा मृतक के चेहरे को पत्थर से बुरी तरह क्षत विक्षत किया हुआ है। फिलहाल पुलिस ने मृतक व्यक्ति की पहचान कर ली है मृतक भंडारी गांव निवासी मणिलाल पिता रणछोड़ डामोर है।

रुपये और सोने की ज्वैलरी से भरा पर्स लौटाया

भीलवाड़ा, (निसं)। महज कुछ पैसों के लिए जहां भाई-भाई व दोस्तों के बीच झगड़े हो जाते हैं वहीं समाज में कुछ ऐसे लोग अभी भी जिंदा हैं जो दूसरों के पैसों को अमानत समझकर उन्हें उसके असली मालिक तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं।

ऐसी ही ईमानदारी की एक मिसाल पेश की है गांव सुखामंड रतनपुरा पंचायत निवासी चांद मल शर्मा के पुत्र राहुल शर्मा ने। राहुल शर्मा ने उमरी निवासी नरपत सिंह डिंपल सिंह लाचूडा को रुपयों और सोने का बैग दो मोबाइल आधार कार्ड आदि से भरा पर्स लौटाकर समाज के लिए एक उदाहरण पेश किया है। जानकारी के अनुसार स्थानीय निवासी राहुल शर्मा रोडवेज बस स्टैंड के पास होटल पर कार्यरत है। एक दिन पूर्व रविवार रात्रि को अपने गांव के लिय भीलवाड़ा से कार से निकला। धुवाला चौराहे के पास अपने कार पर सवार होकर सुखामण्ड आ रहे थे। अचानक धुवाला चौराहे के पास एक पर्स दिखाई दिया जिसको खोलने पर उसमें दो मोबाइल सोने की रकम पैसे भी थे इसके तुरंत बाद मोबाइल से राहुल नाम के नंबर पर कॉल करके इसकी सूचना दी। इसके बाद उमरी निवासी नरपत सिंह एवं लाछुड़ा निवासी डिंपल सिंह ने सामान के बारे में बताया जिसके बाद ग्रामीणों की मौजूदगी में ईमानदारी का परिचय देते हुए पर्स लौटाया जिसमे 11912 रुपए सोने की झुमरी, झेला, रखड़ी, शीशफूल, दो मोबाइल दो आधार कार्ड आदि लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया।

ईरानी युवकों के विदेशी मुद्रा के साथ पकड़े जाने से भारत में कई जगह ठगी की आशंका

बीकानेर, (निसं)। रविवार को गिरफ्तार हुये ईरानी युवकों से कई चौंकाने वाले मामलों का खुलासा हो सकता है। पुलिस को उम्मीद है कि इन युवकों ने देशभर में कई जगह ठगी की वारदातों को अंजाम दिया है। फिलहाल नापासर में एक व्यापारी से नोटों की गड्डी से नोट निकालने का आरोप लगा है। इनके कब्जे से मिले कागजात और मुद्रा पुलिस के लिए चौंकाने वाले हैं।

सवाल ये खड़ा हो रहा है कि भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा लेकर ये लोग भारत में क्यों चक्कर काट रहे हैं? इनके पास अमेरिका के सात हजार सात सौ सत्तर डॉलर मिले हैं, जिसकी भारत में कीमत छह लाख 21 हजार रुपए के आसपास है। इसी तरह सात सौ यूरो में 56 हजार रुपए, सौ कनेडियन डॉलर में छह हजार एक सौ तीस रुपए मिले हैं। इसके अलावा ग्यारह ईरानी रियॉल, दो सौ सउदी रियाल, एक हजार यूएई दिरम, पांच सौ ओमान मुद्रा व दस कोरिया मुद्रा मिली है। एक हजार यूएई दिरम ही भारत में करीब दो लाख रुपए के आसपास है। ऐसे में करीब दस लाख रुपए की मुद्रा इन ईरानी युवकों से बरामद की जा चुकी है। इसके अलावा भारतीय मुद्रा में एक लाख तेरह हजार रुपए भी मिले हैं।

अलग अलग नाम से दस फर्जी आधार कार्ड, फर्जी भारतीय व विदेशी सीम कार्ड, मादक पदार्थ, कई एजेंसियों के विजिटिंग कार्ड, मुद्रा एक्सचेंज कार्ड, उर्दू में लिखे कुछ कागज भी बरामद हुए हैं। उर्दू के कागजों की जांच करवाई जा रही है कि उसमें क्या लिखा है।

पुलिस को आशंका है कि इन तीनों ने मिलकर भारत में कई बड़ी वारदातों को अंजाम दिया है और अब छिपते हुए भारत में कई जगह ठगी कर रहे हैं। ये भी पता लगाया जा रहा है कि इनका पुराना रिकार्ड क्या है। इसके लिए बीकानेर पुलिस अब ईरान के भारत में राजदूत कार्यालय में भी संपर्क करेगी। जहां से ईरान का रिकार्ड मिल सकता है। वैसे भी विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार करने पर संबंधित देश के राजदूत कार्यालय को सूचना देनी होती है।

इन तीनों ने बीकानेर में होटल में फर्जी नाम से अपनी बुकिंग करवाई थी। इन नामों के आधार कार्ड भी इनके पास थे, जो पूरी तरफ फर्जी निकले। बीकानेर के होटल में सलमान नाम से एक फर्जी आईडी देकर ही कमरा बुक करवाया था। फर्जी आधार कार्ड बनवाने का मामला भी अलग से दर्ज किया जा रहा है।

पुलिस ने होशियार बनकर रह रहे मोहम्मन नीयां पुत्र हातम सरदस्त उम्र 26 साल निवासी ईरान, सलमान नाम से भारत में रहने वाले शहराम जकी पुत्र अमीर उम्र 47 साल निवासी ईरान और अहमद जिहाई बहले पुत्र मिर्जा मोहम्मद उम्र 34 साल निवासी ईरान को गिरफ्तार किया है।

'फसल खराबे की रिपोर्ट भिजवायें'

करौली, (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर मुरलीधर प्रतिहार ने कहा कि गत दिनों वर्षा के कारण फसलों मे हुए नुकसान की रिपोर्ट राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारी को समन्वय स्थापित करते हुए रिपोर्ट शीघ्र ही भिजवायें। अतिरिक्त जिला कलेक्टर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा व समन्वय समिति की आयोजित बैठक में समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पीएम आवास योजना की गति बढाने, नगर परिषद आयुक्त को शहर मे साफ सफाई करवाने, विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति करवाने के निर्देश दिये। बैठक मे डीओआईटी के संयुक्त निदेशक विनोद मीना, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार मीना आदि उपस्थित रहे।

बदलते मौसम के कारण अस्पताल में मरीज बढ़े

नारायणपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से बदलते मौसम के कारण राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। चिकित्सा अधिकारी प्रभारी सुरेश मीणा ने बताया कि बदलते मौसम के कारण अस्पताल की ओपीडी में पहले से अधिक मरीज आ रहे हैं । इन दिनों सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सोमवार को ओपीडी में मरीजों का आंकड़ा 600 से अधिक संख्या को पार कर गया। इसमे सबसे ज्यादा मरीज बुखार, खांसी, जुखाम के आ रहे हैं। चिकित्सक विक्रम गुर्जर, पूरण जाट, मनीष बामनिया ने मरीजों को साफ-सफाई का ध्यान रखने सहित मौसमी बीमारी से बचाव के उपाय बताये।

नारायणपुर क्षेत्र में राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

शादियों के कारण बाजार में बढ़ी भीड़, लोग जाम से परेशान

■ पावटा नगर की यातायात व्यवस्था और सड़कों की चौडाई नहीं बढ़ने से परेशानी

■ बाजार में अतिक्रमण और सड़क पर लगने वाले हाथ ठेलों से राहगीरों का पैदल चलना मुश्किल हुआ

■ नगरवासियों ने पालिका और प्रशासनिक अधिकारियों को जाम की समस्या से कई बार अवगत करवाया है

पावटा, (निसं)। शादियों के दौर के कारण बाजारों में इन दिनों सुबह से देर रात तक भीड़ रहती है। बाजारों में जमकर खरीदारी की जा रही है। दो पहिया वाहनों से बाजारों में अव्यवस्था देखने को मिली, कई बार जाम लगता रहा। बाजार में अतिक्रमण और सड़क पर लगने वाले हाथ ठेलों के कारण राहगीरों का पैदल चलना भी मुश्किल है।

सोमवार को शहर के प्रमुख बाजारों में सभी जगह जाम के हालात थे। बाजार में जाम के कारण खरीदारी के लिए आने वाले लोगों और शहर के लोगों को परेशान होना पड़ा, लेकिन इससे निपटने के इंतजाम नहीं किए गए। शहर के सभी प्रमुख बाजारों में किराना व बर्तन की दुकानों से लेकर विवाह समारोह की तैयारी के लिए खरीदारों की जमघट देखने को मिला। जिसके चलते बाजार में रौनक बनी हुई है। गौरतलब है कि नगर के बाजारों में पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण बाजार में खरीददारी के लिए आने वाले लोग अपने वाहनों को सड़क पर ही खड़ा कर देते हैं। ऐसे में अन्य वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं नगर की आबादी बढने के साथ व्यापार में भी वृद्धि हुई है। इसके बाद भी नगर की यातायात व्यवस्था और सड़कों की चौडाई नहीं बढी है। इससे नगर की यातायात व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

जबकि नगरवासियों के द्वारा लगातार नगर पालिका और प्रशासनिक अधिकारियों को जाम की समस्या से कई बार अवगत करवाया गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बाजार में पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र से कार, जीप, ट्रैक्टर ट्राली लेकर खरीददारी करने वाले अपने वाहनों को बाजार में दुकानों के आगे मुख्य सडक पर खड़ा कर देते हैं। इस कारण कई बार जाम की स्थिति बन जाती है। जाम के कारण वाहन चालकों के साथ राहगीरों को भी निकलने में परेशानी होती है। नगर के सर्विस रोड, सुभाष चौक, होली चौक, घंटाघर चौक पर दिन में कई बार ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती होती है। सर्विस रोड पर जाम की वजह से एंबुलेंस के जरिए मरीजों को ले जाने में काफी परेशानी होती है।

जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रशासन को कडा कदम उठाना होगा, तब कहीं जाकर लोगों को राहत मिलेगी। दिन पर दिन जाम यहां बढ रहा है। दिनेश शर्मा ने बताया कि आडे तिरछे खडे वाहन ही यहां जाम का मुय कारण है। इन पर अंकुश लगाना जरुरी हैं। सती से कार्यवाही करते हुए ऐसे वाहनों के चालान होना जरुरी हैं। सुरेश शर्मा ने बताया कि जाम के कारण यहां लोगों को काफी परेशानी होती है। वाहनों को बाहर ही रोक देना चाहिए। पैदल ही लोग बाजारों में जाएं तो बेहतर रहेगा।

मांडलगढ़ के निर्धारित बस स्टैण्ड पर दो दशक से नहीं आ रही रोडवेज बसें

भीलवाड़ा डिपो के मुख्य प्रबंधक ने बस स्टैंड का जायजा लेकर शुरू करने का भरोसा दिया

■ कस्बे के पुरानी आबादी के यात्रियों को दो किलोमीटर पैदल चल कर रोडवेज की बस पकड़नी पड़ती हैं

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ कस्बे के निर्धारित बस स्टेण्ड पर रोडवेज बसें दो दशक से नहीं आ रही हैं। जिससे यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही हैं। वहीं बस स्टैंड वीरान पड़ा है। जबकि बसों के ठहराव के पर्याप्त नगर पालिका ने किए हुए हैं। इस समस्या को लेकर सोमवार को भीलवाड़ा डिपो के मुख्य प्रबंधक ने बस स्टैंड का जायजा लिया और इसे शीघ्र ही शुरू करने का भरोसा दिया हैं।

मांडलगढ़ शहर वासियों की उक्त समस्या समाधान के लिए नगर पालिकाध्यक्ष जफ़र हुसैन टांक ने पहल शुरू की। टांक के आग्रह पर सोमवार को भीलवाड़ा आगार के मुख्य प्रबंधक परमवीर सिंह ने दो दशक से बन्द पड़े बस स्टैंड का जायजा लिया। मुख्य प्रबंधक ने बुकिंग कार्यालय, यात्री प्रतीक्षालय, सुलभ कॉम्प्लेक्स, यात्रियों के लिए टॉयलेट की बेहतर सुविधाओं का जायजा लिया, जो पर्याप्त और सुविधाजनक मिली। वहीं रोडवेज बसों के निर्धारित मार्ग ओर बस स्टैंड के परिसर को देखा।

मांडलगढ़ में दो दशक से बन्द पड़े रोडवेज बस स्टैंड को शुरू करने के लिए नगर पालिकाध्यक्ष जफ़र टांक के साथ भीलवाड़ा आगार के मुख्य प्रबंधक परमवीर सिंह ने जायजा लिया।

नगरवासियों ने पालिकाध्यक्ष जफ़र टांक के नेतृत्व में आगार प्रबंधक को ज्ञापन देकर अवगत कराया कि दो दशक से निर्धारित बस स्टैंड पर रोडवेज की बसें नहीं आ रही हैं। रोडवेज की सभी बसें स्टेच्यू सर्किल ओर बाईपास से सीधी निकल जाती हैं। जिससे यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही हैं। कस्बे के पुरानी आबादी के यात्रियों को 2 किलोमीटर पैदल चल कर रोडवेज की बस पकड़नी पड़ती हैं। बस स्टैंड निवासी रमेश चन्द्र तम्बोली, कैलाश नायक ने बताया कि नगर पालिका द्वारा बस स्टैंड पर ओर बसों के निर्धारित मार्ग पर सीमेंट की नई सड़कें बनाई हैं।

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम भीलवाड़ा के मुख्य प्रबंधक ने बस स्टैंड पर आधारभूत सुविधाओं को देख रोडवेज की बसों को निर्धारित बस स्टैंड पर लाने के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा और बस स्टैंड पर फिर से रौनक लाने का भरोसा दिया।

नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी ने बताया कि निर्धारित बस स्टैंड को पुनः शुरू किया जाता हैं तो रोडवेज बुकिंग भवन के साथ फर्नीचर व अन्य सुविधाएं पालिका द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

नानी ने झारखंड से जयपुर आकर 55 हजार में नाबालिग को बेचा

- पीड़िता शनिवार रात बड़ी चौपड़ पर सड़क पर बैठ कर रोती हुए पुलिसकर्मियों को मिली।
- नाबालिग से धाबाई का खुर्रा निवासी युवक डेढ़ महीने से ज्यादती कर रहा था।
- पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अन्य महिलाओं की तलाश जारी है।

जयपुर। राजधानी के माणक चौक थाने में रुपयों के लिए एक नाबालिग को झारखंड से जयपुर में 55 हजार में बेचने का मामला सामने आया है। नाबालिग की जबरन शादी कराने लगे तो उसने मना किया, जिसके बाद डेढ़ माह तक उसके दरिंदगी होती रही। पीड़िता शनिवार रात जैसे तैसे बड़ी चौपड़ पहुंची, जहां वह सड़क पर बैठ कर ही रोने लगी।

इस पर वहां ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उससे बात की तो उसकी आपबीती सुनाई। इसके बाद देर रात मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने मामले में आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अन्य आरोपित महिलाओं की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया इलाके स्थित धाबाई का खुर्रा निवासी सुनीता का बेटा विकास अविवाहित है, जिसकी शादी में अड़चने आ रही थी। सुनीता की झारखंड में रिश्तेदारी है, जिस वजह से उसका जिला गिरिडीह, झारखंड आना जाना था।

सुनीता के संपर्क में एक सब्जी बेचने वाली महिला थी, जिसे उसने अपने बेटे की शादी के लिए कहा था। सब्जी बेचने वाली महिला के नाबालिग की नानी से संपर्क थे। इस पर सब्जी बेचने वाली महिला 13 वर्षीया नाबालिग की नानी को रुपयों का लालच दिया। इस पर नानी ने 55 हजार रूपए में उसे सुनीता को बेच दिया।

करीब दो माह पहले सब्जी बेचने वाली महिला और नानी नाबालिग को जयपुर छोड़ गए। यहां सुनीता ने अपने बेटे विकास से उसकी जबरन शादी की तैयारियां शुरू कर दी। लेकिन नाबालिग ने ऐसा करने से मना कर दिया। इस पर उन्होंने नाबालिग को बंधक बना लिया गया। इस दौरान विकास उसकी अस्मत लूटता रहा।

शनिवार रात बड़ी चौपड़ पर सड़क पर रोती हुई नाबालिग के पास वहां ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी पहुंचे तो नाबालिग ने अपनी आपबीती सुनाई। इसके बाद पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। नाबालिग को माणक चौक थाने लाया गया, जहां उसके बयानों के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले में आरोपित विकास (25) को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसकी मां सुनीता, नाबालिग की नानी और सब्जी बेचने वाली महिला की तलाश की जा रही है।

अवैध हथियार सहित बदमाश गिरफ्तार

जयपुर,(कासं)। राजधानी की आदर्श नगर थाना पुलिस और डीएसटी ने एक बालअपचारी सहित दो जनों को पकड़ कर इनके कब्जे से देशी कट्टा, कारतूस जब्त किए हैं। वहीं, दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में गिरफ्तार किया गया है।

डीसीपी ईस्ट डॉ. राजीव पचार ने बताया मुखबिर की सूचना पर काली माता मंदिर श्मसान घाट के पास आरोपित शुभम नामा (20) निवासी गंगापुर हाल जौहरी बाजार को गिरफ्तार कर इसके साथी बालअपचारी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित शुभम के कब्जे से देशी कट्टा और नाबालिग से कारतूस जब्त किए हैं।

इसके अलावा संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए आरोपित बिन्दु मीणा निवासी वीकेआई और संजु उर्फ संजय मीणा निवासी कैला देवी को गिरफ्तार किया गया है।

गौतम सिंघानिया की बेंटले 1937 को कॉन्कर्स द एलीगेंस अवार्ड

जयपुर। 24 वीं विंटेज व क्लासिक कार रैली के तहत जैकब रोड स्थित जयपर महल पैलेस से रविवार सुबह 10.30 के बाद एक एक विटेंज कारें जैसे ही सड़कों पर निकली, लोग मोबाइल निकालकर तस्वीरें लेने लगे। जय महल पैलेस से रवाना होकर सभी गाडियां दिल्ली स्थित ताज होटल तक पहुंची और वापस जय महल पैलेस लौटी। पंजाब के पूर्व गवर्नर वीपी सिंह बदनोर व रेमंड के गौतम सिंघानिया ने रैली का फ्लैग ऑफ किया।

कार्यक्रम पर्यटन विभाग व राजस्थान सरकार के सहयोग से आयोजित हुआ।

विंटेज कैटेगरी में इंड्रीस्टिलिस्ट गौतम सिंघानिया की बेंटले 1937 को कॉन्कर्स द एलीगेंस अवार्ड मिला। वहीं बेस्ट मेंटेन्ड कार का खिताब मर्सिडीज बेंज 1939, क्लासिक कैटेगरी में विक्रम की ब्यूक सुपर 8 को कॉन्कर्स द एलीगेंस खिताब और बेस्ट मेंटेड कार का खिताब क्रिस्लर 1947 को मिला।

विशिष्ट प्रतिभाओं का सम्मान

राजस्थानी संगम की ओर से राजस्थान स्वैच्छिक रक्तदाता समिति के अध्यक्ष डॉ.अखिल शुक्ला एडवोकेट सहित 18 विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

जयपुर। राजस्थानी संगम की ओर से "राजस्थान शिरोमणि अवार्ड 2023" से रक्तदान जैसे परमार्थ सेवा कार्य में समर्पित राजस्थान स्वैच्छिक रक्तदाता समिति के अध्यक्ष डॉ.अखिल शुक्ला एडवोकेट सहित 18 विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। प्रतिभाओं का माला, शाल व साफा पहनाकर, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के आयोजक ललित तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया।तिवारी ने कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा बताते हुएं कहाँ की कार्यक्रम में राजस्थान की 18 विशिष्ट प्रतिभाओं का सम्मान हेतु चयन किया गया है।कार्यक्रम में राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष डॉ के एल जैन, मुख्यमंत्री के ओएसडी फारूक अफरीदी ,जादूगर सम्राट शंकर, रामसिंह चौहान, सिया शरण लश्करी, हिमाद्री वर्मा समर्थ, डॉ. योगिता शर्मा,मोहन मितवा, अविनाश शर्मा,वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह शेखावत, तरुण कुमावत, उषा श्री, डॉ. चौधरी,अंकित तिवारी सहित बडी तादाद में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन अरुण किम्मतकर ने किया।

राशि वापस करने की मांग

जयपुर, (का.सं.)। आल राजस्थान दुकानदार महासंघ की ओर से मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर करोनाकाल में व्यापारियों के बिल माफ करने या समायोजित करने की मांग की है। प्रदेशाध्यक्ष किशोर कुमार टाक ने कहा कि करोना काल में व्यापारियों ने अपनी जान जोखिम में डाल कर छह करोड़ लोगों तक अपनी पहुंच बरकरार रखी जबकि सरकार ने कहा कि हम छह करोड़ लोगों तक रोजाना नहीं पहुंच सकते। इस मौके पर भी व्यापारियों ने उन्हें दवा, सब्जी, राशन, फल आदि घर-घर पहुंचाये जबकि बाजार बंद पड़े हुए थे। लेकिन सरकार ने करोना काल में भी व्यापारियों के बिजली के बिल थमा दिये जो कि बंद दुकानों के थे। उन्होंने इन बिलों की राशि वापस लौटाने का आग्रह किया है।

बजट प्रावधानों के विश्लेषण पर सेमीनार

जयपुर। दी इन्स्टीट्ययूट ऑफ कॉस्ट अकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया के जयपुर चैप्टर द्वारा केंद्रीय बजट में किये गए प्रावधानों के विश्लेषण पर आधारित सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार के प्रथम तकनीकी सत्र में अग्रणी कर सलाहकार सीए अनूप भाटिया ने केंद्रीय बजट में आयकर के बारे में प्रस्तावित नये प्रावधानों और संबंधित तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सेमीनार के दूसरे तकनीकी सत्र में कर सलाहकार सीएमए तनुज अग्रवाल ने जीएसटी से सम्बन्धित कर प्रस्तावों और उनके आमजन पर प्रभाव से संबंधित विस्तृत चर्चा की। सेमीनार के प्रारम्भ में चैप्टर के वाइस चेयरमेन सीएमए हरेन्द्र कुमार पारीक ने मुख्य वक्ताओं और प्रतिभागियों का अभिनन्दन किया। कार्यक्रम का संचालन चैप्टर के सैक्रेटरी सीएमए डॉ. दीपक कुमार खण्डेलवाल ने किया।

चिकित्सकों का धरना

जयपुर। प्रदेश के सभी 656 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर होम्योपैथिक चिकित्सकों के पद सृजित करने की मांग को लेकर विधानसभा के समक्ष दिया जा रहा होम्योपैथी चिकित्सकों का धरना सोमवार को भी जारी रहा। 'यहां गत 2 फरवरी से राज्यभर के होम्योपैथी चिकित्सक सर्दी में अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे हुए हैं। डॉ. सीमा वर्मा ने बताया कि होम्योपैथिक निदेशालय ने पद सृजित करने का प्रस्ताव पहले ही राज्य सरकार के पास भेज दिया।

करणी माता की भजन संध्या आयोजित

जयपुर। जी एस फाउंडेशन द्वारा झोटवाडा गणेश मंदिर प्रांगण में श्री करणी जी महाराज की भजन संध्या आयोजित की गई। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भजनामृत में डुबकी लगाई।

आयोजन में विधायक नरपत सिंह राजवी,भाजपा प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी,भाजपा नेता अभिमन्यु सिंह राजवी,नगर निगम चेयरमैन गजेंद्र सिंह चिराणा,अजय सिंह चौहान,रामकिशोर प्रजापत,विकास बारेठ,पार्षद सुमेर सिंह जोधा,गणेश नाथावत,विरेंद्र सिंह शेखावत,रेखा राठौड दीपा नाथावत सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में भजन सम्राट छोटू सिंह रावणा,लखन भारती,किन्नू बन्ना, डॉक्टर करणी प्रताप सिंह सहित बडी संख्या में भजन गायकों में अपनी सुमधुर वाणी में अमृत रसधारा बहाई। अल सुबह तक चले इस भजन कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एसएमएस अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी होगी

जयपुर। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल में जल्द ही रोबोटिस सर्जरी शुरू की जाएगी। इसके लिए अस्पताल प्रशासन ने दो मशीन खरीदने की प्रक्रिया पूरी कर कम्पनी को आर्डर दे दिए हैं। माना जा रहा है कि इसी माह ये मशीनें अस्पताल मे आ जाएगी। प्रदेश के सरकारी अस्पताल में ऐसी सुविधा पहली बार मिलने जा रही है। दिल्ली, गुडग़ांव, मुंबई जैसे शहरों के अस्पतालों में यह सुविधा पहले से ही शुरू है लेकिन प्रदेश में इस प्रकार की मशीनें पहली बार सर्जरी के काम में ली जाएगी।

ये दोनों मशीनें एसएमएस हॉस्पिटल के यूरोलॉजी और जनरल सर्जरी विभाग में रहेंगी। रोबोटिक सर्जरी डे-केयर सर्जरी के लिए सबसे अच्छी तकनीक है। इस मशीन के जरिए छोटे सा छेद कर बड़ी सर्जरी कर दी जाती है। इससे मरीज को दर्द कम होता है। ब्लड भी कम बहता है। इसके साथ ही वह सामान्य हाथ या दूरबीन से की जाने वाली सर्जरी की तुलना में जल्दी रिकवर होता है। संभावना है कि मार्च के दूसरे सप्ताह से मशीन काम करना शुरू कर देगी। इससे पहले चिकित्सकों को इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इमरजेंसी सेवाओं के लिए निजी अस्पतालों में अलग से फंड होगा

- निजी अस्पतालों के बढ़ते विरोध को देखते हुए राइट टू हैल्थ बिल में बदलाव की तैयारी

जयपुर। राइट टू हैल्थ बिल पर चिकित्सकों और निजी अस्पतालों के विरोध को देखते हुए राज्य सरकार इस बिल में बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत इमरजेंसी में आने वाले मरीज के इलाज की बाध्यता को देखते हुए राज्य सरकार इसके लिए अलग से फंड बना सकती है।

फिलहाल इसको लेकर प्रस्ताव तैयार किया गया है और जल्द ही इस पर निर्णय किया जाएगा। अभी यह फंड कितना होगा इस पर भी निर्णय किया जाना बाकी है।

राइट टू हेल्थ बिल पर प्राइवेट हॉस्पिटल संचालकों का सबसे बड़ा विरोध इलाज के खर्च को लेकर ही था। हॉस्पिटल संचालकों का कहना है कि इमरजेंसी में आने वाले एक्सीडेंट केस में मरीज का इलाज करने का प्रावधान तो बिल में है, लेकिन इस पर होने वाले खर्च को कौन उठाएगा।

बिल में प्रावधान है कि एक्सीडेंट के अलावा इमरजेंसी में कोई अन्य मरीज भी इलाज के लिए अस्पताल में आता है। उसे पैसे के अभाव में डॉक्टर या हॉस्पिटल इलाज देने से मना नहीं कर सकते। रुपए देने का दबाव नहीं डाल सकते। भुगतान नहीं होने की स्थिति में शव नहीं रोक सकते। इसको लेकर प्राइवेट हॉस्पिटल संचालक विरोध कर रहे थे। बिल का विरोध कर रहे चिकित्सक तथा निजी अस्पताल संचालकों के सुझाव सुनने के लिए विधानसभा की प्रवर समिति 11 फरवरी को बैठक करेगी।

बैठक में सुझाव सुनने के बाद उन पर कमेटी चर्चा करके उनके सुझावों को बिल में शामिल करने पर विचार करेगी। उसके बाद बिल को पास करने की कार्रवाई की जाएगी। प्रवर समिति इस पर अपनी रिपोर्ट 13 फरवरी को पेश कर सकती है। गौरतलब है कि विधानसभा सत्र में राइट टू हैल्थ बिल आया था लेकिन विरोध के चलते इसे प्रवर समिति को सौंप दिया गया।

लैब टेक्नीशियन ने धरना दिया

जयपुर। अखिल राजस्थान लैब टेक्नीशियन कर्मचारी संघ की ओर से प्रदेशभर के लैब टेक्नीशियन ने कई वर्षों से लंबित मांगों को लेकर सोमवार को जयपुर में शहीद स्मारक पर एक दिवसीय धरना देकर प्रदर्शन किया।

प्रदेश अध्यक्ष श्रीराम मीणा व मेडिकल कॉलेज के प्रदेश अध्यक्ष बजरंग सोनी के संयुक्त तत्वावधान में प्रदर्शन किया जाएगा प्रदेश प्रवक्ता महेश सैनी ने बताया कि विगत कई वर्षों से ग्रेड पे 4200, भत्ते व पदनाम संशोधन को लेकर सोमवार को शहीद स्मारक पर समूचे प्रदेश से आए लैब टेक्नीशियन संवर्ग के कार्मिक जमा हुए। इस दौरान मांगों के समर्थन में एक दिवसीय धरना दिया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय से प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के 5 प्रमुख सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को मांगों के संबंध में वार्ता के लिए बुलाया गया।

ऑपरेशन के बाद महिला के पेट में छोड़ी पट्टी

- परिजनों ने डॉक्टर के खिलाफ मुहाना थाने में मामला दर्ज कराया

जयपुर। राजधानी में डॉक्टर ने ऑपरेशन के बाद एक महिला के पेट में पट्टी छोड्ढ.दी। पेट में दर्द होने पर डॉक्टरों के दिखाया, लेकिन कोई आराम नहीं मिला। दूसरे अस्पताल में इलाज कराने पर पेट में पट्टी होने के पता चला। जहां डॉक्टरों ने फिर से सर्जरी कर पेट से पट्टी बार निकाली। इस संबंध में पीड़िता ने मुहाना थाने में मामला दर्ज करवाया है।

पीड़िता नानगी देवी (32) ने मुहाना थाने में रिपोर्ट दी है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि नवंबर 2021 में पेट में दर्द की समस्या होने के बाद पत्रकार कॉलोनी स्थित डॉक्टर रमेश मेमोरियल अस्पताल में जयश्री नाम की एक महिला डॉक्टर से इलाज कराने गई। दवाईयां खाने के बाद भी आराम नहीं मिला। इसके बाद महिला डॉक्टर जयश्री ने सर्जरी करने के लिए कहा। जिस पर पीड़ित महिला ने डॉक्टर से सर्जरी करवाई। सर्जरी के बाद भी पेट दर्द खत्म नहीं हुआ। महिला ने दोबारा डॉक्टर से सम्पर्क किया, लेकिन इलाज से कोई फायदा नहीं मिला। इस दौरान डॉक्टर को 20 बार दिखाया। वह उसे पेनकिलर देकर रवाना कर देती थी। महिला ने पेनकिलर खाकर 7 महीने तक का समय निकाल दिया। 7 माह बाद पीड़ित नानगी देवी का पति सुवालाल उसे लेकर बगरू स्थित बालाजी सोनी अस्पताल पहुंचा। जहां पर पिछले साल 22 जून को सर्जरी के दौरान वीडियोग्राफी कराई गई।

ताकि पेट की असली समस्या पता चल सके। अस्पताल के डॉक्टर ने सर्जरी के समय नानगी देवी के पति सुवालाल को अंदर बुलाया। उसके सामने सर्जरी के दौरान नानगी देवी के पेट से आठ एमएम का पट्टी का टुकड़ा निकाला। बाद में इसे जांच के लिए दुर्लभ जी अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने ठगी समेत दस से भी ज्यादा धाराओं में डॉक्टर जयश्री समेत तीन अन्य लोगों पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर डॉक्टर सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। डॉक्टर से इस संबंध में जल्द पूछताछ की जाएगी।

जहरखुरानी की वारदात करने वाले गिरोह का बदमाश पकड़ा

जयपुर,(कासं)। करौली के नादौती थाने में वांछित एक अपराधी जयपुर में जहरखुरानी की वारदातों को अंजाम दे रहा था। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर 21 महंगे मोबाइल बरामद किए हैं।

थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया गिरफ्तार आरोपित विजय सिंह उर्फ पप्पू (38) गांव केमा नादौती जिला करौली हाल रैगरों का मोहल्ला, झोटवाड़ा का रहने वाला है। उसके कब्जे से जनाना अस्पताल में नशीली चाय पिला पिता-पुत्र से चुराए गए 2 मोबाइल सहित कुल 21 महंगे मोबाइल बरामद किए गए हैं। आरोपित जहरखुरानी की वारदातों का मास्टरमाइण्ड है, जो अस्पतालों व सिंधीकैम्प बस स्टैण्ड, रेल्वे स्टेशन पर आने-जाने वाले लोगों से पहले जान-पहचान बनाता है, फिर उनको नींद की गोलियां चाय में मिलाकर पिला देता है। बेहोशी की हालत में वारदात कर फरार हो जाता है। इस कार्रवाई में कांस्टेबल बुद्धाराम और गंगाराम की अहम् भूमिका रही।

वाहन चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने बनीपार्क थाना इलाके में वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया है।

उसके पास से पुलिस ने चोरी के तीन ई-रिक्शा, बैटरी, छह महंगी साइकिल बरामद की गई है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में रैकी कर चोरी की वारदात करना कबूल किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) परिस देशमुख ने बताया कि सीएसटी ने बनीपार्क थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए एक शातिर चोर विनय मीणा उर्फ राजा (21) निवासी पिलोद जिला सवाईमाधोपुर हाल जवाहर नगर कच्ची बस्ती को गिरफ्तार किया गया है। जिसके पास से पुलिस ने चोरी के तीन ई-रिक्शा, तीन ई-रिक्शा बैटरी, छह महंगी साइकिल बरामद की गई है।

गिरफ्तार आरोपित से प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि पूर्व से खड़े वाहनों की रैकी कर चोरी करता है। चोरी किये गये ई-रिक्शा, बैट्रीयों व साईकिलों को फेरी करने वालों को 500-700 रुपये में बेच कर नशा करता है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

सार-समाचार

रिलायंस डिजिटल ने पेश किए, सैमसंग गैलेक्सी एस23 सीरीज़ के स्मार्टफोन

जयपुर। भारत के सबसे बडे और सबसे भरोसेमंद इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, रिलायंस डिजिटल ने सैमसंग के बहुप्रतीक्षित फ्लैगशिप गैलेक्सी एस23 सीरीज़ के स्मार्टफोन (गैलेक्सीएस 23 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस 23 और गैलेक्सी एस 23) पर से पर्दा उठाया है। इन स्मार्टफोन्स में सैमसंग गैलेक्सी एस23 अल्ट्रा में 200 मेगापिक्सल का कैमरा, 100 ज़ूम और पहले से भी बेहतर नाइटोग्राफी क्षमताएं हैं। स्मार्टफोन की इस सीरीज़ का ग्राहक अपने हाथ में लेकर अनुभव करें, इसलिए, रिलायंस डिजिटल ने अपने विशिष्ट ग्राहकों को एक खूबसूरत सनसेट क्रूज़ पर इनफीचर्स के लाइव डिस्प्ले के लिए आमंत्रित किया। उन्हें पावरफुल ज़ूम फीचर का उपयोग करते हुए, रात में मुंबई ऌी खूबसूरत स्काई लाइन को शूट करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर रिलायंस डिजिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ब्रायन बाडे ने कहा, "रिलायंस डिजिटल को सैमसंग के साथ रणनीतिक साझेदारी करने की खुशी है। यह एक ऐसा संबंध है जिसे हम गहराई से महत्व देते हैं और संजोते हैं। हमें भारत भर में अपने ग्राहकों के लिए गैलेक्सी एस23 सीरीज़ जैसी बिल्कुल नई टेक्नोलॉजी पेश करने पर बहुत गर्व है। हमारा उद्देश्य उन्हें टेक्नोलॉजी के साथ दोस्ती करने और व्यापक स्तर पर इसका फायदा उठाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

निजी सहायकों का प्रशिक्षण 24 अप्रेल से

जयपुर, (का.सं.)। हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान, जयपुर की ओर से अधीनस्थ विभागों में पदस्थापित निजी सहायकों (आशुलिपिक) के लिये राज्य स्तरीय आमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 अप्रेल से 13 अक्टूबर तक जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा एवं उदयपुर जिलों में स्थित प्रशिक्षण केंद्रों पर एक साथ आयोजित किया जाएगा। सक्षम स्तर से अनुमोदन के बाद अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी, इस आदेश के अनुसार विभाग में निजी सचिव के पद पर कार्यरत वरिष्ठ अधिकारी डॉ रमाकांत भारद्वाज को उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का पाठ्यक्रम निदेशक नियुक्त किया गया है।

खाद्यान्न वितरण की अवधि 10 तक बढ़ी

जयपुर। खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत माह जनवरी, 2023 के पेटे आवंटित खाद्यान्न के वितरण की अवधि 10 फरवरी तक बढा दी गयी है। खाचरियावास ने बताया कि सभी जिला रसद अधिकारियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत जनवरी माह के पेटे आवंटित खाद्यान्न के वितरण की अवधि 10 फरवरी तक बढाने के निर्देश दिये हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत माह दिसम्बर, 2022 के पेटे आवंटित खाद्यान्न के वितरण की अवधि भी 10 फरवरी तक बढा दी गयी है। खाचरियावास ने बताया कि दिसम्बर एवं जनवरी माह में राशन के गेहूं से वंचित रहे लोग अब गेहूं 10 फरवरी तक उचित मूल्य की दुकान से प्राप्त कर सकते हैं।

दुष्कर्म के मामलों में दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। हरमाड़ा और विश्वकर्मा थाना पुलिस ने युवती और नाबालिग से दुष्कर्म के मामलों में दो जनों को गिरफ्तार किया है। हरमाड्डा थाना पुलिस ने युवती को शादी का झांसा देकर देहशोषण के मामले में आरोपित अजय कुमावत (24) निवासी खोराणीया की ढाणी, हरमाड्डा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित ने पीड्डिता को उसके पति से तलाक भी दिलवा दिया था। वहीं, विश्वकर्मा थाना पुलिस ने नाबालिग साली से दुष्कर्म के मामले में आरोपित जीजा लोकेश मीणा दौलतपुरा को गिरफ्तार किया है।

स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। डीसीपी (नॉर्थ) परिस देशमुख ने बताया गिरफ्तार तस्कर अंकित जोशी (21) कागदीवाड्डा ब्रह्मपुरी का रहने वाला है, जिसके कब्जे से एक ग्राम स्मैक जब्त की गई है।

युवक का मोबाइल-पर्स छीना

जयपुर। मोती डूंगरी इलाके में बाइक सवार बदमाश एक युवक का मोबाइल-पर्स छीन ले गए। पुलिस ने बताया धन्नादास की बगीची निवासी संत लाल सैनी 4 फरवरी की रात करीब 11 बजे छोटी मस्जिद के पास से गुजर रहा था। इस दौरान बाइक सवार मोबाइल-पर्स छीन ले गए।

देश के विकास में नागरिकों का योगदान सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण: महापौर सौम्या गुर्जर

केंद्रीय संचार ब्यूरो की पाँच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी और लाइफ मिशन मोबाइल वैन का हुआ उद्घाटन

जयपुर। देश के विकास में नागरिकों का योगदान सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से ही कोई भी देश विकास के पथ पर अठासर होता है। स्वतंत्रता के बाद यह पहली बार है जब देश की बागडोर संभालने वालों की भावना राज करने की जगह कर्तव्य पालन की ज्यादा है। इसी वजह से नई दिल्ली में भी राजपथ का नाम कर्तव्यपथ किया गया है। अब हम सबको संकल्प लेना है कि हम कर्तव्यपथ पर चलते हुए एक सशक्त, समृद्ध राष्ट्र-निर्माण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उक्त उद्गार जयपुर ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर ने व्यक्त किए। वह केंद्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय, जयपुर द्वारा अंबावाडी स्थित आदर्श विद्या मंदिर परिसर में आयोजित पाँच दिवसीय अमृतयात्रा (इंडिया2047) मल्टीमीडिया प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर मंच पर निदेशक आकाशवाणी समाचार एकांश के निदेशक नीलेश कालभोर, पत्र सूचना कार्यालय के संयुक्त निदेशक पवन फौजदार, दूरदर्शन समाचार एकांश की उपनिदेशक मंजू मीणा, डाकविभाग की वरिष्ठ डाक अधीक्षक प्रियंका गुप्ता, केंद्रीय संचार ब्यूरो के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा आदि उपस्थित थे।

गुर्जर ने आगे कहा कि हमें देश की आजादी के संघर्ष में शामिल होने का अवसर नहीं मिला, मगर हमारा यह सौभाग्य है कि हमें आजादी के अमृत महोत्सव का साक्षी होने का अवसर मिल रहा है। आज का भारत बदला हुआ भारत है। अब हम न सिर्फ अपने देशवासियों के सर्वांगीण कल्याण के लिए प्रयासरत हैं वरन् सही मायने में वैश्विक एकता व कल्याण की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। हम अब लेने वाले न होकर देने वाले हो गए हैं। आज भारत की चिकित्सा और आर्थिक क्षेत्र में हुई प्रगति का लाभ सारी दुनिया को मिल रहा है। उन्होंने जयपुरवासियों से सप्ताह में एक दिन समय निकालकर अपने शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए श्रमदान करने का आव्हान भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा लाइफ मिशन पर आधारित मोबाइल वैन का उद्घाटन भी महापौर द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह मोबाइल वैन राजस्थान के जयपुर, दौसा, सवाई माधोपुर, करोली, धौलपुर, अलवर और भरतपुर जिलों के विभिन्न गाँवों में पर्यावरण, ऊर्जा व जल संरक्षण विषय पर जनजागरण का कार्य करेगी। मल्टीमीडिया प्रदर्शनी के बारे में जानकारी देते हुए संयुक्त निदेशक पवन फौजदार ने कहा कि वर्ष 2047 में जब भारत अपनी आजादी की शताब्दी मना रहा होगा तब भारत का स्वरूप कैसा होगा, इसका रोडमेप इस प्रदर्शनी में देखा जा सकता है। यहाँ पर विभिन्न क्षेत्रों में सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी प्रदर्शित की गई है। यहाँ उपस्थित विद्यार्थियों और नागरिकों को न सिर्फ इन सारी जानकारियों को देखना है, बल्कि इससे सीखना भी है।

केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया।

International Vegan Cuisine Month

Vegans are conscientious eaters who pay careful attention to their diets-and often to the clothes they wear and other products they buy as well. They remove all animal products from their lives for a variety of reasons. Whether it's because they hope to save the planet by saving the animals or just to feel healthier overall without meat and dairy in their diets, the vegan lifestyle has become an ever-increasing craze for people to learn about and join.

#SMART-MATERIAL

Warm Or Cool Buildings

As global warming causes increasingly frequent extreme weather events and variable weather, there is a need for buildings to be able to adapt; few climates require year-round heating or year-round air conditioning.

A chameleon-like building material changes its infrared colour-and how much heat it absorbs or emits-based on the outside temperature.

On hot days, the material can emit up to 92% of the infrared heat it contains, helping cool the inside of a building. On colder days, however, the material emits just 7% of its infrared, helping keep a building warm.

"We've essentially figured out a low-energy way to treat a building like a person; you add a layer when you're cold and take off a layer when you're hot," says assistant professor Po-Chun Hsu of the University of Chicago's Pritzker School of Molecular Engineering (PME).

"This kind of smart material lets us maintain the temperature in a building without huge amounts of energy."

According to some estimates, buildings account for 30% of global energy consumption and emit 10% of all global greenhouse gas. About half of this energy footprint is attributed to the heating and cooling of interior spaces.

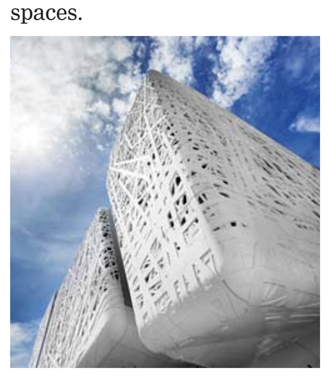

"For a long time, most of us have taken our indoor temperature control for granted, without thinking about how much energy it requires," says Hsu, who led the research published in Nature Sustainability. "If we want a carbon-negative future, I think we have to consider diverse ways to control building temperature in a more energy-efficient way."

Researchers have previously developed radiative cooling materials that help keep buildings cool by boosting their ability to emit infrared, the invisible heat that radiates from people and objects. Materials also exist that prevent the emission of infrared in cold climates.

"A simple way to think about it is that if you have a completely black building facing the sun, it's going to heat up more easily than other buildings," says graduate student Chenxi Sui, the first author of the paper.

That kind of passive heating might be a good thing in the winter, but not in the summer.

As global warming causes increasingly frequent extreme weather events and variable weather, there is a need for buildings to be able to adapt; few climates require year-round heating or year-round air conditioning.

Hsu and colleagues designed a non-flammable "electrochromic" building material that contains a layer that can take on two conformations: solid copper that retains most infrared heat, or a watery solution that emits infrared. At any chosen trigger temperature, the device can use a tiny amount of electricity to induce the chemical shift between the states by either depositing copper into a thin film, or stripping that copper off.

In the new paper, the researchers detailed how the device can switch rapidly and reversibly between the metal and liquid states. They showed that the ability to switch between the two conformations remained efficient even after 1,800 cycles.

Then, the team created models of how their material could cut energy costs in typical buildings in 15 different US cities. In an average commercial building, they reported, the electricity used to induce electrochromic changes in the material would be less than 0.2% of the total electricity usage of the building, but could save 8.4% of the building's annual HVAC energy consumption.

"Once you switch between states, you don't need to apply any more energy to stay in either state," says Hsu. "So for buildings where you don't need to switch between these states very frequently, it's really using a very negligible amount of electricity."

So far, Hsu's group has only created pieces of the material that measure about six centimetres across. However, they imagine that many such patches of the material could be assembled like shingles into larger sheets. They say the material could also be tweaked to use different, custom colours-the watery phase is transparent and nearly any colour can be put behind it without affecting its ability to absorb infrared.

The researchers are now investigating different ways of fabricating the material. They also plan to probe how intermediate states of the material could be useful.

"We demonstrated that radiative control can play a role in controlling a wide range of building temperatures throughout different seasons," says Hsu. "We're continuing to work with engineers and the building sector to look into how this can contribute to a more sustainable future."

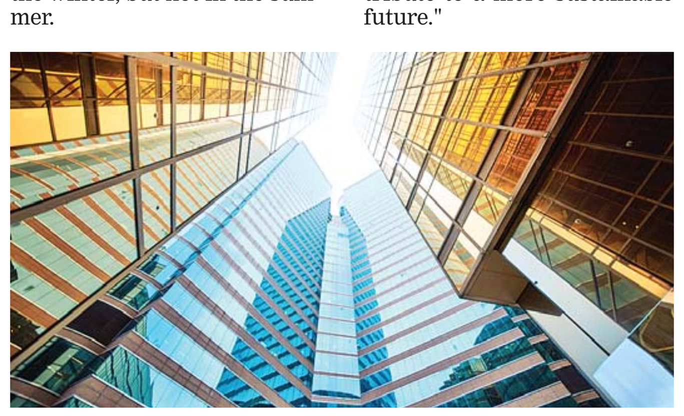

Earning Two Jeeps For The Reserve (...2)

Tiger was in our clear view and Ramprasad indicated to stop the jeep here for sake of viewing it with safety, but provoked by Mr Opa's rhetoric, I was tempted togive him a shocking treatment this time. And I carried on till the annoyed tiger stopped me emitting a low growl for breaching the flight distance rule. We were hardly fifteen feet from the tiger, a huge one with fresh blood smeared on its face. The tiger had continued its low growl with bristles erected on the sides of its mouth. Ramprasad asked me to pull back but instead I in the rage switched off the engine which brought the animal in crouching posture. It was quite scary to every one of us and utmost to Mr Opa who was closest to the tiger that minute.

The male Tiger good enough to frighten anybody.

We enjoyed drinks on bonfire once again. Ashok ji, being a wildlife enthusiast had enjoyed the trip to his hearts' content and genuinely showered praises on our management.

Panther Awaiting Sunset to start on safe Prawl in tiger land.

The Governor Road Cut Through Dense Bamboo & Misc Forest.

Sunayan Sharma
IFS (Retd.), Ex field director project tiger Sariska & keoladeo national park, Bharatpur

#WILD LIFE

I had arranged a cup of tea at the research centre cum camping site Kalighati, located in the heart of the reserve, a wonderful site for wilderness enthusiasts. Here in the lap of the nature at its best everybody was more than happy but for Mr Opa. It was bit irritating for me who had gone all out to make his trip memorable. Reading my face Ashok ji pulling me to a corner, again reiterated that not only replacement case of our vehicles but number of other projects of great wildlife interest are lying with this officer.

He was motivating me to tolerate him a little more lest our entire labour and effort goes waste. The Sun was yet to set and animals were on their usual routine and even the birds were busy singing and catching their dinner prey. A flock of quails were displaying their group activities in the midst of the track connecting the verandah, we were sitting, facing the motor track. Changing my mood with effort, I invited everybody to board the open jeep once again to embark upon the journey to explore even deeper forest in the hope of witnessing what nature had for us.

This time I took the Governor road, a motorable track made long back to extract bamboo from the block behind the Kalighati tower and afterwards developed for the visit of the then governor of Rajasthan. This track cut through a dense forested hill is full of twists and turns. The drive on this section offers not only thrill and excitement of passing through a dense bamboo forest but also a rare opportunity to enjoy sighting of some rare pheasants and herds of chital, sambar with troops of langoors. It runs along an important nullah thus hosts a large variety of wild animals. It is a heaven for large cats who also use its secluded pockets for siesta except during extreme winters.

Lucky Trip

I recall the visit of the celebrity Saxena brothers, the two former top bureaucrats of India. Naresh Chandra was not only former Chief Secretary of Rajasthan but also on that date was the Senior Advisor to Shri Narsimha Rao, the then Hon'ble Prime Minister of India where his elder brother Girish Chandra ji had been Governor of J&K, the super sensitive state of the country since its inception. They with family were being escorted by 'Y+' category security. They got packed in one gypsy, albeit with difficulty with me on the steering wheel. While enjoying ride through this Governor road, some of these members fell off more than once in the vehicle yet took it sportingly and enjoyed this too. After the visit Shri Naresh Chandra ji conveyed high appreciation to us, issuing an official letter.

I was taking the Additional Secretary, much junior to the Saxena brothers duo, this time to give him the same unique experience. This trip proved luckier than the one with saxena brothers, since this time we sighted a fairly good sized leopard leisurely stretched on a rock, perhaps awaiting the Sun to disappear wholly behind the western side hill, providing desirable opportunity of hunting to this crepuscular, in this core tiger territory. Everybody was overjoyed by this action packed exciting experience but for the secretary.

By the time we reached the rest house it was already dark. We enjoyed drinks on bonfire once again. Ashok ji, being a wildlife enthusiast had enjoyed the trip to his hearts' content and genuinely showered praises on our management. This appreciation by the Advisor to the Union Minister meant a lot to me but the game spoiler could not tolerate this and intervened in his typical style slapping an irritating question, 'why should a reserve like Sariska be allotted so much of budget when it has no tigers?' I had been tolerating him for two days and now this kind of remark; I lost my head and left the place without taking my food, inspite of Ashok ji's repeated requests. I was pretty upset because of this sad ending of a trip we both wished to make most pleasant for our VIP guest.

Next day about seven in the morning I was sipping tea on my bungalow's terrace opening in the valley full of lush green shrubs and medium sized trees, that the headquarters' wireless incharge rushed to me with the information that at Kalighati waterhole the male tiger had killed a chital and was still absorbed with devouring the kill. He had already informed my driver who had readied the jeep for our visit. Not interested in taking the secretary any more along, I instructed him to inform Ashok ji and tell the driver to show tiger to the guests. He hurriedly rushed to the rest house to comply my orders but instead of moving to the site minutes later Ashok ji reached me insisting that I come along. I assured him this time tiger can not deceive them as it is a fresh kill and neither there are tall grasses nor thickets close to the kill to provide hide to the tiger; moreover this tiger is not a shy one. But Ashok ji wouldn't listen to me and once again, against my will I had to be on the trip with them. I was on the wheel where the secretary was again in the front seat with me, a forced company to me.

Close Encounter

I remained almost silent throughout the journey except replying to Ashok ji in briefest possible words like yes, ok. Shortly we reached Kalighati Naka. Ramprasad, the most knowledgeable staff about Sariska forests and in charge of the Kalighati naka was eagerly awaiting us here and rode our vehicle in run. The site was some fifty odd meters from the naka, by the water hole. The partially eaten carcass of a male chital was lying there. All around the carcass were several pug marks of the tiger which might have moved from the kill few minutes back only probably smelling some disturbance. Surprisingly there were no alarm calls from any prey species, indicating the tiger had stationed itself in some hide, close by. Ramprasad started tracking the animal following its pug marks where I hurriedly returned back to the vehicle to minimize disturbance, to lure the tiger to return back to the kill. Possessed by negativity Mr Secretary again started his rhetoric 'why can't this be kill of a leopard' as the carcass is of just a chital and not any large animal like sambar or nilgai'; after all in two days jungle visit he had acquired enough knowledge to beat out any of us who had spent their lives in the company of these wild creatures.

> The tiger with a bit louder growl moved further to disappear in the nullah. This close encounter had given goose bumps to all the guests and none exchanged a word till we reached back Sariska. Reaching the rest house Mrs Opa took proper class of her husband for having puzzled us unnecessarily by his rhetoric, 'where are tigers?'

Already I had enough from him in last two days and now again the same. Immediately I reversed the vehicle towards Sariska, when Ramprasad shouted 'Sir, tiger is here only and we will find out within minutes' but I sped the vehicle. The secretary understanding every thing dared not to ask me to stop a while but Ashok ji won't let me go like this when tiger sighting was almost sure. Within minutes Ramprasad had tracked down the tiger, resting in a dry nullah by the side of the Kundali road track. From close to the spot he waved at me and slowly I moved the jeep and reached close to the possible animal lair taking along Ramprasad in the vehicle.

Tiger was in our clear view and Ramprasad indicated to stop the jeep here for sake of viewing it with safety, but provoked by Mr Opa's rhetoric, I was tempted to give him a shocking treatment this time. And I carried on till the annoyed tiger stopped me emitting a low growl for breaching the flight distance rule. We were hardly fifteen feet from the tiger, a huge one with fresh blood smeared on its face. The tiger had continued its low growl with bristles erected on the sides of its mouth. Ramprasad asked me to pull back but instead I in the rage switched off the engine which brought the animal in crouching posture. It was quite scary to every one of us and utmost to Mr Opa who was closest to the tiger that minute. But panic stricken he was out of wits to ask me the favour of pulling back. Understanding the situation Ashok ji tapped my shoulder to pull back and then I switched on the engine that got the tiger on its feet but I pulled back to safe distance keeping an eye on the animal, lest it charges.

The tiger with a bit louder growl moved further to disappear in the nullah. This close encounter had given goose bumps to all the guests and none exchanged a word till we reached back Sariska. Reaching the rest house Mrs Opa took proper class of her husband for having puzzled us unnecessarily by his rhetoric, 'where are tigers? And asked him if such a close shave has given him enough proof or still he needs more? The Secretary was still numb.

Ashok ji, knowing the medicine for the occasion, offered a toast of gin glass. After finishing the drink Mr Opa said, ' I had no doubt right from our first sortie that there are enough tigers as confirmed from the evidences we witnessed now and again but I kept my rhetoric with no ill intention but to put a bit of pressure on you to show us deeper forests and tigers also physically, albeit not so closely which was so scary'.

Ashok ji, having gulped two drinks in succession, caught the secretary now to discuss the replacement case of the two abandoned vehicles. And brought Mr Opa, pulped adequately by now, to our campus where inspecting the vehicles Mr Opa promised to clear the case at an earliest. For other cases Ashok ji had enough time during journey way back to Delhi. After a fortnight I got the desired financial sanction and thus Sariska got back its lost vehicles. After all tiger had played its magic.

Concluded

writetoarbit@rashtradoot.com

Green Pigeon.

Picturesque Sariska.

#TECHNOLOGY

'Fairy' Robot

Can a swarm of FAIRY robots be controlled to pollinate plants in an area?

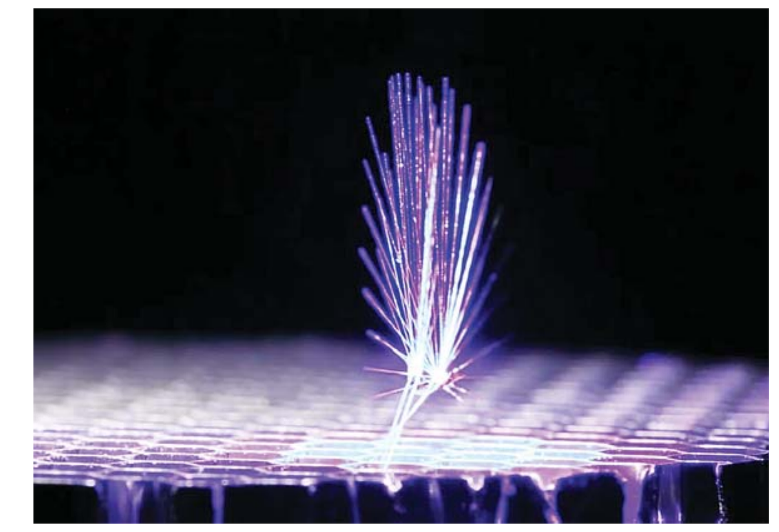

Populations of major pollinators-bees, butterflies, wasps, beetles and others-are diminishing drastically worldwide. And, this rapid decline of pollinators is alarming and poses a great threat to biodiversity and food security. These concerns may be allayed soon. Researchers at Tampere University have developed a Dandelion seed-inspired flying robot that can potentially stand in for some of these pollinators.

The Flying Aero-robots based on the Light Responsive Materials Assembly, FAIRY robot, is a tiny lightweight robot that relies on wind to float in the air. Interestingly, the robot can be controlled with a light source such as a laser beam or an LED. This means that the researchers could apply light to the robot to change its shape, allowing it to adapt to the wind's direction. This light beam can also be used to control take-off and landing. The study has been published in the journal Advanced Science.

The inability of scientists to make small robots fly despite synthesizing smart materials as good as animal muscles piqued the curiosity of Hao Zeng, the lead author of the research paper.

"Looking at the small insects, butterflies and hovering birds, they have well-defined trajectories for the wing movement. So, flying by wing flapping should be a simple skill to learn. Let's forget about the agility and sophistication in controlling the flight motion, but consider the simplest step in natural flying species - flapping the wing to take off, can we reproduce them in inanimate material? To achieve this will be a big progress in the research of micro robots and smart materials, and it will be the next step of our research," said Zeng.

The polymer assembly robot inspired by dandelion seeds is equipped with a soft actuator made of light-responsive liquid crystalline elastomer. Because of this, the researchers could induce the bristles of the actuator to open or close by exciting it with visible light. According to Zeng, the proof-of-concept built by the team shows that it is an important step towards realistic application of robots that can act as pollinators.

Last year, engineers from the Northwestern University published a research article in the journal Science Robotics about a similar invention. They built various tiny robots that could be controlled using lasers. At the time, the researchers told that they envisioned controlling a swarm of such robots to carry out various tasks. So the natural question was, can a swarm of FAIRY robots be controlled to pollinate plants in an area?

However, researchers at Tampere University have a radically different approach. "Control, coordination, precision in actuation, and manipulation over long distance are words from the field of robotics. In our research, we try to think in a different way. In a biomimicry sense, we try to build the material-based robot smart enough to decide by itself what to do," said Zeng.

"We can see many examples in nature,when the light illuminating condition, temperature and humidity condition meet, the flowers bloom, and the seeds start to disperse. This is the capability we try to improve in our materials.

Zeng explained that the researchers are working on the robot to let it self-adapt to environmental changes and work automatically. Essentially, they could be configured in such a way that their design makes them activate automatically and pollinate plants depending on ideal environmental conditions.

THE WALL

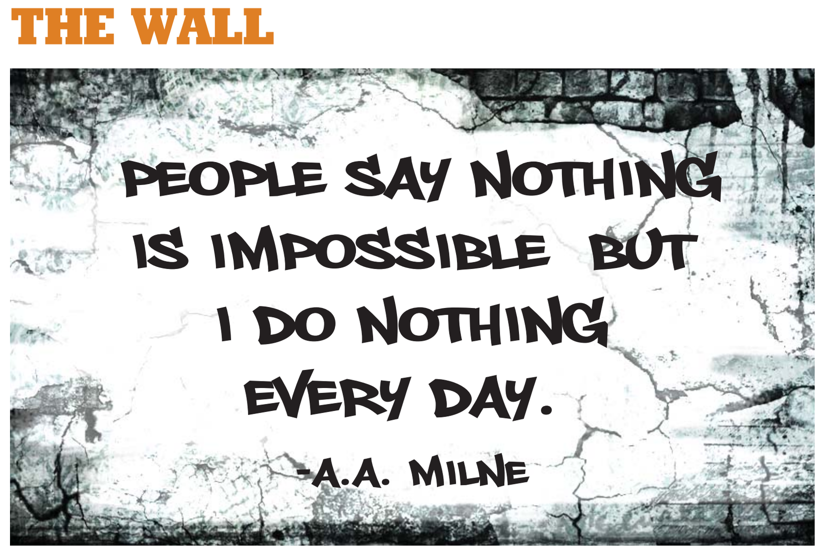

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

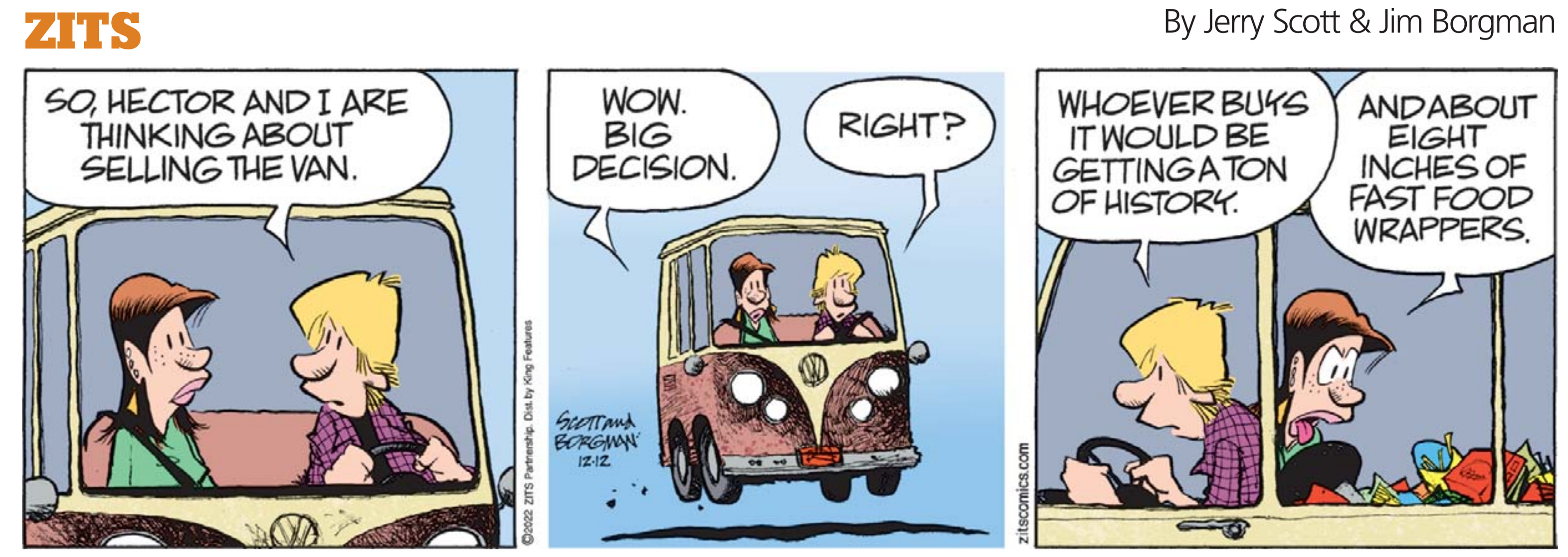

वन विभाग के कर्मचारियों ने मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार किया

मांगें नहीं मानने पर प्रदेशव्यापी आव्हान पर वनकर्मी जयपुर कूच करेंगे

खेतड़ी, (निसं)। वन विभाग के कर्मचारियों ने सोमवार को राजस्थान सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रदेशव्यापी आव्हान पर खेतड़ी रेंज कार्यालय के सामने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कर्मचारी धरने पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर विरोध जताया।

कर्मचारियों ने बताया कि वन विभाग में आठवीं और दसवीं पास कार्य प्रभारी वन कर्मियों को पूर्व की तरह आयु सीमा व योग्यता में राज्य सरकार के वित्त विभाग द्वारा शिथिलता देते हुए पूर्व की तरह वनरक्षक के पद का समायोजन किया जाए, जंगलों में राजकार्य करने वाले वनकर्मियों को मैस भत्ते की राशि में बढोतरी की जाए, वन विभाग में कार्यरत प्रभारियों की ग्रेड पे अन्य विभागों की तरह बढाई जाए, राजस्थान वन विभाग श्रमिक संघ के साथ हुए पूर्व में समझौते को लागू किया जाए, विभाग में कार्यरत कार्मिकों की तरह वर्दी वेतन भत्ता बढाया जाए, अवैध शिकार, अतिक्रमण, कटान आदि कार्यों की रोकथाम के लिए स्वयं के हथियार दिलवाए जाएं, वन विभाग में कार्यरत वाहन चालक को भी योग्यता अनुसार पदोन्नति के अवसर प्रदान किए जाएं, वन विभाग में वाहन चालकों को उनके समकक्ष पदों के वनकर्मियों समान वर्दी लागू की जाए, विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को अभयारण्य, नेशनल पार्क में निशुल्क प्रवेश की व्यवस्था की जाए, विभागीय कर्मचारियों को विश्राम गृह में रूकने की व्यवस्था आदि में बढोतरी की जाए तथा ड्यूटी का समय निर्धारित करने सहित 15 सूत्रीय मांगो को लेकर विरोध जताया।

खेतड़ी में वन विभाग के कर्मचारियों ने मांगों को लेकर मोर्चा खोला।

■ सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर जताया विरोध

उन्होंने बताया कि पूर्व में भी सरकार के साथ विभाग के कर्मचारियों की वार्ताएं हुई थी, लेकिन कोई ठोस निर्णय नहीं निकल पाया। यदि सरकार इस बार कर्मचारियों की मांगें नहीं मानेगी तो प्रदेशव्यापी आव्हान पर सभी वनकर्मी जयपुर कूच करेंगे और विधानसभा का घेराव कर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। इस मौके पर सरला शर्मा, अनीता चौधरी, सुमेर सिंह, बिरजू सिंह, रतन सिंह, जितेंद्र सिंह, साधु राम, अरूण कुमार, ओमप्रकाश, महेंद्र सिंह, महिपाल सिंह रिणवा, कुलदीप, महेंद्र, ईश्वर, सांवरमल, सत्यवान पूनिया सहित अन्य वनकर्मी मौजूद रहे।

गलत जांच करने पर कानोता थाने का एएसआई सस्पेंड

अग्रिम जमानत खारिज होने के बावजूद गिरफ्तार नहीं किया

■ शिकायत पर आरोपी को पकड़ा दो दिन थाने में रखा, लेकिन सांठगांठ कर छोड़ दिया

■ आरोपी के खिलाफ चोरी, लूट व मारपीट कर जानलेवा हमले के बस्सी, चंदवाजी व कानोता थाने में पांच मुकदमे दर्ज है फिर भी छोड़ा

जयपुर, (कासं)। शराब के लिए पैसे मांगने पर मना करने से नाराज एक बदमाश ने अपने साथियों को बुलाकर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर हाथ पैर तोड़ने के मामले में लापरवाही बरतने एवं अग्रिम जमानत खारिज होने के बावजूद मुल्जिम से सांठगांठ कर उसे दो दिन हिरासत में रख गिरफ्तारी नहीं दिखा छोड़ने तथा मामले में गलत अनुसंधान करने पर डीसीपी जयपुर (पूर्व) ने कानोता थाने के एएसआई रामराज मीणा को निलंबित कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस थाना कानोता में नांगल बोहरा निवासी नरेन्द्र शर्मा से शराब के लिए पैसे मांगने पर नहीं देने से नाराज चैनपुरा निवासी अशोक मीणा पुत्र पूरणमल ने अपने 5-6 साथियों को बुलाकर जानलेवा हमला कर उसके हाथ पैर तोडकर बलपूर्वक उसकी जेब से 1500 रूपये छीनकर लूट ले गये थे। जिसका मुकदमा पुलिस थाना कानोता में 581/22 धारा 323, 341, 327, 379 में दर्ज है तथा मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक रामराज मीणा के पास थी। रामराज मीणा ने मुल्जिम अशोक मीणा की बस्सी एडीजे कोर्ट से दिनांक 30/9/22 को अग्रिम जमानत खारिज होने पर भी मिलीभगत करके उसे गिरफ्तार नहीं किया। शिकायत होने पर 7 जनवरी को उसे हिरासत में लेकर 8 जनवरी को सांठगांठ करके चश्मदीद गवाहों के बयानों एवं सबूतों को नजरअंदाज कर उसे छोड़ दिया। आरोपी अशोक मीणा के खिलाफ बस्सी, चंदवाजी एवं कानोता में मारपीट कर लूटपाट के पांच गंभीर प्रकृति के मुकदमे दर्ज होने के बावजूद उसकी गिरफ्तारी नहीं की।

परिवादी विजेन्द्र शर्मा ने 18 जनवरी को अति. पुलिस कमिश्नर (अपराध) अजयपाल लाम्बा को अग्रिम जमानत खारिज होने के बावजूद जांच अधिकारी रामराज मीणा ने आरोपी अशोक मीणा को दो दिन अवैध हिरासत में रख उसकी गिरफ्तारी नहीं कर मोटी रकम रिश्वत लेकर उसे छोड़ने पर कार्रवाई करने एवं मुकदमे की जांच बदलकर धारा 308, 392 जोड़ने तथा हटाई गई धारा 327 पुन: जोड़कर आरोपियों की गिरफ्तारी की शिकायत की गई थी। अजयपाल लाम्बा ने शिकायत को डीसीपी (पूर्व) को कार्रवाई के लिए भेज दी थी। डीसीपी (पूर्व) ने 21 जनवरी को जांच अधिकारी रामराज मीणा को फाइल सहित तलब किया था लेकिन वह नहीं गया। परिवादी 2 जनवरी को डीसीपी कार्यालय गया तो 3 जनवरी को जांच अधिकारी रामराज मीणा को फाइल लेकर बुलाया।

परिवादी के भाई सुरेश शर्मा ने डीसीपी (पूर्व) राजीव पचार को जांच अधिकारी द्वारा अपनी जाति के मुल्जिम को बचाने के लिए सांठगांठ कर अग्रिम जमानत खारिज होने पर भी मुल्जिम को छोडने, चश्मदीद गवाहों के बयान बदलने, धारा 327, 379, 143 हटाने व धारा 308, 392 जानबूझकर नहीं लगाने तथा घटना का सीसीटीवी फुटेज व हमला करने में प्रयुक्त लोहे की रॉड व लूट की राशि बरामद नहीं करने तथा दो ऐसे झूठे मामले एक में खान में दबकर मरने की घटना को एक्सीडेंट का रूप देकर झूठी एफआईआर दर्ज कराने में रामराज मीणा की संलिप्तता से अवगत कराया। इस पर डीसीपी (पूर्व) ने एएसआई रामराज मीणा को सस्पेंड कर दिया।

परिवादी के भाई सुरेश शर्मा ने बताया कि खान में दबने से मौत एवं दो बाइक की भिड़ंत में गाड़ी लगवाकर दर्ज मामले में भी जांच अधिकारी रामराज मीणा ही थे। क्लेम के लिए अपनी जाति के लोगों से झूठा मामला दर्ज कराने पर दोनों मामलों की असलियत का पर्दाफाश कर घटना की सच्चाई से पर्दा उठाकर रामराज मीणा को बर्खास्त कराया जायेगा।

उद्घाटन समारोह में कांग्रेस महिला पार्षद की अनदेखी

चूरू, (कासं)। चूरू की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में राजस्थान सरकार द्वारा नव स्थापित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के उद्घाटन समारोह में सोमवार को कांग्रेस कांग्रेस की महिला पार्षद सरोज देवी सैनी की अनदेखी चर्चा का विषय बनी हुई है। यहां मुख्य अतिथि शमशेर भालू खान, विशिष्ट अतिथि संतोष महर्षि डीईओ प्रारंभिक शिक्षा चूरू, ओम दत्त सहारण मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ब्लॉक चूरू, ताराचंद बुडानिया अध्यक्ष हाउसिंग बोर्ड विकास समिति, अविनाश सहारण शिक्षा विभाग प्रतिनिधि, हरि राम न्योल, शेर खान, रामनिवास सहारण, राजवीर सिंह, रामेश्वर लाल व कॉलोनी वासियों द्वारा नव स्थापित राजकीय प्राथमिक विद्यालय का उद्घाटन किया गया। यहां लोगों ने कहा कि कांग्रेस सरकार में पार्टी के जनप्रतिनिधियों की अनदेखी की जा रही है। यहां समारोह में पहुंचने के लिए, कांग्रेस की वार्ड पार्षद सरोज देवी सैनी को कोई सूचना तक नहीं दी गई। जबकि आसपास के गांवों के कांग्रेस नेताओं को भी समारोह में बुलाया गया। इससे यहां कांग्रेस पार्टी की गुटबाजी उजागर हो रही है।

यहां शमशेर भालू खान ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, शिक्षा मंत्री बुलाकीदास कल्ला, शिक्षा राज्य मंत्री जाहिदा खान द्वारा यह विद्यालय प्रारंभ किया गया है, जो हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय उस्मानाबाद चूरू में प्रारंभ किया जा चुका है। आने वाले समय में पांच और नए नवीन स्कूल मय भवन खोले जाने प्रस्तावित है। जिला शिक्षा अधिकारी संतोष महर्षि ने कहा कि शिक्षा विभाग की तरफ से विद्यालय संचालन में हर प्रकार का सहयोग किया जाएगा। ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी ओम दत्त सहारण ने संपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी लेते हुए कॉलोनी वासियों से अधिक से अधिक नामांकन करवाने हेतु सहयोग का आव्हान किया। विद्यालय स्टाफ द्वारा समस्त विद्यार्थियों के लिए पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाने का भरोसा दिलवाया गया।

लाखों रुपए लेकर फरार हुआ युवक

पाली, (निसं)। बचत के नाम पर लोगों का ग्रुप बनाकर बीसी शुरु कर हर माह रुपए एकत्रित कर एक युवक लाखों रुपए लेकर फरार हो गया। सदस्यों को जब इसका पता चला तो उनके होश उड़ गए। इस पर कुछ ने कोतवाली थाने में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया पुलिस जांच में जुटी है।

पाली के कोतवाली थाने में एक फरवरी को सत्यनारायण मार्ग आंखों के हॉस्पिटल के पास रहने वाले सतीश जोशी पुत्र घनश्याम जोशी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। जिसमें बताया कि रामदेव रोड एमजीबी ग्रामीण बैंक के सामने रहने वाले दिनेश जसवानी पुत्र गिरधारीलाल अपने साथी भावेश चेचाणी के साथ मिलकर बीसी चलाता है। आरोपी उनका भी परिचित था इसलिए उसके झांके में आकर 18 जून 2021 को बीस से जुड़ गया। हर माह 25 हजार रुपए की बीसी आरोपी के पास भरता था। ऐसा करते हुए उन्होंने 1 लाख 25 हजार रुपए और उनके भाई गौतम जोशी 2 लाख रुपए आरोपी के पास भरे लेकर वापस देने की बजाय आरोपी ऑफिस बंद कर फरार हो गया और अब फोन पर सिर्फ रुपए वापस देने का आश्वासन दे रहा है। इसी तरह भैरूघाट निवासी अर्जुन जोशी पुत्र मांगीलाल जोशी ने भी कोतवाली थाने में आरोपी दिनेश जसवानी और उसके भावेश चेचाणी के खिलाफ रिपोर्ट दी। जिसमें बताया कि उन्होंने आरोपी के पास 2 अगस्त 2021 से बीसी भरना शुरू किया।

कहार समाज ने प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान कहार, कीर, केवट, भोई, मेहरा, कश्यप समाज आरक्षण संघर्ष समिति की ओर से सोमवार को शाहपुरा में केवट कल्याण बोर्ड के गठन करवाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है।

प्रदेश उपाध्यक्ष ने देवीलाल कहार ने बताया कि केवट कल्याण बोर्ड का गठन करने तथा राजस्थान में हमारे समाज की लगभग 30 लाख की जनसंख्या है। जिन्हें विभिन्न नामों से जाना जाता है। जैसे कहार, कीर, केवट, भोई, मेहरा, कश्यप, धीवर, निषाद, मांझी, मल्लाह आदि नामों से जाना जाता है। 11सूत्रीय मांगों को लेकर कहार समाज के लोगो ने उपखंड कार्यालय पर पहुंचकर नारे बाजी कर मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। इससे पूर्व श्री राम मंदिर उदयभान गेट पर एकत्रित होकर रैली निकाल कर एसडीएम कार्यालय पहुंचे।

इस दौरान प्रदेश महामंत्री रामलाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष राजू कहार, जिलाध्यक्ष राजू लाल कहार, तहसील अध्यक्ष दुर्गालाल कहार, तहसील कोषाध्यक्ष राजू साजन, राजू बगरवार प्रेम कहार, राजू, भंवरलाल, लक्ष्मण पटेल, गोपाल, लादू, बरदू, छगना, रामलाल, कल्याण, लादू, मोडू, दयाराम, किशन, छोटू, रतन, महावीर, छीतर, मोहन, ऊर्जन, रामदेव, गोपाल कहार नंद लाल, भेरू, सोहन, बबलू, महेंद्र, रामा कहार सहित रामपुरा, ढिकोला, मुशी, बनेड़ा, कल्याणपुरा, कनेच्छन, से समस्त समाज के आस पास के ठामीण समाज बन्धु सम्मिलित हुए।

अमेरिका के संत स्वामी चेतनानंद महाराज का स्वागत किया

खेतड़ी, (निसं)। अमेरिका के सेंट लुइस रामकृष्ण मिशन आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चेतनानंद महाराज सोमवार को दो दिवसीय खेतड़ी दौरे पर आए। इस दौरान अजीत विवेक संग्रहालय में पालिका अध्यक्ष गीता लीलाधर सैनी व मिशन के सचिव स्वामी आत्मानिष्ठानंद महाराज के नेतृत्व में कस्बेवासियों ने स्वामी चेतनानंद महाराज का भव्य स्वागत किया। स्वामी चेतनानंद महाराज ने सर्वप्रथम स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान कस्बेवासियों ने गाजे-बाज के साथ माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया।

इस दौरान स्वामी चेतनानंद महाराज ने बताया कि खेतड़ी की धरा पर आना उनके लिए एक सौभाग्य की बात है। वह अमेरिका में रामकृष्ण मिशन आश्रम में कार्यरत है, लेकिन खेतड़ी आने की बारंबार उनकी इच्छा रहती थी। वह स्वामी विवेकानंद और राजा अजीत सिंह के रिश्तों के बारे में विस्तार से जानने के लिए खेतड़ी आए है। मिशन के सचिव स्वामी आत्मानिष्ठानंद महाराज ने कहा कि अमेरिका के सेंट लुइस के आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चेतनानंद महाराज दो दिवसीय खेतड़ी दौरे पर हैं। शाम को वह भक्तजनों को प्रवचन देंगे। स्वामी चेतनानंद महाराज संस्कृत, अंग्रेजी और बंगाली भाषा के विशेष जानकार है। इस दौरान पालिका अध्यक्ष गीता सैनी ने कहा कि संत महात्माओं के सानिध्य में रहने से मनुष्य की मानसिक स्थिति संतुलन में रहती है। उनके द्वारा दिए गए उपदेशों से विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

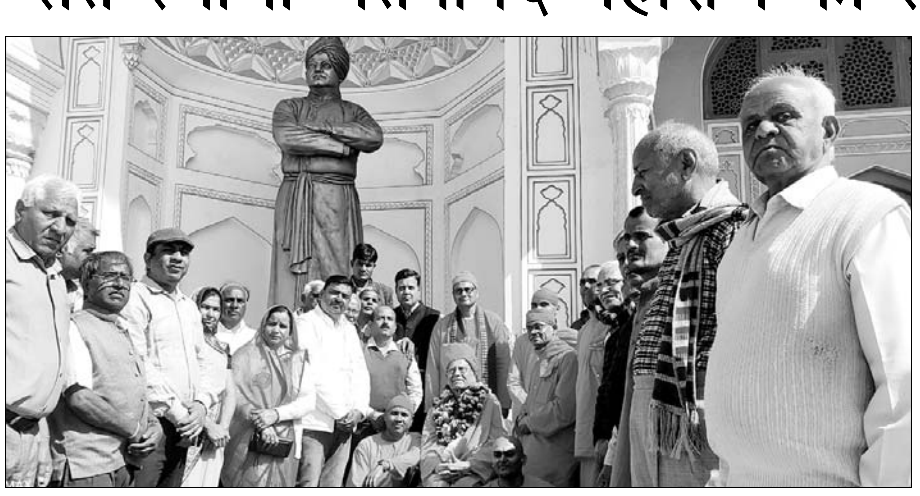
अजीत विवेक संग्रहालय में स्वामी चेतनानंद महाराज का स्वागत किया गया।

■ स्वामी चेतनानंद महाराज दो दिवसीय खेतड़ी दौरे पर आए

स्वामी विवेकानंद युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत थे, उन्होंने पूरे विश्व में सनातन धर्म का परचम लहराया था। उसी के चलते आज स्वामी चेतनानंद महाराज अमेरिका से खेतड़ी आए है। खेतड़ी एक पावन धरा है और आने वाले समय में खेतड़ी एक बार दोबारा से अपना खोया हुआ अस्तित्व प्राप्त करेगी और जल्द ही पर्यटक नगरी के रूप में अपनी पहचान बनाएगी। इस मौके पर अशोक सिंह शेखावत, ईश्वर पांडे, सुनील सैनी, रमाकांत वर्मा, शिवताज सिंह यादव, कालीचरण गुप्ता, मनमोहन, मोहित, पवन कटारिया, बक्शी राम स्वामी, स्वामी योग युक्तानंद, स्वामी मुरारीानंद, स्वामी हरिहरानंद, स्वामी मातृस्वरूपनंद, स्वामी प्रशांतानंद, रामस्वरूप, पार्थ बेरा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

कार की टक्कर से युवक की मौत

उदयपुर, (का.स.)। शनिवार रात को घंटाघर थाना इलाके में कार की टक्कर से एक युवक की मृत्यु हो गई। आरम्भ में इस हादसे को अज्ञात वाहन से होना बताया जा रहा था लेकिन दो दिन बाद सोमवार सीसी टीवी में वीडियो में कार ड्राइवर युवक को 2004 मीटर तक घसीटते हुए ले जाता दिखाई दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हेमराज नाम का युवक मालदास स्ट्रीट के पास बैठा रहता था। जो लोगों से पैसे मांगकर गुजारा करता था। शनिवार रात को तेज रफ्तार में आई ऑल्टो कार हेमराज को टक्कर मारकर करीब 200 मीटर दूर आयुर्वेद हॉस्पिटल तक ले गई। घायल हालत में रोड पर पड़े देखकर युवक को स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के दो दिन बाद सोमवार को सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद हेमराज को कार से कुचले जाने की जानकारी सामने आई। इससे पहले अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत माना जा रहा था।

चंबल का पानी खेतों तक लाने के लिए एकजुट होने का आव्हान

हिण्डौन सिटी, (कासं)। गांव लपावली और टोडी खोहरा गांव में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के भंडारे में किसान नेता रामनिवास मीना शामिल हुए। उपस्थित हजारों लोगों को संबोधित करते हुए मीना ने कहा कि श्रीमद भागवत श्रवण से धर्म का प्रसार बढता है। ऐसे आयोजनों में सभी को पूरे मन से शामिल होना चाहिए। इस दौरान भामाशाह रामनिवास मीना ने दोनों स्थानों पर अपनी ओर से 21-21 हजार रुपए भेंट किए और ईआरसीपी के प्रति एकजुट होने की अपील की।

गांव लपावली में प्रताप पटेल के आवास पर श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ एवं शिव परिवार के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के समापन पर भंडारा आयोजित हुआ। इस दौरान हजारों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए और पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस धार्मिक आयोजन में कथा आयोजक और पंच-पटेलों के बुलावे पर पहुंचे पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास मीना ने उपस्थित हजारों लोगों को ईआरसीपी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि ईआरसीपी के राष्ट्रीय परियोजना बनने पर चंबल का पानी पांचना बांध में आएगा तो पानी की कोई कमी नहीं रहेगी और 13 जिलों के आमजन की पेयजल और सिंचाई की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। इस दौरान लपावली गांव के पंच-पटेलों ने भामाशाह रामनिवास मीना का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। इसी प्रकार गांव टोडी खोहरा के देहरा वाले बालाजी मंदिर में श्रीमद भागवत कथा सप्ताह के भंडारे में भी किसान नेता रामनिवास मीना ने शिरकत की और सभी को ईआरसीपी के बारे में जानकारी देते हुए चंबल का पानी खेतों तक लाने के लिए एकजुट होने का आव्हान किया।

चार साल से ठंडे बस्ते में पड़ी मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप देने की योजना

बीकानेर, (निसं)। राज्य में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा कक्षा दसवीं व बारहवीं और शिक्षा विभागीय पंजीयक बीकानेर द्वारा आयोजित कक्षा आठवीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले मेधावी विद्यार्थियों को राज्य सरकार की ओर से मेधावी विद्यार्थी लेपटॉप वितरण योजना के तहत दिए जाने वाले लेपटॉप का वितरण तीन साल से नहीं हो पा रहा है।

■ रेसटा ने इस योजना को लेकर सीएम सहित विभाग के मंत्री को अवगत कराया है

शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने बताया कि राजकीय स्कूलों की कक्षा आठवीं के 6 हजार, दसवीं के 6 हजार 300 व बारहवीं के 9 हजार विद्यार्थियों को प्रति सत्र लेपटॉप वितरण किया जाना था। लेकिन वर्तमान में ये योजना पिछले तीन वर्ष से ठंडे बस्ते में पड़ी हुई है। दूसरी ओर चौथा सत्र भी समापन की ओर है क्योंकि बोर्ड परीक्षाएं मार्च माह में आयोजित हो जाती है ओर अप्रैल मई में बोर्ड परिणाम जारी कर देता है। शिक्षक संघ एलीमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) लगातार राज्य सरकार व विभाग के समक्ष लैपटॉप वितरण की मांग को प्रमुखता से उठाया है। संघ ने इस योजना को लेकर मुख्यमंत्री अशोक सहित विभाग के मंत्री व निदेशक को कई बार ज्ञापन भी दिए।

प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने बताया कि जब कोरोना के बढ़ते प्रभाव के कारण शहरों में स्कूले बंद थी और ऑनलाइन शिक्षण करवाया जा रहा था। उसी समय पर यदि इनका वितरण हो जाता तो मेधावी विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक होता। क्योंकि मेधावी विद्यार्थी निर्धनता के कारण लेपटॉप नहीं खरीद सकते। राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अक्टूबर माह में जल्द ही लैपटॉप वितरण की घोषणा की थी। पर चार माह गुजरने के बाद भी लैपटॉप वितरण की योजना फिर ठंडे बस्ते में चली गई है।

एक लाख से कम आय वाले अभिभावकों के पात्र मेधावी विद्यार्थियों को लेपटॉप मिलते है। प्रति सत्र लगभग 21 हजार, 300 मेधावी विद्यार्थियों को लेपटॉप मिलते है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर ने सत्र 2018-19 के पात्र मेधावी विद्यार्थियों की सूची जारी कर दी थी। लेकिन आज तक इन विद्यार्थियों को लेपटॉप नहीं मिले। इनका वितरण मार्च 20 में होना था लेकिन अभी तक नहीं हो पाया।

शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने बताया कि मेधावी विधार्थी लेपटॉप वितरण योजना के तहत चार शिक्षा सत्रों 2018-19, 2019-20, 2020-21, 2021-22 के राज्य के करीब 93 हजार छात्र-छात्राओं को लैपटॉप अभी तक नहीं मिले है। राज्य में अधिकांश निर्धन परिवार के छात्र सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे है। जिनके माता-पिता लेपटॉप/स्मार्ट फोन/टेबलेट की व्यवस्था करने में असमर्थ है।

शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहरसिंह सलावद का कहना है कि मेघावी विधार्थी लेपटॉप वितरण योजना के तहत मेधावी विद्यार्थियों को पिछले तीन सत्रों से लेपटॉप वितरण नहीं किया जा रहा है। इसकी मांग शिक्षक संघ रेसटा लगातार राज्य सरकार से कर रहा था। इस पर राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अक्टूबर माह में तीनों सत्रों के बकाया लैपटॉप जल्द वितरण की घोषणा की है, लेकिन चार माह बाद भी वितरण नहीं हुआ है। इसलिए संघ की मांग है की मेघावी विद्यार्थियों के लिए लेपटॉप बहुत लाभदायक सिद्ध होंगे इसलिए इनका वितरण फरवरी माह में करवाएं जाएं। नि:शुल्क लैपटॉप वितरण योजना शिक्षा और शिक्षार्थी के लिए, सरकार व विभाग का हितकारी फैसला साबित हो रहा है।

सुदेश धनखड़ ने घना का भ्रमण किया

भरतपुर, (निस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी सुदेश धनखड़ सोमवार को भरतपुर दौरे पर पहुंची। यहां उन्होंने केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण किया और पक्षियों की अठखेलियां देखीं। साथ ही केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में स्थित ऐतिहासिक केवलादेव शिव मंदिर में पूजा आराधना भी की।

करीब 1 घंटे तक सुदेश धनखड़ ने उद्यान में पक्षियों और प्रकृति को निहारा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी सुदेश धनखड़ सोमवार दोपहर करीब 12.30 बजे केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान पहुंची। यहां उन्होंने पूरी सुरक्षा के साथ गोल्फ कार्ट में बैठकर उद्यान का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने बायनाकूलर से पक्षियों को निहारा। पेंटेड स्टार्क के नेस्ट में नवजात पक्षियों और जलाशयों में पक्षियों की अठखेलियां देखकर अभिभूत हो गईं।

डीएफओ नाहर सिंह ने बताया कि सुदेश धनखड़ ने उद्यान के ऐतिहासिक शिव मंदिर में पूजा आराधना की। इसके बाद उद्यान के डॉ सालिम अली सेंटर का भी भ्रमण किया। उसके बाद करीब दोपहर 1.45 बजे उपराष्ट्रपति की पत्नी उद्यान से रवाना हो गई। जानकारी के अनुसार रविवार को उप राष्ट्रपति की पत्नी सुदेश धनखड़ ने गोवर्धन पहुंचकर गोवर्धन जी की परिक्रमा भी लगाई। साथ ही दानघाटी और बांके बिहारी मंदिर में दर्शन किए। उसके बाद सुदेश धनखड़ भरतपुर पहुंची थीं।

जैसलमेर बास्केटबॉल अकादमी के खिलाड़ियों ने इंदौर में जीता गोल्ड मेडल

जैसलमेर, (निसं)। युवा मामलात एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पांचवा खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स का आयोजन इंदौर में 31 जनवरी से 4 फरवरी तक किया गया।

जिला खेल अधिकारी राकेश बिश्नोई ने बताया कि राजस्थान टीम में जैसलमेर बास्केटबॉल अकादमी से विकास चौधरी सुरेंद्र चौधरी एवं मोहित का चयन किया गया। फाइनल में तमिलनाडु को 90-85 के अंतर से पराजित कर राजस्थान टीम ने खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2022 का खिताब अपने नाम किया। गौरतलब है कि 2011 में जिला कलेक्टर गिरिराजसिंह कुशवाहा ने अपने कार्यकाल में जैसलमेर बास्केटबॉल अकादमी खुलवाने की अनुमति ली। उसी के परिणाम स्वरूप जैसलमेर बास्केटबॉल अकादमी में तरासे गए खिलाड़ियों द्वारा भारतवर्ष में अव्वल स्थान प्रदान कर गोल्ड मेडल जीता गया है।

जैसलमेर बास्केटबाल अकादमी के खिलाड़ियों द्वारा गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई दी।

जैसलमेर बास्केटबॉल अकादमी के खिलाड़ियों को राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष अर्जुन अवॉर्डी ओलंपियन पदम डॉ कृष्णा पूनिया राजस्थान सरकार के काबीना मंत्री शाले मोहम्मद राजस्थान बास्केटबॉल संघ के संरक्षक एवं जैसलमेर विधायक रूपाराम धनदे, जिला प्रमुख प्रताप सिंह सोलंकी, सभापति नगर परिषद हरिवल्लभ कल्ला, राजस्थान महिला आयोग सदस्य एवं पूर्व जिला प्रमुख अंजना मेघवाल, उप जिला प्रमुख डॉ बी के बारूपाल, जिला कलेक्टर जैसलमेर टीना डाबी, जिला पुलिस अधीक्षक भंवर सिंह नाथावत, राजस्थान के खेल रत्न अवॉर्डी वीरेंद्र पूनिया, राजस्थान बास्केटबॉल संघ के अध्यक्ष अजीत सिंह राठौड़ एवं सचिव देवेंद्र सिंह शेखावत जिला बास्केटबॉल संघ के अध्यक्ष मयंक भाटिया एवं सचिव हरीश धनदेव सहित खेल संघ से जुड़े पदाधिकारियों, खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए राजस्थान टीम के प्रशिक्षक राकेश बिश्नोई एवं अकादमी के खिलाड़ियों को बधाइयां दी है।

मरुप्रदेश निर्माण पदयात्रा चौमूं इलाके में पहुंची

चौमूं, (निसं)। राजस्थान प्रदेश के 13 जिला को मरूप्रदेश बनाने की मांग को लेकर श्रीगंगानगर से सैकड़ों किसान ऊंट गाड़ी में बैठकर चौमूं कमिश्नरेट इलाके की सीमा के पास पहुंचे।

जहां पर चौमूं थाना पुलिस ने सैकड़ों किसानों की ऊंटगाड़ी पदयात्रा को रोक दिया है। मरूप्रदेश युवा मोर्चा के प्रवक्ता महिपाल महिला ने बताया कि चौमूं पुलिस द्वारा किसानों को रोका गया है। किसान अपनी वाजिब मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने के लिए जयपुर जा रहे थे। 23 जनवरी से चल रही पदयात्रा श्रीगंगानगर से चौमूं तक पहुंच चुकी है। इस यात्रा में शामिल किसान शांतिपूर्वक श्रीगंगानगर से चलकर चौमूं तक ऊंट गाड़ियों के साथ पहुंच चुके हैं। हमारी मुख्य मांग 13 जिलों को शामिल कर मरूप्रदेश बनाने की है और इसी के साथ 32 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम है। लेकिन ना जाने क्यों पुलिस हमें जयपुर जाने से रोक रही है। जब तक पुलिस हमें आगे नहीं जाने देगी यहीं पर धरना देकर बैठे रहेंगे। इस दौरान चौमूं एसीपी राजेंद्र सिंह निर्माण, विश्वकर्मा थाना प्रभारी रमेश सैनी, चौमूं थाना प्रभारी विक्रांत शर्मा हरमाडा सहित अतिरिक्त पुलिस जाब्ता पर मौजूद रहा।

कार्यकर्ता संगठनात्मक कार्यों को पूर्ण तत्परता के साथ करें: पूनिया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। सोमवार को शहर के जयपुर रोड स्थित एक निजी गार्डन में भाजपा जिला जयपुर देहात (उत्तर) की कार्यसमिति जिलाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

इस कार्यसमिति में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया का विधायक रामलाल शर्मा ने पार्टी का

भाजपा जिला कार्यसमिति का हुआ आयोजन

दुपट्टा ओढ़ाकर एवं फूलो का गुच्छा भेंट कर स्वागत किया। साथ ही जिलाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा और कार्यकर्ताओं द्वारा वीर तेजाजी की फ्रोटो और तलवार भेंट कर सम्मान किया। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पुनिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता संगठनात्मक कार्यों को पूर्ण तत्परता के साथ पूर्ण करने में सहयोग प्रदान करे तथा साथ ही उन्होंने संगठनात्मक कार्य एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर संवाद किया भाजपा राजस्थान प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने राज्य सरकार की पिछले 4 सालो की नाकामियों को गिनाया। उन्होंने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुँचाने का आ न किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने मण्डलवार संघटनात्मक कार्यों का फ़ीडबेक लिया तथा आगामी कार्ययोजना को सफल क्रियान्वित के लिए दिशा निर्देशित किया। इस मोके पर जयपुर जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, विराटनगर से पूर्व विधायक फूलचंद भिंडा, जिला प्रभारी सतवीर यादव, सोमकांत शर्मा, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष गौरव यादव, कोटपूतली भाजपा नेता मुकेश गोयल, जमवारामगढ़ के भाजपा नेता महेंद्र पाल मीणा सहित प्रधान रामस्वरूप यादव, प्रधान बद्रीनारायण शर्मा, चौमूँ विधानसभा से गजानंद कुमावत, जनप्रतिनिधिगण, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष एवं कार्यसमिति सदस्य, पार्षदगण उपस्थित रहे।

चौमूं में आयोजित भाजपा जिला जयपुर देहात (उत्तर) की कार्यसमिति में पहुंचे प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया का विधायक रामलाल शर्मा ने स्वागत किया।

छात्र-छात्राओं का सम्मान किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। महात्मा गांधी पीजी कॉलेज श्रीमाधोपुर में सोमवार को आईसीएआई द्वारा आयोजित सीए फाउंडेशन की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

वाणिज्य संकाय प्रभारी मनीष अग्रवाल ने बताया कि आईसीएआई द्वारा आयोजित सीए फाउंडेशन की परीक्षा में महाविद्यालय के छात्र रितिक अग्रवाल पुत्र विक्रम कुमार गोपालका बीकॉम प्रथम वर्ष श्रीमाधोपुर ने 262 अंकों के साथ प्रथम स्थान, तुषार बजाज पुत्र रामगोपाल बजाज,बीकॉम द्वितीय वर्ष श्रीमाधोपुर ने 239 अंकों के साथ द्वितीय स्थान, निकिता अग्रवाल पुत्री अभिनेष अग्रवाल,बीकॉम प्रथम वर्ष श्रीमाधोपुर ने 203 अंको के साथ तृतीय स्थान, ददिता बजाज पुत्री बिजेंद्र बजाज,बीकॉम द्वितीय वर्ष श्रीमाधोपुर ने 200 अंको के साथ चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। चयनित छात्र-छात्राओं का महाविद्यालय निर्देशक मोहर सिंह खर्रा, प्राचार्य डॉ वीरेंद्र कुमार सैनी,उपप्राचार्य विजेंद्र कुमार, व्याख्याता सुमित्रा देवी, पूर्व पालिका अध्यक्ष तनसुख कुमावत व भानाराम देवंदा सेवानिवृत्त प्राचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीमाधोपुर द्वारा माला पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

पूर्व सांसद को श्रद्धांजलि दी

अलवर, (निसं)। अलवर राजमाता स्वर्गीय युवरानी महिंद्रा कुमारी पूर्व सांसद अलवर की जयंती पर महल चौक सागर के पास में उनकी समाधि स्थल पर जाकर भावभीनी श्रद्धांजलि पुष्पांजलि अर्पित की वह सादर नमन किया। इस कार्यक्रम में डॉ. जीएस नरूका प्रभारी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवा दल, दल जगत जिला महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी अलवर व मुंडावर के पूर्व प्रधान रोहिताश चौधरी एवं एडवोकेट दुलीचंद मीणा जिला अध्यक्ष जिला कांग्रेस सेवा दल अलवर साथ में जितेंद्र सिंह नरूका भी मौजूद रहे मौजूद रहे।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण नवल किशोर तम्बोलिया पुत्र स्व.श्री कन्हैयालाल एवं श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री नवल किशोर तम्बोलिया, निवासी-स्वअर्जित प्लाट नंबर ई/ई 18, घाट के बालाजी, आगरा रोड, सुमेल जयपुर, राज. 302031 का पुत्र राहुल खण्डेलवाल एवं पुत्रवधु निधि रावत उर्फ योगिता हाल निवासी मकान नंबर 53 सी, कैलाशपुरी, गोलीमार गार्डन, जयपुर मेरे अभिभाष्यगण के कहे मे नही है और पुत्रवधु ने गत काफी समय से मेरे अभिभाष्यगण को प्रताडित कर रखा है और मेरे अभिभाष्यगण से अलग रिहायश कर रहे है। जिसके चलते मेरे अभिभाष्यगण ने इन दोनो से अपने समस्त पारिवारिक संबंध विच्छेद कर लिये है तथा कोई भी व्यक्ति इन दोनों से किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार करता है तो उस बाबत वह स्वयं जिम्मेवार होगा। सूचित रहें।

जयपुर (सत्यवीर सिंह मूंड)
दिनांक-06/02/2023 एडवोकेट

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN
AT JAIPUR BENCH, JAIPUR.
S.B. / D.B. CIVIL WRIT PETITION NO.______/2023
Application under Rule 159 of The Rajasthan High Court Rules for entering into
CAVEAT

MAY IT PLEASE YOUR LORDSHIPS:-

Your Lordship's humble applicants want to enter into caveat under Rule 159 of The Rajasthan High Court Rules and let nothing be done till the applicants are heard in the matter.

The particulars of the **S.B./D.B. Civil Writ Petition** which is likely to be filed are given below:-

The S.B. / D.B. Civil Writ Petition may be filed by the following persons:- Any Person

The S.B. / D.B. Civil Writ Petition is likely to be filed against:-

1. **Vice Chancellor**, Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner, Jaipur(Raj.)
2. **Registrar**, Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner, Jaipur(Raj.)

That the S.B. / D.B. Civil Writ Petition is likely to be filed with regard to the **Advertisement**: SKNAU/01/2023/1851 and Advertisement: SKNAU/02/2023/1853 **Dated:- 01.02.2023** issued by The Registrar, Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner inviting applications against vacant posts of Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Dy. Director Research / Senior Scientist & Head / Assistant Librarian in the University.

That Vakalatnama on behalf of The Registrar, Sri Karan Narendra Agriculture University, Jobner, Jaipur(Raj.) is submitted herewith. It is,therefore, humbly prayed that nothing be done in the writ petition's till the applicants are heard.

Humble Applicants Through Counsel
(HIMANSHU THOLIA) (ADVOCATE)

दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग

खैरथल, (निसं)। पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह से अलवर स्थित निवास फूलबाग पैलेस में विधायक दीपचंद खैरिया के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने भेंट कर 2 अप्रैल 2018 को एससी एसटी के विरोध में आंदोलन के दर्ज हुए मुकदमों को वापस लेने के लिए व खैरथल नगर पालिका क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं के विषय में विस्तार बातचीत की।

शिष्टमंडल में नगरपालिका में नेता प्रतिपक्ष विक्की चौधरी, पार्षद रामचंद्र कामरेड, पार्षद राहुल रसगण, नवीन खैरिया आदि एवं समाज के लोग शामिल हुए।

भंवर जितेंद्र सिंह ने जल्दी ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलकर इस मामले से अवगत कराने के साथ ही जल्द ही खैरथल नगर पालिका मे विकास कार्य करा कर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

उधर एससी एसटी एक्ट में संशोधन करने के विरोध में प्रदर्शन करने के दौरान दर्ज मुकदमों की वापसी के लिए दिए गए ज्ञापन में बताया गया है कि पांच साल पहले 2 अप्रैल 2018 को एससी एसटी एक्ट में संशोधन के विरोध में खैरथल में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया था।

उस समय भाजपा सरकार के द्वारा जबरदस्ती घरों के दरवाजे तोड़कर नाबालिग बच्चे व पढ़ने लिखने वाले विद्यार्थियों महिलाओं के साथ मारपीट कर गिरफ्तार कर लिया और उनके खिलाफ संगीन धाराओं को लगाकर उनका भविष्य खराब करने के लिए उनके ऊपर झूठे मुकदमे लगाये व जेल भेजने का काम किया।

तीस साल बाद पट्टे मिलने पर चेहरे खिले

मालपुरा, (निसं)। नगरपालिका शहरी क्षेत्र के वार्ड नम्बर 33 में बीते तीस सालों से निवास कर रहे लोगों को सोमवार को पालिका अध्यक्ष आशा नामा व ईओ राजपाल बुनकर व वार्डपार्षद सुरेन्द्र सिंह राव द्वारा पट्टे दिये गये तो लोगों के चेहरे खिल उठे।

पालिका अध्यक्ष आशा नामा ने बताया कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा प्रशासन शहरों के संग अभियान चला नियमों की जटिलता में भारी शिथिलता दे ज्यादा से ज्यादा लोगों को पट्टा वितरण के आदेश जारी होने के बाद नगरपालिका द्वारा लगातार लोगों को पट्टे दिये जा रहे हैं। पालिका शहरी क्षेत्र के वार्ड नम्बर 33 के 21 लोग जो कि बीते तीस साल से अपने मकान के पट्टे से वंचित थे। पार्षद सुरेन्द्र सिंह राव द्वारा अभियान के अन्तर्गत सभी दस्तावेजों की पूर्ति कर पत्रावलियां तैयार करने पर 69 क के 17, आवासीय कॉलोनी के 3 व एक कृषि भूमि सहित कुल 21 पत्रावलियां जमा करवाई गई जिनके पट्टे तैयार कर सभी 21 लाभार्थियो को पट्टे बांटे गये।

मालपुरा के वार्ड 33 में लोगों को पालिका अध्यक्ष आशा नामा व ईओ राजपाल बुनकर ने पट्टे वितरित किये।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

शाखा कार्यालय: श्री राम की नागल, मुख्य गांव, श्री राम की नागल पंचायत भवन के पास, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर 302022
मोबाईल नं.: 8905990421, ई-मेल: vjshri@bankofbaroda.co.in

मांग सूचना-सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अन्तर्गत

निम्नांकित ऋणी एवं जमानतदार को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि उन्होने बैंक से लिए गए ऋण की किश्तों एवं उसके ब्याज का समय पर भुगतान नहीं किया अत: उनका खाता एन.पी.ए. में वर्गीकृत हो गया हैं। बैंक द्वारा सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत उनको बैंक रिकॉर्ड के अनुसार उनके अन्तिम ज्ञात पते पर नोटिस जारी किए गए थे जो कि उनके द्वारा प्राप्त नहीं किए जाने के फलस्वरूप पुन: लौटकर आ गए हैं। अत: उनको इस सामान्य नोटिस के द्वारा उक्त अधिनियम के तहत इस बारे में सूचित किया जाता है:

ऋणी एवं जमानतदार का नाम एवं पता	प्रतिभूत आस्तियों/ बंधक सम्पत्ति का विवरण	नोटिस 13(2) की दिनांक	बकाया राशि (नोटिस 13(2) के अनुसार)
श्री रमेश चंद पुत्र श्री जिन्सी यादव प्लॉट नं. 05, महावीर कॉलोनी बी, ईपीआईपी गेट, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान 302022 एवं 108, मंदिर मोहल्ला, दंगरवाड़ा, सवाई माधोपुर, राजस्थान 322026 एवं प्लॉट नं. 109, खुशी संसार-VII (नेमीनाथ नगर), गांव इन्द्रपुरी, टोंक रोड, जयपुर - 302022 **जमानतदार- श्रीमती मिथलेश पत्नी श्री रमेश चंद यादव** प्लॉट नं. 05, महावीर कॉलोनी बी, ईपीआईपी गेट, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान 302022 एवं 108, मंदिर मोहल्ला, दंगरवाड़ा, सवाई माधोपुर, राजस्थान 322026 एवं प्लॉट नं. 109, खुशी संसार-VII (नेमीनाथ नगर), गांव इन्द्रपुरी, टोंक रोड, जयपुर - 302022	श्री रमेश चंद पुत्र श्री जिन्सी यादव के नाम साम्यिक बंधक प्लॉट नं. 109, खुशी संसार-VII (नेमीनाथ नगर), गांव इन्द्रपुरी, टोंक रोड, जयपुर - 302022 पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 116.93 वर्ग गज है। **सीमाएं-** पूर्व: प्लॉट नं 110, पश्चिम: प्लॉट नं. 108, उत्तर: रोड 40'0'' चौड़ी, दक्षिण: अन्य भूमि	25.01.2023 **गैर निष्पादक आस्ति (एनपीए) दिनांक** 23.01.2023	दिनांक 23.01.2023 को बकाया राशि रू. 22,14,106.56 (रूपये बाईस लाख चौदह हजार एक सौ छह एवं पैसे छप्पन मात्र) दिनांक 23.01.2023 तक ब्याज शामिल करते हुए एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य खर्चे आदि।

इस नोटिस के द्वारा उक्त ऋणी/जमानतदार के विरूद्ध अग्रिम कार्यवाही करते हुए उक्त उधारकर्ताओं/जमानतदार को उक्त बकाया राशि इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से साठ (60) दिवस के भीतर पुनर्भुगतान हेतु आगाह किया जाता है, अन्यथा साठ (60) दिवस की समाप्ति के पश्चात सरफेसी अधिनियम की धारा 13(4) के अन्तर्गत वसूली कार्यवाही की जाएगी। ऋणी/जमानतदार को यह भी सलाह दी जाती हैं कि वे बैंक के अधोहस्ताक्षरकर्ता/प्राधिकृत अधिकारी से किसी भी कार्य दिवस पर 13(2) के अन्तर्गत जारी नोटिस की मूल प्रति प्राप्त कर लेवें। **कर्जदारों/जमानतदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।**

दिनांक: 06.02.2023 हस्ता.
स्थान: जयपुर प्राधिकृत अधिकारी

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में आईडीएफसी फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022
IDFC FIRST Bank

परिशिष्ट-IV [नियम 8 (1)]
कब्जा नोटिस
(अचल सम्पत्ति का)

चूंकि अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में आईडीएफसी फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) के प्राधिकृत अधिकारी है अतः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्न निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उपर्युक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (12) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 19.10.2022 को एक मांग पत्र कर्जदारों, सह-कर्जदारों एवं जमानतियों 1. राहुल ट्रेडर्स, 2. ज्ञान चन्द बिखानी, 3. राहुल बिखानी, 4. कंचर बिखानी को जारी किया गया था, जिसमें 04.10.2022 की तिथी को देय, मांगपत्र में उल्लेखित राशी रूपये 1,28,98,856.00/- (रूपये एक करोड अठाईस लाख अठानवे हजार आठ सौ छप्पन मात्र) का भुगतान उपयुक्त नोटिस प्राप्ती के 60 दिन के अन्दर करने को कहा गया था।

चूंकि कर्जदार उक्त राशि को वापस चुकाने में विफल रहे है अतः कर्जदारों एवं जनसाधारण को नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 जिसका नोटिस में उल्लेख किया गया है के तहत अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्होंने यहां निम्न वर्णित संपत्तियों के आज फरवरी 2023 के 6ठे दिन भौतिक रूप से अपने कब्जे/अधिकार में ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदारों एवं आम जनता को एतदद्वारा सावधान किया जाता है कि वे इन सम्पत्तियों का सौदा लेनदेन नहीं करें तथा इस सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से खरीद-बिक्री करने पर उसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में आईडीएफसी फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित) की प्रभारित शर्तों के अधीन राशी रूपये 1,28,98,856.00/- (रूपये एक करोड अठाईस लाख अठानवे हजार आठ सौ छप्पन मात्र) का भुगतान उस पर प्रभारित ब्याज सहित करना होगा।

कर्जदारों का ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है जिसमें प्रतिभूतिकृत सम्पत्तियों को मुक्त करने के बारे में उपलब्ध समयावधि का उल्लेख है।

अचल सम्पत्तियों का विवरण

प्लाट नं. 141 के उत्तरी भाग का पूरा एवं प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 150 वर्गगज, पदमावती कॉलोनी-1, अजमेर रोड, जयपुर (राज.) और सीमायें है- पूर्व-प्लाट नं.152, पश्चिम-रोड 30 फिट चौडी, उत्तर-प्लाट नं. 142, दक्षिण-प्लाट नं.141 दक्षिणी भाग

दिनांक - 06 फरवरी 2023
स्थान-जयपुर
ऋण खाता संख्या- 10034943044, 10034943066, 10056677631 एवं 10088574898
प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में आईडीएफसी फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित)

नगरपालिका के कर्मचारियों से एसीबी ने बयान लिये

मालपुरा, (निसं)। एक ठेकेदार से मालपुरा नगरपालिका में बकाया भुगतान की एवज में घूस की मिली शिकायत पर 12 जनवरी 2022 को जयपुर ग्रामीण भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टीम द्वारा की गई ट्रेप की कार्यवाही मामले में एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद सोमवार 6 फरवरी को एसीबी टीम के अचानक नगरपालिका कार्यालय पहुंच कर्मचारियों के बयान लेने से कार्यालय में हड़कम्प मच गया।

सूत्रों से मिली जानकारी में सामने आया कि जयपुर ग्रामीण एसीबी टीम में जांच अधिकारी चन्द्रगुप्त महावर के नेतृत्व में पालिका के एक बंद कमरे में तीन से पांच कर्मचारियों को एक-एक कर तकरीबन चार घंटे तक बयानों की कार्यवाही की गई। उल्लेखनीय है कि 12 जनवरी 2022 को हुई ट्रेप की कार्यवाही में एक ठेकेदार व एक संविदाकर्मी को गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद राज्य सरकार के आदेशों पर प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए स्वायत शासन विभाग ने आदेश जारी कर तत्कालीन भाजपा के पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी को पालिका अध्यक्ष व वार्डपार्षद पद से निलम्बित किया गया था जो कि आज भी निलम्बित चल रही है। वर्तमान में कांग्रेस पार्षद आशा नामा को स्वायत शासन विभाग द्वारा आदेश जारी कर आगामी आदेशों तक अध्यक्ष का कार्यभार दिया गया। एक वर्ष से अधिक समय बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टीम के जांच अधिकारी द्वारा अचानक कार्यालय पहुंच कर्मचारियों के बंद कमरे में बयान को लेकर शहर व राजनैतिक गलियारे में तरह-तरह के कयास लगाये जा रहे हैं। उक्त मामले मे निलम्बित पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर किये हुए है तो सोमवार को उक्त मामले मे राजस्थान सरकार की और से सर्वोच्च न्यायालय में एसएलपी दायर की गई है।

बिजली के बकाया पर विषेश अभियान चलेगा

फागी, (निसं)। क्षेत्र के सरकारी कार्यालयों के बिजली के 56 लाख बकाया चल रहे हैं जिससे बिजली विभाग में वसूली के लिए आठ फरवरी से विषेश अभियान चलाकर कार्यवाही की जावेगी।

सोमवार को फागी जयपुर विद्युत वितरण निगम के सहायक अभियन्ता कार्यालय में बकाया वसूली को लेकर मिटिंग का आयोजन हुआ जिसमें कनिष्ठ अभियन्ता फागी रेनवालमांजी नीमेडा व सभी फीडरों के प्रभारी की उपस्थिति में सहायक अभियन्ता राजकुमार गर्ग ने बताया कि फागी उपखण्ड में 7039 नियमित उपभोक्ताओं में 235 लाख बकाया है। जिसमें पुलिस विभाग के लगभग 21 लाख अस्पताल के लगभग डेड लाख पी एच डी में 19 लाख ग्राम पंचायतों में 13 लाख तथा अन्य सरकारी कार्यालयों में ढाई लाख रूपये बकाया चल रहे हैं। साथ ही सहायक अभियन्ता ने ऊर्जा विभाग द्वारा लागू की गई एमनेस्टी योजना जो 30 जून 23 तक प्रभावी रहेगी।

सहायक अभियन्ता ने सभी कार्मिकों को योजना का प्रचार प्रसार कर जन जन तक पहुंचाने के लिए पाबन्द करते हुए कहा कि आठ फरवरी से विषेश अभियान चलाया जाकर एक हजार से अधिक वाले नियमित उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काटे जावेंगे।

गिरदावरी कर खराबे का आंकलन किया

लालसोट, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में विभिन्न जगहों पर तेज बारिश एवं खराब मौसम के बाद हुए फसल खराबे का जायजा लेने के लिए तहसीलदार मदनलाल मीणा की अगुवाई में राजस्व टीम द्वारा विभिन्न जगहों पर फसल खराबे का जायजा लिया गया।

श्रीमां ग्राम पंचायत में तहसीलदार की अगुवाई में फसल खराबे का जायजा लिया

पिछले दिनों तेज बारिश एवं उसके साथ चले अंदर के दौरान खेतों में पकी पकाई फसलें खराब हुई है। इस फसल खराबे के बाद किसानों द्वारा सरकारी एवं प्रशासनिक स्तर पर खराबे का आकलन कर मुआवजा आदि दिलाने की मांग की गई थी। ग्राम पंचायत श्रीमा में खराब हुई फसलों का जायजा लिया और किसान भाईयों को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। साथ में तहसीलदार साहब मदनलाल मीना श्रीमा पटवारी विश्राम मीना तलाव गांव ग्राम पंचायत के पटवारी मुकेश मीना देवली ग्राम पंचायत के पटवारी कृषि प्रवेशक कविता मीना व समस्त स्टाफ को ग्राम पंचायत श्रीमा कि और से बहुत बहुत धन्यवाद जिन्होंने ग्राम पंचायत श्रीमा में खराब हुई फसलों को खेत खेत में जाकर जायजा लिया। अगले हफ्ते में राजस्थान प्रदेश का बजट आने वाला है संभवतया माना जा रहा है कि इसी बजट में किसानों को राहत देने के लिए प्रशासनिक मशीनरी को खेत खलियान की तरफ बढ़ाया गया है ताकि समय पर हुई फसल खराबे का मुआवजा का आकलन होने के बाद सही स्थिति सामने आ सके ताकि बजट निर्धारण में इस विषय को जगह में मिल सके।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरीय क्षैत्र निवाई (न.पा.नि.)(जिला-टोंक)
क्रमांक : का.प्रा.अधि.न.क्षै.नि./कृ.भू./2021-22/13108 दिनांक 18/1/2023
प्रारूप-10 (नियम 6 (7) देखिए)
प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर पालिका निवाई
लोक सूचना

श्री एमानुअल मिशन स्कूल निवाई, जरिये मेनेजर अगस्टीन जोर्ज पुत्र एडियल जोर्ज ईसाई सा. शान्ती नगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक शैक्षणिक प्रयोजनार्थ प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारो के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र.सं.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्र
1	तह. निवाई जिला टोंक	निवाई	5064/2	04 बीघा 01 बिस्वा में से 4708.33 वर्ग मीटर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान की और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्यक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की जाती है।

(श्रीमती महिमा डांगी) प्राधिकृत अधिकारी, नगरीय क्षैत्र निवाई

नहर की मांग पर शपथ ली

बहरोड़/अलवर, (निसं)। युवरानी महेंद्रा कुमारी की जयंती पर लंबे समय से चल रही कृषि भूमि पर नहरी पानी की मांग पर हजारों की संख्या में मौजूद किसानों के साथ अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी महासचिव पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह सहित कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली तथा बलबीर सिंह छिल्लर जिला प्रमुख ने मुंडावर के पंचायत समिति प्रांगण में राठ क्षेत्र के लिए पानी की नहर लाने की शपथ लेकर तहसील स्तर से लेकर जिला, प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर से कृषि भूमि की नहर लाने का आव्हान करते हुए कांग्रेस पार्टी को मजबूती देने का आव्हान किया।

गौरतलब है कि युवरानी महिंद्रा कुमारी की जयंती पर मुंडावर में आयोजित कृषि भूमि की नहरी मांग की जनशपथ कार्यक्रम से पूर्व मुंडावर में हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए भंवर जितेंद्र सिंह व टीकाराम जूली तथा बलबीर सिंह छिल्लर ने अनेक विकास कार्यों की पट्टिकाओं का एक साथ उद्घाटन किया।

युवरानी महेन्द्रा कुमारी की स्मृति में एथलेटिक्स प्रतियोगिता शुरू

अलवर, (निसं)। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने पूर्व सांसद युवरानी महेन्द्रा कुमारी की स्मृति के अवसर पर राजर्षि महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित 17वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2023 प्रतियोगिता का युवरानी महेन्द्रा कुमारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह ने युवरानी महेन्द्रा कुमारी की स्मृति के अवसर पर उन्हें स्मरण करते हुए कहा कि सरल स्वभाव, उच्च व्यक्तित्व की धनी व अलवर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली युवरानी महेन्द्रा कुमारी के पद चिन्हों पर चलते हुए अलवर के विकास को गति देने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी आयुवर्ग खासकर वृद्धजन खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपनी प्रतिभा के बल पर यह साबित करें कि वे किसी से कम नहीं है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने खिलाड़ियों को एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा खेल व खिलाड़ियों को बढ़ावा देने व प्रदेश में खेलों का माहौल तैयार करने के उद्देश्य राज्य स्तरीय ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में हर वर्ग व सभी आयुवर्ग के महिला व पुरूषों ने बढचढकर भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह एवं मंत्री टीकाराम जूली ने खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर परिषद, दौसा (राजस्थान)
फोनः नं. 01427-220054 E-mail:dausa.jaipur@yahoo.com
क्रमांकः-न.प.दौ./भूमि/90-ए/15240 दिनांक : 6/02/2023

प्रारूप-13
नियम 13 (2)
(प्राधिकृत अधिकारी) दौसा
लोक सूचना

अधोहस्ताक्षरकर्ता की जानकारी में यह लाया गया है कि नगरीय क्षेत्र दौसा के राजस्व ग्राम खेडली में स्थित भूमि या उसके भाग जिनका विवरण नीचे दिया गया है। 17 जून, 1999 से पश्चात् की कालावधि से गैर-कृषिक आवासीय प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है/किया गया है और इसलिए निम्नांकित भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क की उप-धारा (8) के अधीन पर्यवसित किये जाने के दायी है:-

क्र.सं.	उप तहसील का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा नंबर	रकबा (हैक्टयर में)
1	भाण्डारेज	खेडली	5	1.11
2	भाण्डारेज	खेडली	6	0.37
3	भाण्डारेज	खेडली	7	0.67
4	भाण्डारेज	खेडली	8	1.27
5	भाण्डारेज	खेडली	9	0.28
6	भाण्डारेज	खेडली	13	0.38
7	भाण्डारेज	खेडली	14	0.62
8	भाण्डारेज	खेडली	15	0.31
9	भाण्डारेज	खेडली	16	0.35
10	भाण्डारेज	खेडली	17	0.64
11	भाण्डारेज	खेडली	38	0.29
12	भाण्डारेज	खेडली	39	0.33
13	भाण्डारेज	खेडली	63	5.41

अतः उक्त भूमि हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिन के भीतर-भीतर कारण बताये कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाये और इसलिए क्यों न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लंगमों से मुक्त निहित किया जा सके।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन 2023 (वर्ष) के फरवरी (मास) के 06वें दिन को जारी की जाती है।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त
नगर परिषद, दौसा

संक्षिप्त

कनक दंडवत यात्रा का स्वागत

निवाई, (निसं)। पिछले दिनों मंडालिया में स्थित देवनारायण मंदिर से विधि-विधान के साथ देवधाम जोधपुरिया के लिए रवाना हुई कनक दंडवत यात्रा रविवार को निवाई पहुंची। जहां देवली-उनियारा जनसेवक भामाशाह सीताराम पोसवाल ने सभी कनक दंडवत यात्री का स्वागत किया। हरिशंकर खटाणा मंडालिया ने बताया कि कनक दंडवत यात्रा में लगभग 40 श्रद्धालु शामिल हैं। कनक दंडवत यात्रा का समाजसेवी सीताराम पोसवाल ने स्वागत किया। कनक दंडवत यात्रा रोजाना 4 किलोमीटर चलती है। कनक दंडवत यात्रा अगले लगभग 4 दिन में देवधाम जोधपुरिया पहुंच जाएगी। स्वागत करने में समाजसेवी नादान गुर्जर करीरिया, भेरुलाल सिरस, हरिशंकर मण्डालिया, राजेन्द्र कसाणा सहित अनेक लोग मौजूद थे।

महबूब दीवान का स्वागत किया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। राजस्थान मदरसा बोर्ड नवनियुक्त चेयरमैन महबूब दीवान चोपदार का "दिल में है हिंदुस्तान" ग्रुप के सदस्यों द्वारा चौमूं के राधा स्वामी बाग़ कट पर माला पहनाकर स्वागत किया गया। स्वागत के बाद उन्हें ज्ञापन देकर चौमूं नगरपालिका क्षेत्र में बंद हुए मदरसों और मुस्लिम स्कूलों को पुनः चालू करवाने और चालू मदरसों का दौरा करने की माँग की। इस मौके पर मोहम्मद माहिर गौरी, मोहम्मद अमजद पठान, मोहम्मद दिलशाद, शहजाद लोहाणी, फिरोज गौरी, आदिल नेता, सिकन्दर अगवान, मुजाहिद खान, सिकन्दर गौरी, अखिलेश कुमावत, शोयब रंगरेज, सुनील मीणा, शोयब अगवान, अक्कू सोनी, हसन अगवान मौजूद रहे।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

निवाई, (निसं)। राजकीय कन्या महाविद्यालय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। राजश्री स्वामी ने बताया कि महिला प्रकोष्ठ द्वारा राजनीति विज्ञान, इतिहास और करंट अफेयर्स सहित अन्य विषयों पर छात्राओं से प्रश्न पूछे गए। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और प्रश्नों के जवाब दिए। प्रतियोगिता में सहायक आचार्य बिन्नी साहू ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि मंगलवार को महाविद्यालय परिसर में मेंहदी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

अडानी समूह घोटाले के खिलाफ कांग्रेस ने धरना-प्रदर्शन किया

टोंक, (निसं)। एलआईसी, एसबीआई जैसी संस्थाओं को बचाने एवं अडानी समूह घोटाले के खिलाफ जिला कांग्रेस कमेटी टोंक द्वारा प्रदेश कांग्रेस सचिव जिला प्रभारी महेन्द्र सिंह खेड़ी, निवर्तमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता के नेतृत्व में घण्टाघर चौराहा टोंक से एलआईसी कार्यालय पुराना बस स्टैंड टोंक तक पैदल मार्च निकालकर मोदी सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया गया।

■ मोदी सरकार ने करोड़ों देशवासियों की खून पसीने की कमाई को खतरे में डाल दिया : लक्ष्मण चौधरी

धरने को सम्बोन्धित करते हुए महेन्द्र सिंह खेड़ी ने कहा कि मोदी सरकार हमारी राष्ट्रीय सम्पतियों को बेचकर अपने मित्रों की जेब भर रही है। उन्होंने कहा एसबीआई एवं एलआईसी में देश की करोड़ों लोगों की गाढी कमाई का पैसा है, जिसको बरबाद होते हम नहीं देख सकते। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की जन विरोधी नीतियों को जमीनी स्तर पर विरोध करेंगे।

उन्होंने अडानी स्कीम की जेपीसी अथवा सुप्रीम कोर्ट के जज के माध्यम से जांच कराने की मांग की। निवर्तमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता ने कहा कि एलआईसी एवं एसबीआई हमारे देश का गौरव हैं और हम इन्हें बरबाद नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने नाजयाज तरीके से एलआईसी, एसबीआई का पैसा अडानी समूह में निवेश कराया। मोदी सरकार ने करोडों देशवासियों की खून पसीने की कमाई को खतरे में डाल दिया। पूर्व विधायक कमल बैरवा, एड. महावीर तोगडा, दिनेश चौरासिया, सलीम नकवी, टोंक शहर ब्लॉक अध्यक्ष इरशाद बैग, उनियारा ब्लॉक अध्यक्ष कमरूद्दीन, किशन फगोडिया, देवली ब्लॉक अध्यक्ष महादेव मीणा, सेवादल जिलाध्यक्ष अब्दुल खालिक खान, मणिन्द्र बैरवा, सै. मेहमूद शाह , नईमुद्दीन अपोलो, हंसराज गाता, जर्रार खांन, एड. सलमान, एड. नजीर हसन, फरीद मियां टोपी वाले, जिला परिषद सदस्य छोगा लाल गुर्जर, आतिफ नकवी, आदि के अलावा बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं ने धरना-प्रदर्शन में भाग लिया।

जिला कांग्रेस कमेटी टोंक ने पैदल मार्च निकालकर मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

ग्राम साथिन संघ ने ज्ञापन सौंपा

टोंक, (निसं)। राजस्थान ग्राम साथिन कर्मचारी संघ ने महिला अधिकारिता बाल विकास विभाग में कार्यरत ग्राम साथिनों का 4 हजार 620 रुपये मानदेय में बढ़ोतरी को लेकर टोंक जिला सहित अन्य कई जिलों में 4 वर्षों से रूके हुए जाजम बैठकों बिल का भुगतान करवाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि ग्राम साथिने प्रदेश की हर एक पंचायत पर 2004 से कड़ी मेहनत व लगन के साथ जाजम बैठकों का आयोजन करके महिलाओं को सजग करना, टीकाकरण में सहयोग करना, राजीव गांधी केन्द्र पर उपस्थित रहकर अन्य विभाग के श्रम विभाग समाज कल्याण विभाग कार्यो व योजनाओं से महिलाओं को लाभ दिलवाना, बेटी बचाओं व बेटी पढाओं के तहत आने वाली कार्यक्रमों में महिलाओं को लाभ दिलवाना, किशोरी बालिका शक्ति में कार्य करना, ग्राम साथिनों के कार्यो को देखते हुए मानदेय अपना परिवार चलाने हेतु कम से कम 1० हजार रु. किया जाये, साथ ही अन्य राज्यों कर्मचारियों की तरह एक तारीख को डाला जाये, 4 हजार 62० रु. मानदेय से बढाकर श्रम एक्ट कानून अधिनियमनुसार मानदेय किया जाए। पिछले 4 वर्षो से कई जिलों में जाजम बैठकों के बिलों में भुगतान नहीं किया जा रहा, उसे शीघ्र दिलवाया जाये। शीतकालीन व ग्रीष्मकालीन दस दिवसीय अवकाश दिया जाऐ, नियमानुसार 6० वर्ष पूर्ण होने पर 2 साल का स्वास्थ्य सर्टिफिकेट दिए जाने के बाद लाभ दिया जाए।

सार-समाचार

तीन छात्रों का सी. ए. में चयन

श्रीमाधोपुर, (निसं)। महात्मा गांधी इंटरनेशनल सीबीएसई स्कूल श्रीमाधोपुर के तीन छात्रों का सी ए फाउंडेशन में चयन हुआ है। महात्मा गांधी इंटरनेशनल सीबीएसई स्कूल के कोऑर्डिनेटर अक्षय सैनी ने बताया कि विद्यालय के छात्र निशांत अग्रवाल पुत्र नरोत्तम अग्रवाल निवासी श्रीमाधोपुर, नितिन जांगिड़ पुत्र सुरेंद्र जांगिड निवासी श्रीमाधोपुर, चैतन्य चौधरी पुत्र संजय कुमार चौधरी निवासी श्रीमाधोपुर का सीए फाऊंडेशन में चयन हुआ, वहीं विद्यालय की पूर्व छात्रा जीविका रावत पुत्री पुरषोत्तम रावत का आईपीसीसी में चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विद्यालय निर्देशक मोहर सिंह खर्रा एवं प्राचार्या कवलजीत कौर ने चयनित छात्रों का सम्मान किया एवं छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। छात्रों ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय स्टाफ़ व अभिभावकों को दिया है। विदित रहे कि छात्रों ने बिना किसी कोचिंग व अन्यत्र अध्ययन के ये उपलब्धि प्राप्त की है। इस अवसर पर अशोक गहलोत, विकास अग्रवाल, विष्णु जोशी, अमित माथुर, पवन सैनी सहित समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

जरूरतमंदों को कम्बल बांटे

निवाई, (निसं)। समाजसेवी एवं भामाशाह प्रहलाद नारायण बैरवा ने सोमवार को क्षेत्र की 5 ग्राम पंचायतों में 500 से अधिक गरीब एवं असहाय जरूरतमंदों लोगों को कंबल वितरण किए। समाजसेवी बैरवा ने बताया कि सर्दी के मौसम को देखते हुए उनके द्वारा छोटा सा प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि निवाई-पीपलू विधानसभा क्षेत्र में 59 ग्राम पंचायतों में 5 हजार से अधिक लोगों को कंबल वितरित किए हैं। इस दौरान डांगरथल में सरपंच बजरंगलाल बैरवा, जीएसएस व्यवस्थापक गेन्दीलाल गुर्जर, श्योजीराम, वार्ड पंच रामअवतार व शिवराम जाट मौजूद रहे। इसी प्रकार खणदेवत में हरजीराम गुर्जर, वार्ड पंच जगदीश नायक, घासी बैरवा, रंगलाल बैरवा, जगदीश, गांव रजवास में हनुमान गुर्जर, सूरज गुर्जर, मदनलाल गुर्जर, महावीरदास स्वामी सहित अनेक लोग मौजूद रहे। इसी दौरान समाज सेवी प्रहलाद बैरवा के साथ जगदीश प्रसाद टेलर राणोली, गोपालाल गुर्जर राणोली, गिर्राज हाकला जयकिशनपुरा, शंकरलाल बैरवा कासीपुरा सहित अनेक लोग थे।

कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की

श्रीमाधोपुर, (निसं)। एसबी एन ग्रुप ऑफ एजुकेशन श्रीमाधोपुर में बीएड, डीएलएड के प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा एसयूपी कैंप के तीसरे दिन खेल दिवस के रूप में मनाया गया। बीएड प्रभारी श्रवण महला ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा इस दौरान कबड्डी खेल का आयोजन किया जिसमें सबसे पहला मैच पुरुष वर्ग में ज्योतिबा फुले दल व आजाद दल के बीच में हुआ जिसमें आजाद 10 पॉइंट से विजयी रहा तथा दूसरा मैच एसबीएन सुपीरियर तथा महाराणा प्रताप के बीच में हुआ जिसमें एसबीएन सुपिरिअर 20 पॉइंट से विजयी रही। वही फाइनल मुकाबला एसबीएन सुपीरियर बनाम आजाद दल के मध्य में होगा तथा महिला वर्ग का मैच महाराणा प्रताप तथा ज्योतिबा फुले दल के बीच खेला गया जिसमें ज्योतिबा फुले दल विजयी रहा। संस्था के निदेशक डॉ मुकेश बल्डवाल ने बताया कि खेलों का जीवन में बहुत ही ज्यादा महत्त्व है। इस दौरान रचना सैनी ,ऋतु पाराशर, सुमन सैनी, मुकेश गोस्वामी आदि समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

विशाल सभा व रैली आज

चौंमू/कालाडेरा, (निसं)। मंगलवार को भाजपा के युवा नेता शंकर गोरा के नेत्रत्व में प्रातः 10 बजे से गढ़ गणेश मंदिर परिसर चौंमू को बीसलपुर से बजट सत्र में जोड़ने की मांग को लेकर विशाल सभा का आयोजन किया जाएगा । जिसमे चौंमू विधानसभा से प्रत्येक वार्ड और पंचायत स्तर पर कार्यकर्ताओ को जिम्मेदारिया सोपी गई और अधिक से अधिक संख्या में पधारने का आ ान किया। शंकर गोरा ने बताया कि गढ़ परिसर में विशाल सभा के बाद रेली के रूप मे रवाना होकर बस स्टैंड थाना मोड़ होते हुए जयपुर रोड दोलतशाह बाबा की दरगाह के पीछे स्थित उपखण्ड कार्यालय तक जाएंगे और उपखण्ड अधिकारी को निम्न माँगो को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपेंगे। बजट सत्र में चोमू को बीसलपुर से जोड़ने की मांग को लेकर, किसानों की फसल खराबा के मुआवजे, लगातार हो रहे पेपर लीक की जांच, किसानों की बिजली समस्या को लेकर ज्ञापन देंगे।

राशन डीलरों ने ज्ञापन सौंपा

मालपुरा, (निसं)। राशन डीलरों को मासिक मानदेय निर्धारित किये जाने सहित संगठन की आठ सूत्री मांगों को बजट घोषणा में पूरी किये जाने सहित केन्द्र सरकार द्वारा राशन डीलर व उपभोक्ताओं के प्रति गलत नितियों के विरोध में राशन डीलरों ने सोमवार को एसडीएम रामकुमार वर्मा को ज्ञापन सौंप तीन दिन पॉश मशीनें बंद रखने के निर्णय से अवगत करवाया। राशन डीलर एसोसिएशयन अध्यक्ष सीताराम डालमिया, राशन डीलर सलीम रंगरेज, अलीम अहमद सहित अन्य ने ज्ञापन मे अवगत करवाया कि राशन डीलर समन्वय समिति राजस्थान के निर्देशानुसार देशभर मे राशन डीलरो द्वारा किये जा रहै आंदोलन व मानदेय निर्धारित किये जाने की मांगो को लेकर सरकार पर दबाव बनाने के लिए राजस्थान के 27 हजार राशन डीलरो ने 7 से 9 फरवरी तक पॉश मशीने बंद रख आंदोलन का निर्णय लिया है जिसका मालपुरा एसोसिएशन ने भी समर्थन किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष 9 को दौरे पर

टोंक, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया 9 फरवरी गुरूवार को टोंक जिले के दौरे पर रहेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराणा ने बताया कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पुनिया दोपहर 12 बजे पीजी कॉलेज टोंक छात्रसंघ कार्यालय उद्घाटन, दोपहर 2 बजे टोडारायसिंह कॉलेज छात्रसंघ कार्यालय उद्घाटन, शाम 4 बजे मालपुरा कॉलेज छात्रसंघ कार्यालय उद्घाटन कार्यक्रमों में रहेंगे।

आंतेला को उपतहसील बनाने की मांग

पावटा, (निसं)। निकटवर्ती कस्बा आंतेला- विराट नगर को उपतहसील का दर्जा देने की मांग को लेकर निर्माण कमेटी संरक्षक पूर्व उपनिदेशक महेशचंद शर्मा, कैप्टन प्रभु सिंह शेखावत के नेतृत्व में कमेटी सदस्यों मोहन कामदार, गोकुल महाराज, शिव कुमार व्यास, पूरणमल कुहार, शिभू दयाल मोदी, रमेश चंद मोदी, शिभू दयाल अग्रवाल, बाबूलाल सैनी, मातादीन खाती, ग्यारसीलाल मीणा, सुरज्ञानी योगी, मोहनलाल सेन, चंदन शर्मा व जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम पावटा उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि उपतहसील बनने के लिए कस्बा आँतेला सरकार के सभी नियमों को पूर्ण करता है। जयपुर से 30 किलोमीटर की दूरी पर जयपुर दिल्ली राजमार्ग पर स्थित कस्बा है। आँतेला विराटनगर तहसील का दूरस्थ बडा कस्बा है। जिसकी आबादी लगभग 12-13 हजार है। कस्बे की बडी ग्राम पंचायत का विघटन कर दो अन्य ग्राम पंचायतों का गठन भी विगत में ही किया गया है। वहीं कस्बा आंतेला रियासतकाल में सीधा जयपुर रियासत अधीन रहा है।

बन्दरों व आवारा सूअरों के आतंक से ग्रामीणों को निजात दिलाने की मांग

टोंक, (निसं)। भीम सेना ने ग्राम बिचपुड़ी चन्दलाई में जंगली बन्दरों (लंगूरों) व आवारा सूअरों के आतंक से ग्रामीणों को निजात दिलाने की मांग को लेकर भीम सेना जिलाध्यक्ष अशोक बैरवा के नेतृत्व में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

ग्राम पंचायत चन्दलाई सरपंच निर्मला देवी, कन्हैया लाल यादव, शोभा देवी यादव, रामप्यारी यादव, सीमा यादव, सागर बैरवा, गीता यादव, जगदीश यादव, समुद्रा बैरवा, फूला बैरवा, सम्पत बैरवा, रामप्यारी बैरवा, गुड्डी बैरवा, कस्तूरी यादव एवं फूला देवी यादव ने दिये गये ज्ञापन में बताया कि ग्राम बिचपुडी चन्दलाई में जंगली बन्दरों (लंगूरों) के द्वारा व आवारा सूअरों से आतंक बना हुआ है।

ग्राम के कई लोगों को जंगली बन्दरों ने काट लिया गया है व बच्चों को घायल किया जा चुका है, गांव में आवारा सूअरों का भी काफी आतंक हो रहा है, जो खेतों में घुस जाते है और फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है व शहर के लोगों के द्वारा भी अपनी झुण्ड की झुण्ड सुनी गायों को गांव के रास्ते पर खुला छोड देते है, जिससे सुनी गाये खेतों में घुस जाती है और फसलों को नुकसान करती है, सुनी गायों को छोडने वालो को ग्रामीण जब मना किया जाता है तो वह लडाई-झगडा करने पर उतारू हो जाते है, जिसके कारण ग्रामीण जनता में भयंकर रोष व्याप्त है।

जंगली बन्दरों व सूअरों द्वारा ग्रामीणों को घायल कर देने के कारण उनको काफी परेशानियों का सामना करना पडता है, उनको सरकार से कोई आर्थिक सहायता नहीं मिल पाती है, उनको अपने स्तर पर ही अपना इलाज करना पडता है, इस संबंध में पूर्व में संबंधित थानों व जिला प्रशासन को भी अवगत करवाया जा चुका है, परन्तु इस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। उन्होंने मांग की है कि जिला प्रशासन संबंधित ग्राम का दौरा कर अपनी रिपोर्ट जिला कलेक्टर के समक्ष रखे एवं समस्त ग्राम बिचपुडी के लोगों एवं अध्ययनरत बच्चों व महिलाओं की सुरक्षा को मध्य नजर रखते हुए जंगली बन्दरों व सूअरों के आतंक से व सुनी गायों के द्वारा खेतों में घुसकर नुकसान करने से बचाया जाये, जंगली बन्दरों को पकडवाकर माधापुर की सेंचुरी में छुडवाया जाये।

भीम सेना ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

एस.डी.एम. ने दतवास में ग्रामीणों की समस्याओं को सुना

निवाई, (निसं)। दतवास पंचायत में उपखंड अधिकारी रविकांत सिंह की अध्यक्षता में जनसुनवाई का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने दतवास ग्राम पंचायत में पहुंचने पर सरपंच सुवालाल कोली के नेतृत्व में ग्रामीणों ने एसडीएम रविकांत सिंह का स्वागत किया।

इस दौरान जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत की मुख्य समस्या से एसडीएम को अवगत करवाया। इस दौरान ग्रामीणों ने विद्यालय हेतु भूमि आवंटन, रोड निर्माण के चलते टूटी गई पाइप लाइन को ठीक करवाने हेतु, ग्राम पंचायत में बीसलपुर कनेक्शन करवाने हेतु, चरागाह भूमि में से शमशान के लिए भूमि आवंटन करवाने हेतु, पंचायत क्षेत्र में पट्टे शुदा आबादी से पट्टा दिलवाने बाबत सहित कई समस्या से उपखंड अधिकारी को अवगत करवाया।

इस दौरान ग्रामीणों की जन समस्याओं को सुनकर उपखंड अधिकारी ने जल्द से जल्द समस्या का निवारण करने हेतु आश्वासन दिया। इसके अलावा उपखंड अधिकारी ने चिरंजीवी योजना में अधिक से अधिक पंजीकरण करवाने हेतु ग्रामीणों को प्रेरित किया। इस दौरान चिरंजीवी योजना में जुडकर किस प्रकार लाभ ले सकते हैं उसके बारे में विस्तृत से जानकारी प्रदान की। वही जनप्रतिनिधियों से भी उपखंड अधिकारी ने कहां की चिरंजीवी योजना का ज्यादा से ज्यादा प्रचार कर ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक परिवार को इसका लाभ दिलाने के लिए कहा। वही संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए तुरंत प्रभाव से ग्रामीणों की समस्या का निवारण करने के लिए निर्देश दिया। जनसुनवाई कार्यक्रम में सहायक नायब तहसीलदार अरविंद शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी नरेंद्र जैन, बीसीएमएचओ शैलेंद्र चौधरी सहित जलदाय विभाग ए विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी एकर्मचारी व जनप्रतिनिधि सहित सैकडों ग्रामीण मौजूद रहे।

बन्दरों के आतंक से ग्रामीण परेशान

निवाई, (निसं)। बरोनी गांव में बंदरों के आतंक से ग्रामीण परेशान हैं गांव की ममता बैरवा के साथ बंदरों ने जान लेवा हमला किया और अंकिता बैरवा को मकान के ऊपर से बंदरों ने गिरा दिया जिससे उसका पैर तीन जगह से फेक्चर हो गया। लोगों में बंदरों के आतंक से खतरा बना हुआ है और ग्रामीण भयभीत हैं। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को और सांसद को भी बंदरों की शिकायत के लिए ज्ञापन दिया था परन्तु बंदरों के लिए प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की है। बंदरों की तुरन्त कार्रवाई करें ताकि लोगों को पागल बंदरों से सुरक्षा मिल सके कलेक्टर को ज्ञापन देने वाले ग्रामीण नेनपाल मेमर, आशा पोसवाल, राजेंद्र चेची, राम अवतार, शिवराज गुर्जर आदि मौजूद थे।

अधिवक्ता दीर्घा भवन का उद्घाटन

पावटा, (निसं)। विधायक इंद्राज गुर्जर द्वारा विधायक कोष से पावटा न्यायालय परिसर में लाखों की लागत से नवनिर्मित अधिवक्ता दीर्घा का विधायक इंद्राज गुर्जर के मुख्य आतिथ्य व उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह की अध्यक्षता एवं पावटा तहसील बार एसोसिएश अध्यक्ष अशोक सिंह गुर्जर के विशिष्ट आतिथ्य एवं आयोजक उपाध्यक्ष मुकेश यादव, सचिव सुरेंद्र सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष लोकेश शर्मा, मीडिया प्रभारी विष्णु शर्मा पुस्तकालय अध्यक्ष दिनेश दायमा सहित सभी अधिवक्ताओं, डीड राइटर, स्टांप वेंडर कांग्रेसी कार्यकर्ता सहित ग्रामीणों की उपस्थिति में फीता काटकर उद्घाटन किया गया।

अदालत आज भी नागरिकों का हौसला कायम रखने वाली संस्था बनी हुई है। अधिवक्ता जब कार्यपालिका से थक जाता है तो न्यायालय ही उसका आसरा रह जाता है। उन्होंने न्यायिक कार्यप्रणाली की भूरी भूरी प्रशंसा की और कहा कि अदालतों के फैसलों ने भारतीय प्रजातंत्र में लोगों का भरोसा कायम रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। यह बात यहां पावटा तहसील परिसर में विधायक कोष से लाखों रूपये की लागत से निर्मित अधिवक्ता दीर्घा का उद्घाटन करते हुए उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह ने कहीं। विधायक इंद्राज गुर्जर की अनुशंसा पर उपखंड परिसर पावटा में वकीलों व अधि वक्ताओ का ध्यान रखते हुए अधिवक्ता दीर्घा का निर्माण किया गया है। इस दौरान पावटा तहसील बार एसोसिएश अध्यक्ष मुकेश स्वामी ने बताया कि न्यायालय परिसर में विशाल अधिवक्ता दीर्घा की बहुत कमी थी और पूर्व वाली दीर्घा छोटी थी।

राष्ट्रीय लोक अदालत का प्री काउंसलिंग कैंप आयोजित

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार मुकुल गहलोत अपर मुख्य महानगर क्रम संख्या 10, विनय कुमार सोलंकी महानगर न्यायाधीश न्यायालय क्रम संख्या 17, उपखण्ड अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण, तहसीलदार पूजा यादव और नायब तहसीलदार रामजी लाल मीणा गोविन्दगढ़ की उपस्थिति में राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन और मेगा विधिक चेतना शिविर के आयोजन को लेकर चौमू उपखण्ड कार्यालय में प्री काउंसलिंग कैंप आयोजित किया गया।

उपखण्ड अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि कैंप में स्थानीय प्रशासन एवं समस्त ब्लॉक स्तरीय विभागों के अधिकारीगण से समन्वय से लाभार्थियों को कैंप स्थल पर ही सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ एवं जानकारी दी गई। इसमें सामाजिक अधिकारिता विभाग से संबंधित पेंशन योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी गई, वन विभाग से विभिन्न पौधों का वितरण, नवजात शिशु एवं नव प्रसूता माताओं एवं गर्भवती स्त्री हेतु चिकित्सा विभाग द्वारा चलाई जा रही योजना का लाभ दिया गया। इस प्री काउंसलिंग कैंप में उपखण्ड के लोगों ने उत्साह पूर्वक उपस्थित होकर सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। कैंप में विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर के कर्मचारियों द्वारा राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं की जागरूकता बाबत प्रचार-प्रसार सामग्री भी वितरित की गई। मेगा कैंप में विनय कुमार सोलंकी महानगर मजिस्ट्रेट क्रम संख्या 17 द्वारा कैंप में उपस्थित जन समुदाय को अपने उद्बोधन में संबोधित कर राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के विधिक सेवा कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। तहसीलदार पूजा यादव द्वारा उपखण्ड में पालनहार अभियान एवं राजस्व विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी दी और उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी एवं आम जनता से अपील की कि आप संबल अभियान में पात्र व्यक्तियों को पेंशन एवं पालनहार योजना में जुड़वाना सुनिश्चित करें।

चौमू उपखण्ड कार्यालय में उपखण्ड अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण (बांए से दूसरे) की उपस्थिति में प्री काउंसलिंग कैंप आयोजित किया गया।

23 वाहन चालकों के चालान काटे

श्रीमाधोपुर, (निसं)। थाना इलाके में बढ रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर हेलमेट नहीं पहनने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

बस स्टैंड के पास पुलिस ने दो दिन में चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट के बाइक चलाने वाले 23 बाइक सवारों को रोककर कार्रवाई की और चालान काटे। थानाधिकारी प्रकाश सिंह राठौड़ ने बताया कि विभाग ने एक साल में सड़क दुर्घटनाओं में 20 से ज्यादा मौतों वाले थाना इलाकों में 15 फरवरी तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश जारी किए है।

नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ चालान की कार्रवाई भी की जा रही है।एक साल में हादसों के 54 केस दर्ज, 25 मौतें थानाधिकारी प्रकाश सिंह राठौड़ के अनुसार पिछले साल 2022 में सड़क दुर्घटनाओं के 54 मुकदमे पुलिस थाने में दर्ज हुए थे जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी व 41 लोग घायल हुए है। थानाधिकारी राठौड़ ने बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए आमजन से हेलमेट लगाकर ही बाइक चलाने की अपील की है।

महाविद्यालय में छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन

पावटा, (निसं)। चिमनपुरा के बाबा नारायण दास राजकीय कला महाविद्यालय में सोमवार को छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक इंद्राज गुर्जर, विशिष्ट अतिथि राज. विश्वविद्यालय पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व प्रदेश काग्रेस कमेटी सदस्य मनीष यादव, एनएसयूआई पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुमित भगासरा, राजस्थान विश्वविद्यालय पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष विनोद जाखड थे, जबकि अध्यक्षता बीएनडी प्राचार्य एस. डी यादव व छात्रसंघ अध्यक्ष अनिल कुमार बुनकर ने की। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम अतिथियों ने शिक्षा की देवी मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद छात्रसंघ कार्यालय का विधिवत रूप से उद्घाटन कर छात्रसंघ अध्यक्ष अनिल कुमार बुनकर को पद भार ग्रहण करवाया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि इस शिक्षा के युग में युवाओं को आगे बढने के लिए कडी मेहनत करनी चाहिए। क्षेत्र के युवा सेना में जाकर अपना दमखम दिखाते है, वही युवाओं ने प्रदेश में भी बडे अधिकारी के पद पर पहुंचने का काम किया है। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की छात्राओं की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। इस दौरान महाविद्यालय विकास समिति राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य दशरथ सिंह, विनोद भूतोली, सी पी सैनी, प्रहलाद सहाय यादव, मक्खनलाल यादव, रामसिंह यादव, भागीरथ मल टाटला, मनोज यादव, के के सैनी, सी एम सैनी, शिवराम गुर्जर, मुकेश देव गुर्जर, मुकेश कुडानिया सहित बडी संया में जनप्रतिनिधि छात्र-छात्रा व ग्रामीण मौजूद रहे।

बाबा नारायण दास राजकीय कला महाविद्यालय में विधायक इंद्राज गुर्जर (बीच में) ने छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन किया।

मेरे राज्यसभा सांसद बनने के बाद से 'उषा स्कूल ऑफ एथलेटिक्स' को निशाना बनाया जा रहा है। मुझ पर निजी हमले हो रहे हैं। कुछ गुंडों ने शुक्रवार रात एकेडमी में घुसकर गुंडागर्दी की। लड़कियां इससे डर गई हैं। - पी.टी. ऊषा

धावक पी. टी. उषा, शुक्रवार रात को कुछ लोगों के एकेडमी में घुसने कंस्ट्रक्शन वर्क करने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बेन स्टोक्स

स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने अगले साल भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में इंग्लैंड की खिताब की रक्षा के अभियान के लिए एकदिवसीय संन्यास से वापसी की संभावना को खारिज नहीं किया है। इंग्लैंड के 31 साल के टेस्ट कप्तान स्टोक्स ने जुलाई में काम के बोझ का हवाला देते हुए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी लेकिन इस फैसले के पांच महीन से भी कम समय बाद उन्होंने अपनी वापसी के दरवाजे खुले रखे हैं। वेबसाइट ने स्टोक्स के हवाले से कहा, "क्या पता उस समय विश्व कप को लेकर मैं क्या सोच रहा हूं।"

क्या आप जानते हैं ?... विश्वकप फुटबॉल इतिहास की पहली हैट्रिक अर्जेंटीना के खिलाड़ी गुलियो स्टेदिल ने मैक्सिको के खिलाफ की थी।

फुटबॉल में हुआ नस्लवाद : रियल मेड्रिड के खिलाड़ी विनिशियस जूनियर के साथ विपक्षी टीम के फैंस ने किया नस्लीय दुर्व्यवहार

नई दिल्ली, 6 फरवरी। रियल मैड्रिड और ब्राजील के फॉरवर्ड विनिशियस जूनियर नस्लीय दुर्व्यवहार का शिकार हुए। रविवार को स्पेन की लीग लालिगा में उन पर विपक्षी टीम मलोरका के फंस ने नस्लीय टिप्पणी की। स्ट्रीमिंग सर्विस ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया जिसमें फैंस विनिशियस को मोनो यानी बंदर कह कर पुकार रहे है। फैंस कह रहे है - ब्राजील का खिलाड़ी बंदर।

विनीसियस को कम से कम तीन मौकों पर फैंस से नस्लीय दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा है। पहली बार नवंबर 2021 में बार्सिलोना के खिलाफ, दूसरी बार सितंबर 2022 में एटलेटिको मैड्रिड और तीसरी बार दिसंबर 2022 के आखिर में वलाडोलिड के खिलाफ हुआ। तीनों ही मैच स्पाकिं में हुए और स्पेनिश टीम के खिलाफ हुए है।

विनीसियस ने लालिगा पर दिसंबर में मैचों में नस्लवादी फैंस के बारे में कुछ नहीं करने का आरोप लगाया था। इसके बाद रविवार को हुई घटना पर विनिशियस ने कहा - यह रंगभेद और जेनोफोबिक है, यानी विदेशियों के खिलाफ भेदभाव। यूरोप में एक ब्लैक ब्राजीलियाई के सफल होने की खुशी यहां बहुल लोगों को परेशान करती है। विनिशियस जूनियर 22 साल के विनिशियस 2018 में स्पेनिश क्लब रियल मेड्रिड से जुड़े थे। उन्होंने अपना करियर ब्राजील के क्लब फ्लेमिंगो से शुरू किया था। अब तक विनिशियस रियल मेड्रिड में 200 मगच खेल चुके है जिसमें उनके 49 गोल है।

भारत में टेस्ट सीरीज जीतना एशेज से बड़ा

स्टीव स्मिथ बोले- इंडिया को घर में हराना मुश्किल, वॉर्नर ने स्पिनर्स को माना चुनौती

नई दिल्ली, 6 फरवरी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 9 जनवरी को नागपुर में है। टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट ने टीम का वीडियो जारी किया। इसमें ऑस्ट्रेलिया के प्लेयर्स ने बताया की यह सीरीज उनके लिए कितनी अहम है। स्टीव स्मिथ बोले कि भारत को घर में हराना इंग्लैंड में एशेज जीतने से भी ज्यादा बड़ा है। वही, टीम के ओपनर डेविड वॉर्नर ने कहा- दुनिया के बेस्ट स्पिनर्स के सामने खेलना हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने कहा कि भारत में टेस्ट सीरीज खेलना हमारे लिए बहुत खास होगा। भारत की परिस्थितियां हमारे घर के मुकाबले बिल्कुल अलग होती है। यह सीरीज हमेशा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए बड़ी और महत्वपूर्ण होती है। भारतीय टीम भी अपने घर में बहुत मजबूत है। स्टार्क ने आगे कहा कि एक तरफ आपके पास पूरी एशेज का इतिहास है जहां आपने इंग्लैंड को उनके घर में हराया। वहीं, दूसरी ओर भारत के घर में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी। जहां आप एक ही बार जीत सके हैं। भारत 2004 से घर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक भी टेस्ट सीरीज नहीं हारा है। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2004 में 4 मैचों की सीरीज में भारत को 2-1 से हराया था। एक मैच ड्रॉ रहा था। इसके बाद से ऑस्ट्रेलियन टीम भारत में लगातार क्लीन स्वीप होने लगी। यहां तक कि 2004 के बाद उन्हें भारत में एकमात्र जीत भी 2017 में मिली, लेकिन तब भी उन्हें 2-1 से सीरीज हार झेलनी पड़ी थी।

कोहली के पास सचिन तेंदुलकर के महा रिकॉर्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका

नई दिल्ली, 6 फरवरी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 9 फरवरी से चार मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होगा। दोनों देशों के बीच सीरीज का पहला टैस्ट नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के लिए आगामी सीरीज महत्वपूर्ण रहने वाली है और उनके पास महान सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ने का शानदार मौका है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत 1996 में हुई और तब से दोनों देशों के बीच कुल 15 टेस्ट सीरीज खेली जा चुकी हैं। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक जमाने का रिकॉर्ड दर्ज है। तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 65 पारियों में 9 शतक जमाए हैं।

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 36 पारियों में सात शतक जमाए हैं। कोहली के पास आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ने का शानदार मौका होगा। विराट कोहली इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और फैंस को बेसब्री से इंतजार है कि आगामी सीरीज में कोहली इस महा रिकॉर्ड को तोड़ देंगे।

जिमी नीशम ने हवा में उड़ते हुए कैच पकड़ा

नई दिल्ली, 6 फरवरी। टी20 लीग तेजी से लोकप्रियता के चार्ट पर आगे चढ़ रहा है। दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों के चलते दक्षिण अफ्रीकी टी 20 लीग हर दिन नए-नए कारनामे का गवाह बन रहा है। गत दिवस लीग में खेले गए एक मैच में जिमी नीशम ने हवा में उड़ते हुए कमाल का कैच पकड़ा। इससे न सिर्फ दर्शक आवाक रह गए, बल्कि बल्लेबाजा मुंह ताकता रह गया। बता दें कि 20 लीग के 28वें मैच में डरबन सुपर जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 254 रन का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में उतरी प्रिटोरिया कैपिटल्स 13.5 ओवर में सिर्फ 103 रन पर ऑलआउट हो गई। डरबन सुपर जायंट्स ने यह मैच 151 रन से जीता। साथ ही उसे बोनस प्वाइंट्स भी मिले। सुपर जायंट्स की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद जिंदा है।

अदिति ने करियर का चौथा एलईटी खिताब जीता

नैरोबी, 6 फरवरी। भारत की स्टार गोल्फर अदिति अशोक ने केन्या ओपन में रविवार को अपने करियर का चौथा लेडीज़ यूरोपीय टाइटल (एलईटी) जीत लिया। टोक्यो ओलंपिक में पदक के बेहद करीब आकर चूकने वाली अदिति ने अंतिम दो होल में दो बोगी खेलीं, लेकिन फिर भी वह नौ शॉट के साथ खिताब जीतने में सफल रहीं। सिर्फ 18 साल की उम्र में पहला एलईटी जीतने वाली अदिति ने दिन की शुरुआत छह शॉट की बढ़त के साथ की। उन्होंने सहजता के साथ खेलते हुए पहले होल पर बर्डी मारी। आठवें होल पर उन्होंने वह बढ़त खो दी, लेकिन 11वें होल पर अदिति पुनः बर्डी मारने में सफल रहीं। अदिति ने दिन का अंत होने से पहले 15वें और 17वें होल पर बोगी खेली, लेकिन यह उनकी जीत को प्रभावित नहीं कर सका। इसी बीच, भारत की शौकिया खिलाड़ी अवनि प्रशांत ने अंतिम दिन एक-अंडर 72 के स्कोर के साथ नौवां स्थान हासिल किया, जबकि अमनदीप द्राल (77) 55वें स्थान पर रहीं। अदिति का पहला एलईटी खिताब 2016 में आया था, जब उन्होंने हीरो महिला इंडियन ओपन जीता था। उसी वर्ष उन्होंने कतर लेडीज ओपन जीता, जबकि 2017 में वह अबू धाबी में फातिमा बिंत मुबारक लेडीज ओपन जीतकर अपना तीसरा खिताब हासिल करने में कामयाब रही थीं। अदिति महिला पेशेवर गोल्फ संघ (एलपीजीए) की प्रतियोगिताओं में पर खेलना शुरू कर चुकी हैं। यहां उन्होंने कई बार शीर्ष-10 में जगह बनायी है, हालांकि उन्हें अपनी पहली जीत का इंतजार है।

यिमान ने थाईलैंड मास्टर्स जीतकर चार साल का सूखा खत्म किया

बैंकॉक, 6 फरवरी। चीन की झांग यिमान ने थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को अपनी हमवतन हान यू को 2-1 से मात देकर महिला एकल का खिताब जीत लिया। विश्व नंबर 18 यिमान ने पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी की और 55 मिनट चले मुकाबले में हान यू को 15-21, 21-13, 21-18 से मात दी। यह 2019 के बाद से यिमान का पहला खिताब है, जबकि उन्होंने अपना पिछला टूर्नामेंट चार साल पहले वियतनाम ओपन सुपर 100 के रूप में जीता था। इसी बीच, चीनी ताइपे के विश्व नंबर 35 लिन चुन्यी ने पुरुष एकल के फाइनल में हांगकांग के एंगस एनजी का लॉन्ग को 21-17, 21-14 से मात दी। पुरुष युगल के फाइनल में इंडोनेशिया के लियो रॉली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन ने ताइपे के सु चिंगेंग और ये होंग वी को 21-16, 21-17 से हराकर बाज़ी मारी। मिश्रित युगल प्रतियोगिता का खिताब ओलंपिक चैंपियन और विश्व नंबर तीन वांग यी ल्यू-हुआंग डोंगपिंग की चीनी जोड़ी को गया। इस जोड़ी ने फाइनल में कोरिया के सियो सियुंग जाए-चाए यू जुंग को 18-21, 21-15, 21-12 से मात दी।

राजस्थान को पहली बार मिले सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग सीजन 9 के 8 मैचों की मेजबानी

जयपुर, 6 फरवरी। सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग (सीसीएल) आईपीएल की तरह बनाई गयी है जिसमें परदे के सितारे क्रिकेट के मैदान में खेलते हुए नजर आयेंगे। सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग के नौवें सीजन की शुरुआत 18 फरवरी को होगी। राजस्थान में पहली बार 25-26 फरवरी को जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में 4 मैच होंगे। लीग की आठ टीम हैं जो आपस में राजस्थान में यह मैच खेलेंगी। राजस्थान में फिल्मी सितारों का ये पहला भव्य एवं अनूठा आयोजन होगा। इस लीग में 19 मैच खेले जायेंगे जो मुंबई हीरोज, पंजाब द शेर, केरेला स्ट्राइक्र्स, बंगाल टाइगर्स, चेन्नई राहिनोस, भोजपुरी दबग्स, कर्नाटक बुलडोजर्स एवं तेलगु वॉरियर्स के फिल्मी सितारों के बीच होंगे। राजस्थान में पहली बार इस सीजन के 9 मे से 8 मैचों की मेजबानी मिली है।

रवि शास्त्री की बड़ी भविष्यवाणी

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया : 2-0 के अंतर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतेगी

नई दिल्ली , 6 फरवरी। टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। शास्त्री ने सीरीज विजेता के लिए अपनी पसंदीदा टीम का खुलासा किया और बताया कि यह टीम 2-0 के अंतर से सीरीज अपने नाम करेगी।

नई दिल्ली। दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों भारत-ऑस्ट्रेलयिा के बीच 9 फरवरी से चार मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होगा। इस टेस्ट सीरीज का फैंस को बेसब्री से इंतजार है क्योंकि दोनों टीमों के बीच हमेशा कड़ी टक्कर वाले मुकाबले खेले जाते है। इस सीरीज को लेकर कई क्रिकेट पंडित अपनी राय देते हुए नजर आ चुके हैं।

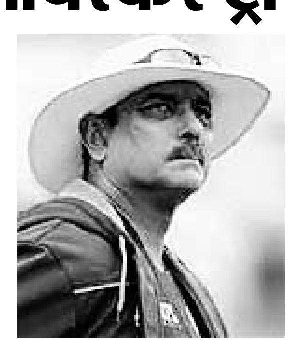

भारतीय टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने भी आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भविष्यवाणी कर डाली है। शास्त्री ने कहा कि भारतीय टीम ने घरेलू सीरीज के लिए अपने सभी क्षेत्र कवर किए हैं और वो पहले ही मुकाबले से मेहमान टीम पर हावी होगी। शास्त्री ने प्रसारणकर्ता चैनल से बातचीत में कहा, जहां तक सीरीज के नतीजे की बात है तो मेरे ख्याल से भारतीय टीम यह सीरीज 2-0 से अपने नाम करेगी।

पूर्व भारतीय हेड कोच ने कहा, आप घर में खेल रहे हैं। आपके पास उस हिसाब से गेंदबाज हैं। आपके पास बढ़यि बल्लेबाजी क्रम है। मेरे ख्याल से आप पहले ही टेस्ट से विरोधी टीम पर दबाव बना सकते हैं। याद दिला दें कि रवि शास्त्री के कार्यकाल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में दो बार टेस्ट सीरीज में पटखनी दी है। सबसे पहले भारत ने 2018/19 में ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराया।

सुदेवा ने राउंडग्लास से रोमांचक ड्रॉ खेला

नयी दिल्ली, 6 फरवरी। सुदेवा दिल्ली एफसी ने इंजरी टाइम में सुजीत साधु के गोल की बदौलत रविवार को हीरो आईलीग 2022-23 के रोमांचक मुकाबले में राउंडग्लास पंजाब एफसी को 1-1 के ड्रॉ पर रोक लिया। छत्रसाल स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में लुका मायकेन ने 79वें मिनट में राउंडग्लास के लिये गोल किया। राउंडग्लास इस गोल के दम पर जीत की ओर अठासर था, लेकिन सुदेवा को आखिरी क्षणों में एक कॉर्नर प्राप्त हुआ। साधु ने इस कॉर्नर पर किरन कुमार लिंबु को छकाते हुए गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया।

सविता ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय मैचों से आत्मविश्वास मिला

नयी दिल्ली, 6 फरवरी। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने दक्षिण अफ्रीका दौरे से लौटने के बाद सोमवार को कहा कि हालिया अंतरराष्ट्रीय मैचों ने उनकी टीम को रोमांचक मुकाबलों में आत्मविश्वास और आक्रामकता के साथ खेलने के लिये सक्षम बनाया है।

सविता ने कहा, यह साल हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम एशियाई खेल जीतकर सीधा पेरिस ओलंपिक में पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। पिछली बार हम स्वर्ण जीतने के बहुत करीब आकर जापान से सिर्फ एक गोल से हार गये थे। इस साल हम काफी सकारात्मक हैं। खासकर इसलिये क्योंकि हमें पिछले कुछ सालों में काफी अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिला है और हम काफी ज्यादा आत्मविश्वास और आक्रामकता से खेल सकते हैं।

सविता की टीम को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैचों में 5-1, 7-0 और 4-0 से जीत मिली, जबकि चौथा मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। विश्व नंबर एक नीदरलैंड के विरुद्ध हालांकि भारतीय टीम को तीनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा। सविता ने कहा, हमने साल की शुरुआत सकारात्मक रूप से की है। हमने दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध तीन जीत और एक ड्रॉ के बाद नीदरलैंड के सामने भी अच्छा खेल दिखाया। इस दौरे ने हमें एक टीम के रूप में एक दूसरे के साथ बेहतर तालमेल बैठाने में भी मदद की। हमने केप टाउन का भ्रमण किया। वह एक खूबसूरत शहर है और टीम ने इसका आनंद लिया।

भारतीय टीम अब बेंगलुरु के राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण (साई) में 12 फरवरी को शुरू होने वाले राष्ट्रीय शिविर में शामिल होगी। सविता की टीम छह सप्ताह के शिविर में अपनी क्षमताओं और अनुकूलन पर ध्यान देगी। इसके अलावा खिलाड़ी केप टाउन में अपने प्रदर्शन की समीक्षा करने के बाद हॉकी के तकनीकी पहलुओं को भी सुधारने का प्रयास करेंगे।

सविता ने कहा, मुख्य कोच जैनेक शॉपमैन एक बार फिर केप टाउन में हमारे प्रदर्शन की समीक्षा करेंगी और हम अपनी कमियों का जायज़ा लेने के लिये व्यक्तिगत एवं टीम बैठक में शामिल होंगे। मुझे लगता है कि एशियाई खेलों से पहले अगले छह महीने बहुत रोमांचक होने वाले हैं। हर खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देकर एशियाई खेलों की टीम में जगह बनाना चाहता है।

अवसरों को गोल में बदले की जरूरत : कोच रांकी

ढाका, 6 फरवरी। भारतीय महिला अंडर-20 फुटबॉल टीम की कोच मेमोल रॉकी ने सैफ अंडर-20 महिला चैंपियनशिप में बंगलादेश के साथ गोलरहित ड्रॉ खेलने के बाद सोमवार को स्वीकार किया कि खिलाड़ी मौकों को गोल में नहीं बदल पा रहे हैं।

भूटान को 12-0 से रौंदने के बाद भारतीय टीम बंगलादेश के सामने एक भी गोल नहीं कर सकी। भारत को फाइनल में पहुंचने के लिये मंगलवार को नेपाल का सामना करना है और कोच रॉकी को उम्मीद है कि खिलाड़ी पिछले मैच की गलतियों को सुधार सकेंगे।

रॉकी ने कहा, हमें कल के मैच में गोल करना ही होगा, और फाइनल में जगह बनानी होगी। फुटबॉल का खेल गोल करने पर ही आधारित है। लड़कियों को मौके बनाते देखना अच्छा लगता है, लेकिन सबसे जरूरी यह है कि वह उन मौकों पर गोल कर सकें। हमें कहीं न कहीं इसे सुधारने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, हम नेपाल को हल्के में नहीं ले रहे हैं। वह एक अच्छी टीम हैं। हमने उन्हें भूटान और बंगलादेश के खिलाफ खेलते हुए देखा है। यह हमारे लिये आसान नहीं होगा और हमें अपनी पूरी ताकत लगानी होगी।

कोच रॉकी ने कहा कि उनकी टीम ड्रॉ के बावजूद हतोत्साहित नहीं है और नेपाल पर जीत दर्ज करके फाइनल में जगह बनाने के लिये तैयार है। दोनो टीमें जब सैफ अंडर-18 महिला चैंपियनशिप 2022 में आमने-सामने आयी थीं तब भारत ने नेपाल को 5-1 से शिकस्त दी थी। रॉकी ने कहा, जब भी कोई टीम सैफ चैंपियनशिप में भारत का सामना करती है।

एटीके मोहन बागान पर बेंगलुरू एफसी की पहली जीत

कोलकाता, 6 फरवरी। बेंगलुरू एफसी ने रविवार को हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में एटीके मोहन बागान के खिलाफ पहली बार जीत का स्वाद चख लिया। बेंगलुरु ने कोलकाता के विवेकानंद युबा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए हीरो आईएसएल 2022-23 मुकाबले में मेजबान एटीके मोहन बागान को 2-1 से मात दी। बेंगलुरू की लगातार पांचवीं जीत में स्पेन के आक्रामक मिडफील्डर हावी हर्नांडेज (78वें) और भारतीय मूल के फीजियन स्ट्राइकर रॉय कृष्णा (90 1वें मिनट में) ने गोल दागे। मोहन बागान का सांत्वना गोल ऑस्ट्रेलियाई स्ट्राइकर दिमित्री पेट्राटोस ने 90 3वें मिनट में जमाया। बेंगलुरु लगातार पांचवीं जीत के साथ आईएसएल तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गया। बेंगलुरू एफसी के 17 मैचों में आठ जीत, एक ड्रा और आठ हार के साथ 25 अंक हैं।

तेजस्विन शंकर ने न्यू बैलेंस इंडोर ग्रां प्री खिताब जीता

बॉस्टन (अमेरिका), 6 फरवरी। हाई जम्पर तेजस्विन शंकर ने इस सीजन की दूसरी विश्व एथलेटिक्स इंडोर टूर गोल्ड मीटिंग में 2.26 मीटर की छलांग के साथ न्यू बैलेंस इंडोर ठां प्री जीत लिया है। राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता तेजस्विन ने शनिवार रात अपने पहले प्रयास में बेमिसाल प्रदर्शन करते हुए 2.14 मीटर, 2.19 मीटर, 2.23 मीटर और 2.26 मीटर की दूरी तय की। उन्होंने अपने निजी सर्वश्रेष्ठ 2.30 मीटर तक पहुंचने के भी तीन प्रयास किये, हालांकि इस बार वह सफल नहीं हो सके। तेजस्विन ने बहामास के डोनाल्ड थॉमस (2.23 मीटर) को हराकर यह खिताब जीता, जबकि अमेरिका के डेरिल सुलिवन (2.19 मीटर) ने तीसरा स्थान हासिल किया। तेजस्विन कान्सास सिटी विश्वविद्यालय से पदार्पण करने के बाद अपने पहले आयोजन में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने पिछले साल कान्सास राज्य के लिये अपना दूसरा एनसीएए खिताब जीता था।

वर्ल्ड कप देखा तो खुद को वहीं महसूस किया : जडेजा

नई दिल्ली, 6 फरवरी। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भारतीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 फरवरी से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा होंगे। टेस्ट मैच से पहले ने रवींद्र जडेजा के इंटरव्यू का वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने अपने सर्जरी के बाद हुए रिहैब एक्सपीरिएंस को शेयर किया।

उन्होंने कहा, 5 महीने बाद वापसी करके बहुत खुश हूं। सर्जरी के बाद रिहैब में फिजियो ने छुट्टी के दिन भी मुझ पर मेहनत की। रवींद्र जडेजा ने आखिरी बार अगस्त 2022 में एशिया कप के दौरान भारत के लिए क्रिकेट मैच खेला था। एशिया कप में ही उन्हें घुटने में चोट लगी थी। इसके बाद उन्होंने घुटने की सर्जरी करवाई। जडेजा ने कहा, पांच महीने क्रिकेट से दूर रहना बहुत मुश्किल था। आराम के दौरान आप चिढ़ने लगते हो। चोट से मैं परेशान था और सर्जरी करवानी ही थी।

मैंने सोचा की वर्ल्ड कप से पहले सर्जरी करवाना चाहिए या बाद में। डॉक्टर की सलाह पर मैंने वर्ल्ड कप से पहले सर्जरी करवाई, क्योंकि सर्जरी के बिना भी वर्ल्ड कप खेलना मुश्किल था। जडेजा ने कहा, रिकवरी का समय बहुत मुश्किल होता है। इस दौरान लगातार यही सवाल आता है कि आप कब फिट होंगे। घर से जब टी-20 वर्ल्ड कप देखा

तो मुझे लगा कि मैं भी वहीं हूं। ये चीजें आपको मोटिवेट करती हैं। आप अच्छे से ट्रेनिंग और रिहैब करते हैं।

जडेजा बोले, फिजियो और ट्रेनर्स ने में मुझ पर बहुत मेहनत की। संडे को ऑफ रहने पर भी फिजियो मेरे लिए आते थे और मदद करते थे। मैं दो-तीन हफ्ते बेंगलुरु में रहता था और फिर माइंड फ्रेश करने के लिए घर जाता था। ज्यादातर टाइम ट्रेनिंग में ही बितता था, जिससे कि मैं जल्दी ठीक हो जाऊं।

वह बोले, में भी ट्रेनर्स बहुत मोटिवेट करते थे। जब मैं कहता था कि मुझे बहुत दर्द हो रहा है। तब वो बोलते थे कि आपको मेहनत देश के लिए करना है न कि खुद के लिए। इससे मनोबल बढ़ा। इस दौरान परिवार और दोस्त मेरे साथ थे। इंजरी से पूरी तरह रिकवर होने के बाद 34 साल के जडेजा ने 24 जनवरी को सौराष्ट्र के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेला। जडेजा ने बताया, चोट से रिकवरी के बाद रणजी मैच के पहले दिन मुझे अजीब सा लगा।

बीसीसीआई के चीफ पिच क्यूरेटर पहुंचे धर्मशाला : क्रिकेट स्टेडियम की आउट फील्ड देखी, भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 1 मार्च से टेस्ट मैच

धर्मशाला, 6 फरवरी।। भारत और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीमों के बीच हिमाचल के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में एक मार्च से 5 मार्च के बीच खेले जाने वाले टेस्ट मैच को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इस टेस्ट मैच से पहले स्टेडियम में बनाई जा रही नई आउटफील्ड का जायजा लेने के लिए के चीफ पिच क्यूरेटर आशीष भौमिक पहुंचे।

करीब एक घंटे तक मैदान का निरीक्षण करने के बाद आशीष भौमिक मुंबई लौट गए। अब मुंबई में ऑफिशियल्स को धर्मशाला स्टेडियम से जुड़ी रिपोर्ट सबमिट करेंगे। भारत और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीमों के बीच 4 टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरिज 9 फरवरी से शुरू होगी। इसी सीरिज का तीसरा टेस्ट मैच 1 मार्च से 5 मार्च के बीच धर्मशाला में खेला जाना है।

के चीफ पिच क्यूरेटर के अलावा टेस्ट मैच की लाइव कवरेज करने वाली ब्रॉडकास्टर टीम ने भी स्टेडियम का दौरा किया और कैमरे लगाने वाले पॉइंट्स का जायजा लिया। इस दौरान मेंबर ऑफ ब्रॉडकास्ट कमेटी के सदस्य मौजूद रहे। यह टेस्ट मैच स्टेडियम की नई आउटफील्ड पर खेला जाएगा। इसमें एडवांस तकनीक का सब एयर सिस्टम लगाया गया है। बारिश होने की सूरत में महज 15 से 20 मिनट के अंदर मैदान को सुखाकर खेल के लिए तैयार किया जा सकेगा।

स्टेडियम के सभी स्टैंड में लगी कुर्सियों की रिपेयर भी की जा रही है। धर्मशाला स्टेडियम में यूं तो 9 पिच हैं लेकिन मैदान के बीचोंबीच की पांच पिच इंटरनेशनल मैचों के हिसाब से तैयार कर ली गई हैं। इन पांचों पिच में विकेट कैमरा लगाने की व्यवस्था भी हो चुकी है।आउटफील्ड तैयार कर रही कंपनी 15 फरवरी तक अपना काम पूरा करके यह ठाउंड हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन को हैंडओवर कर देगी। उसके बाद के पिच क्यूरेटर सुनील चौहान पिचों का काम शुरू करेंगे। धर्मशाला स्टेडियम में नई आउटफील्ड के लिए बिछाई गई रेत में मिट्टी न मिल पाए, इसलिए यहां जियो सिंथेटिक शीट इस्तेमाल की गई है। यह शीट मैदान के अंदर रेत और मिट्टी के बीच दीवार का काम करेगी। इससे मैदान में बिछाई गई रेत की लाइफ बढ़ जाएगी। आसान शब्दों में कहें तो सिविल इंजीनियरिंग वाले बड़े प्रोजेक्ट्स में जो मजबूत सिंथेटिक कपड़ा इस्तेमाल किया जाता है, उसे ही जियो सिंथेटिक शीट कहते हैं। यह कपड़ा ही ढीली मिट्टी को मजबूती देता है और कटाव को रोकने के साथ-साथ लॉन की सेटिंग में उपयोगी होता है।

दुनिया के सबसे खूबसूरत मैदानों में शामिल धर्मशाला स्टेडियम की नई आउटफील्ड सैंड बेस्ड घास से ढंकी गई है जो खिलाड़ियों को चोटिल होने से बचाएगी। स्टेडियम के अंदर एक प्रैक्टिस ठाउंड, इंडोर क्रिकेट एकेडमी और इंडोर स्टेडियम के अलावा अत्याधुनिक जिम भी है।

सोमवार तड़के चार देश, तुर्की, सीरिया, लेबनान और इजराइल भूकंप से दहल उठे। भूकम्प का केन्द्र तुर्की में था। यहां 12 घंटे में भूकम्प के तीन बड़े व करीब 37 आफ्टर शॉक्स महसूस किये गये। भूकम्प ने तुर्की और सीरिया में भारी तबाही मचाई है। यहां 2200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है तथा 7000 हजार से ज्यादा लोग गम्भीर रूप से घायल हुये हैं। खबरों के मुताबिक, हजारों लोग अभी भी मलबे के नीचे दबे हुये हैं। जानमाल को नुकसान इतना अधिक हुआ है कि, बहुत बड़े पैमाने पर रैस्क्यू ऑपरेशन चलाये जाने के बावजूद सारी व्यवस्थायें और इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं। भूकम्प का एपिसैंटर तुर्की का गाजियांटेप शहर था। यह सीरिया बॉर्डर से 90 किमी. दूर है।

चार देशों में भूकम्प से हाहाकार, 2200 से ज्यादा लोगों की मौत

तुर्की, सीरिया लेबनान और साइप्रस में 7000 से ज्यादा लोग गम्भीर रूप से घायल हुये, 3 हजार से ज्यादा घर व मकान पूरी तरह से तबाह हुये

- **भूकम्प का केन्द्र तुर्की में था यहां तड़के 4:17 बजे भूकम्प के दो तेज झटके महसूस हुये जिनकी तीव्रता 7.6 व 7.8 थी।**
- **बी.बी.सी. के मुताबिक तुर्की में एक के बाद एक भूकम्प के 40 झटके महसूस किये गये।**
- **इज़राइल और फिलीस्तीन में भी भूकंप के कारण जानमान को भारी नुकसान पहुँचा है।**

इस्तांबुल/दमिश्क, 6 फरवरी (वार्ता)। तुर्की के दक्षिण में सीरियाई सीमा के पास सोमवार तड़के भूकम्प के जोरदार झटकों से केवल आसपास के पांच देशों में तबाही मच गयी और 2200 लोगों की जान चली गयी। भूकम्प के कारण मकानों भवनों आदि के ढहने से 7000 से अधिक लोग घायल हो गये।

भारत और अमेरिका के अलावा युद्धग्रस्त रूस एवं यूक्रेन समेत कई देशों ने भूकम्प प्रभावित देशों की मदद की पेशकश की है। स्थानीय समाचार एजेंसी के मुताबिक तुर्की में 40 से ज्यादा झटके महसूस किये गये। स्थानीय समयानुसार तड़के 4:17 बजे भूकम्प का एक शक्तिशाली झटके महसूस किये गये। पहले झटकों के कुछ मिनट बाद फिर शक्तिशाली झटके महसूस किया गया जिसमें तुर्की और सीरिया में भारी तबाही मचाई है। अब तक 2200 से अधिक लोगों के मरने की खबर है, जबकि 7000 से अधिक अन्य घायल हैं।

बी.बी.सी. ने तुर्की आपदा प्रबंधन एजेंसी के हवाले से कहा है कि पूरे इलाके में एक के बाद एक 40 से अधिक झटके महसूस किए गए हैं। तुर्की समेत लेबनान, सीरिया, साइप्रस, इराक, इजरायल और फ़लस्तीन में भी भूकम्प के झटके महसूस किए गए हैं, जहां बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है।

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप अर्दोगन ने कहा है कि भूकम्प से अकेले तुर्की में 912 लोगों की मौत हो गई है और 6,000 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। देश में आपातकाल लागू कर दिया है। वहां तेज़ी से राहत और बचाव कार्य किये जा रहे हैं।अधिकारियों के अनुसार सीरिया में भी भूकम्प के कारण भीषण तबाही की ख़बर है। वहां अब तक करीब 1300 लोगों की मौत की ख़बर है।

उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्य अभी जारी हैं और हताहतों की सही संख्या की जानकारी जुटाई जा रही है। तुर्की में सोमवार तड़के एक के बाद भूकम्प के दो शक्तिशाली झटके महसूस किए गए। बी.बी.सी. ने बताया है कि भूकम्प प्रभावित इलाकों में इमारतों को भारी नुक़सान पहुंचा है।

तुर्की में तेज़ी से बचाव कार्य किये जा रहे हैं, लेकिन अधिकारी आशंका जता रहे हैं कि अभी भी कई लोग मलबे में दबे हो सकते हैं। तुर्की में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकम्प आने से हाहाकार मच गया। भूकम्प का प्रभाव इतना तेज था कि इसका असर सीरिया, लेबनान और इजरायल में भी महसूस किया गया। तुर्की में सबसे प्रभावित शहरों में राजधानी अंकारा और नूरदगी समेत 10 शहर रहे। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकम्प का केंद्र गाजियांटेप से लगभग 33 किलोमीटर (20 मील) और नूरदगी शहर से लगभग 26 किलोमीटर दूर था। यह 18 किलोमीटर (11 मील) की गहराई पर केंद्रित था। डेनिश भूवैज्ञानिक संस्थान का कहना है कि तुर्की में भूकम्प के झटके ग्रीनलैंड तक महसूस किए गए हैं। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगन ने ट्विटर पर कहा कि भूकम्प से प्रभावित क्षेत्रों में खोज और बचाव दलों को तुरंत भेजा गया। हमें उम्मीद है कि हम इस आपदा को एक साथ जल्द से जल्द और कम से कम नुकसान के साथ पार कर लेंगे। तुर्की में दोबारा भूकम्प के तेज झटके महसूस किए गए। इस बार रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 7.5 मापी गई।

भूकम्प के झटके भारतीय समयानुसार तड़के तीन बजकर 54 मिनट पर महसूस किए गए। इसका केंद्र अंकारा से 427 किलोमीटर दूर जमीन से 10 किमी. अंदर था। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, यह निर्णय लिया गया कि राहत सामग्री के साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एन.डी.आर.एफ.) और चिकित्सा दलों को तुर्की गणराज्य की सरकार के समन्वय से तुरंत तुर्की भेजा जाएगा। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एन.डी.आर.एफ. की दो टीमें, विशेष रूप से प्रशिक्षित श्वान दस्ते और आवश्यक उपकरण भूकम्प प्रभावित क्षेत्र में उड़ान भरने के लिए तैयार हैं।

'केन्द्र सरकार कश्मीर को अफगानिस्तान बनाना चाहती है'

पूर्व मु.मंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा, आर्टिकल 370 को खत्म करके सरकार ने कश्मीर की पहचान को ही खत्म कर दिया है

- **पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि, जम्मू कश्मीर में जो हो रहा है वो एक्सट्रीम है। अमेरिका ने अफगानिस्तान में बॉम्बिंग की और एक बार मे उड़ा दिया। मेरे हिसाब से किसी राज्य में इतने बुलडोज़र नहीं गए होंगे जितने जम्मू-कश्मीर में चल रहे हैं।**
- **मुफ्ती ने कहा, आप कश्मीर जाओगे तो वहां अफगानिस्तान जैसा पाओगे क्योंकि वहां बुलडोजर चल रहा है।**

श्रीनगर, 6 फरवरी। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पी.डी.पी. प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू कश्मीर को देश का ताज कहा जाता था लेकिन आज ये मुश्किलों से गुजर रहा है। इनकी हेट पॉलिटिक्स की शुरुआत जम्मू कश्मीर से होती है।

इस समय जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद कश्मीर अफगानिस्तान जैसा लगेगा क्योंकि वहां बुलडोज़र है। मुफ्ती ने कहा कि 370 खत्म करने के बाद हमारी पहचान खत्म हुई है।

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू कश्मीर में जो हो रहा है वो एक्सट्रीम है। अमेरिका ने अफगानिस्तान में बॉम्बिंग की और एक बार मे उड़ा दिया। मेरे हिसाब से किसी स्टेट में इतने बुलडोज़र नहीं गए होंगे जितने जम्मू-कश्मीर में चल रहे हैं। कश्मीर में अपने ही लोगों को निकाला जा रहा है। ये जम्मू कश्मीर को अफगानिस्तान बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य मंदिर को इंक्रोचमेंट में सरकार दिखा रही है। पहले हिन्दू-मुस्लिम किया, फिर पहाड़ी-गुर्जर और अब अमीर-गरीब की लड़ाई करा रहे हैं।

जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू कश्मीर के लोग परेशान हैं। उससे ज़्यादा विपक्ष के नेता को गुजारिश करना चाहती हूं कि आप खामोशी से तमाशा मत देखिए। लोग ई.डी. और एन.आई.ए. का जुल्म सह रहे हैं, आज लोग चिल्ला रहे हैं, चीख रहे हैं।

बदमाशों, ठगों को 45 हजार हेक्टेयर जमीन दी जा रही है जबकि अतिक्रमण विरोधी अभियान के नाम पर कश्मीर के लोगों को उनकी जमीन से बेदखल किया जा रहा है।

पी.डी.पी. प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि बीजेपी ने देश के संविधान को ध्वस्त करने के लिए अपने क्रूर बहुमत को हथियार बना लिया, उन्होंने असहमति और न्यायपालिका की आवाज को कुचलने के लिए मीडिया को भी हथियार बना लिया है। पहले हम सोचते थे कि इजरायल फिलिस्तीन के साथ जो करता है, बीजेपी ने उससे सीख ली है, लेकिन अब उन्होंने इसे पीछे छोड़ दिया है, वे जम्मू-कश्मीर को अफगानिस्तान जैसा बनाना चाहते हैं।

मुफ्ती ने कहा कि कश्मीर जाओगे तो अफगानिस्तान जैसा पाओगे क्योंकि वहां बुलडोजर चल रहा है।

अमेरिका में म्यूजिक कार्यक्रम में गोलीबारी, पांच लोगों को गोली लगी

वाशिंगटन, 6 फरवरी (वार्ता)। अमेरिकी राज्य अर्कांसस में एक संगीत कार्यक्रम के दौरान हुई गोलीबारी में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गये। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी।

के.ए.आर.के.-टीवी के अनुसार अंकासर्स के न्यूपोर्ट के एक स्कूल में

- **इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गये।**

शनिवार रात अमेरिकी रैपर फ्रेडो बैंग का संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया था और स्थानीय समयानुसार रविवार तड़के लगभग 2.30 बजे कार्यक्रम स्थल पर गोलीबारी होने की जानकारी मिली।अंकार्सस स्थित टेलीविजन स्टेशन 'के.ए.आर.के.-टीवी' ने न्यूपोर्ट पुलिस विभाग के हवाले से बताया कि गोलीबारी में 19 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में से एक को बेहतर इलाज के लिए विमान से बड़े अस्पताल ले जाया गया है।

'पाक में एक्टिव रॉ एजेंट को सेवा परिलाभ क्यों नहीं?'

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने केन्द्रीय गृह मंत्रालय, कैबिनेट सचिव और राज्य के मुख्य सचिव से जवाब मांगा।**

जयपुर, 6 फरवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पाकिस्तान में जासूसी के लिए पकड़े गए रॉ एजेंट को रिहाई के बाद पेंशन और अन्य सेवा परिलाभ नहीं देने पर कैबिनेट सचिव, गृह मंत्रालय और राज्य के मुख्य सचिव से जवाब मांगा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश कुतुबुद्दीन खिलजी की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता हनुमान चौधरी और अधिवक्ता तरुण चौधरी ने बताया कि याचिकाकर्ता वर्ष 1971 में रिसर्च एंड एनालिसिस विंग में कॉंस्टेबल नियुक्त हुआ था। उसे पाकिस्तान में जासूसी करने भेजा गया था। इस दौरान वर्ष 1973 में पाकिस्तान पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों देशों के बीच हुए शिमला समझौते के तहत वर्ष 1978 में वह रिहा हुआ। भारत लौटने पर उसे जालंधर जेल में रखा गया। याचिकाकर्ता की पत्नी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और राष्ट्रपति को गुहार की, फिर उसे जालंधर जेल से रिहा किया गया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने अपने सेवा परिलाभ व पेंशन के लिए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्रालय सहित अन्य संबंधित अधिकारियों व राज्य सरकार को कई बार लिखित प्रार्थना पत्र पेश किए, लेकिन उसे आज तक सेवा परिलाभ का भुगतान नहीं किया गया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता अब 75 साल का हो चुका है।

ऐसे में उसे समस्त सेवा परिलाभ, पेंशन और एक मुश्त राशि दी जाए, ताकि वह अपना जीवन यापन कर सके। इसके अलावा उसके बेटे को अनुकंपा नियुक्ति भी दी जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

'शिवाजी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें कहा गया था कि हिन्दू और मुसलमान ईश्वर की संतान है तथा उनमें से किसी एक के प्रति नृशंसता गलत है। बादशाह का काम सबका सम्मान करने का है, और यह नहीं रोका जाता है तो वे अपनी तलवार को काम में लेंगे।"

संत-शिरोमणि रविदास की 647वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में बोलते हुए, आर.एस.एस. प्रमुख ने कहा, "रविदास की महत्ता एवं प्रतिष्ठा तुलसीदास, कबीर और सूरदास की तुलना में कहीं बहुत ज्यादा एवं ऊँची है।" भागवत ने कहा, "यद्यपि संत रविदास शास्त्रार्थ में ब्राह्मणों से नहीं जीत सके थे, फिर भी वे लोगों के हृदयों तक पहुँचने तथा उनके मन में ईश्वर के प्रति विश्वास पैदा करने में सफल रहे थे।"

नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म, आरोपी को 20 साल की कैद

- **पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत, क्रम 2, महानगर प्रथम, ने नाबालिग का अपहरण कर उसे बंधक बनाकर 8 माह तक दुष्कर्म करने के आरोपी को 20 साल की सजा दी और 80,000 रू. जुर्माना लगाया।**

जयपुर, 6 फरवरी (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने नाबालिग का अपहरण कर उसे बंधक बनाकर आठ माह तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त शिवम उर्फ पप्पू यादव को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 22 वर्षीय इस अभियुक्त पर अस्सी हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि 29 अक्टूबर 2020 को पीड़िता की मां ने मानसरोवर थाने में पीड़िता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पीड़िता को जून, 2021 को कानपुर, यूपी स्थित अभियुक्त के घर से बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

अदालत में सुनवाई के दौरान पीड़िता ने बताया कि उसके पिता पतासी का ठेला लगाते हैं। अभियुक्त उसके घर में किराए पर रहता था और पिता के ठेले पर काम करता था। इसके बाद लॉकडाउन के चलते वह अपने गांव चला गया। घटना के दिन 29 अक्टूबर को अभियुक्त ने उसे किरण पथ, मानसरोवर बुलाया और खाने के लिए चॉकलेट दी, जिसे खाकर वह बेसुध हो गई। इसके बाद उसे भिवाडी में होश आया। यहां से अभियुक्त डरा धमकाकर उसे अपने घर कानपुर ले गया। जहां अभियुक्त उसे कमरे में बंद करके रखता था और आए दिन दुष्कर्म करता था। इस दौरान अभियुक्त ने उसके साथ जबरन शादी भी कर ली। वहीं एक दिन उसने अपनी मां से फोन पर बात की थी। जिसके कुछ दिनों बाद पुलिस ने आकर उसे अभियुक्त के चंगुल से छुड़ाया। दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसका और पीड़िता के पिता के बीच वेतन के भुगतान को लेकर विवाद हो गया था। अभियुक्त पीड़िता को जिस जगह लेकर गया था, वहां कई मकान बने हुए हैं। ऐसे में यदि अभियुक्त उसे जबरन लेकर जाता तो वह शोर मचाकर लोगों को इसकी जानकारी दे सकती थी। दोनों पक्षों को सुनकर अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाई।

कर्नाटक में एशिया की सबसे बड़ी हैलिकॉप्टर फैक्टरी स्थापित हुई

तुमकुरु, 6 फरवरी (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राफेल सौदे को लेकर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और उनकी पार्टी पर सोमवार को तीखा कटाक्ष करते हुए मंगलवार को कहा कि कर्नाटक में हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एच.ए.एल.) का नया हेलिकॉप्टर कारखाना कई पुराने झूठों और झूठे आरोपों की पोल खोल रही है। मोदी ने यहां इस विशाल कारखाने का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने तुमकुरु जिले के गुब्बी तालुक में एच.ए.एल. कारखाने के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए किसी का नाम लिए बगैर कहा, ...और मैं कुछ सालों पहले की चीजें आज याद कराना चाहता हूँ, मीडिया वालों का भी जरूर ध्यान जाएगा, यही एच.ए.एल. है जिसे बहाना बनाकर हमारी सरकार पर तरह-तरह के झूठे आरोप लगाए गए। यही एच.ए.एल. है जिसका नाम लेकर लोगों को भड़काने की साजिशें रचीं गईं।

हंगामे व खींचतान के कारण दिल्ली में मेयर का चुनाव तीसरी बार भी टला

- **भाजपा चाहती है कि, मनोनीत सदस्यों को भी वोट डालने की इजाजत मिले लेकिन आप पार्टी ऐसा होने नहीं देना चाहती।**
- **आप पार्टी का कहना है कि, नामित सदस्यों को मेयर के चुनाव में वोट डालने का अधिकार नहीं होता है, भाजपा गैरकानूनी व असंवैधानिक तरीके से जबरदस्ती वोट डलवाना चाहती है।**
- **आप पार्टी का आरोप है कि, भाजपा येन केन प्रकारेण सदन में बहुमत ना होने के बावजूद अपनी पार्टी का मेयर बनवाने पर तुली हुई है।**

नई दिल्ली, 6 फरवरी (वार्ता)। दिल्ली नगर निगम के लिए महापौर, उपमहापौर और स्थायी समिति के सदस्यों का चुनाव लगातार तीसरी बार टल गया और हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी।

दिल्ली नगर निगम में सोमवार को हंगामे की वजह से महापौर का चुनाव टालना पड़ा। फिलहाल, अगली तारीख तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी है। इससे पहले, दिल्ली नगर निगम के मेयर पद के लिए सोमवार को एक बार फिर से कवायद शुरू हुई। सदन की बैठक शुरू होते ही पीठासीन अधिकारी सत्या शर्मा ने ऐलान किया है कि महापौर, उपमहापौर और स्थायी समिति के सदस्यों के चुनाव एक साथ होंगे और इसमें नामित सदस्य भी मतदान में हिस्सा लेंगे। नामित सदस्यों के मतदान में हिस्सा लेने की घोषणा के बाद आम आदमी पार्टी ने हंगामा शुरू कर दिया। भाजपा और आप के सदस्यों की ओर से नारेबाज़ी के कारण सदन की कार्यवाही दस मिनट के लिए स्थगित की गयी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर भी हंगामा शुरू हो गया जिसके कारण सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

उल्लेखनीय है कि निगम के 250 वार्डों में हुए चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 15 साल से दिल्ली नगर निगम में काबिज भाजपा को हराकर 134 वार्डों में जीत दर्ज की थी।

अडानी प्रकरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार संसद में भी इस मामले में चर्चा कराने से भाग रही है। किसी को भी सीबीआई, ईडी पर भरोसा नहीं है, इसीलिए राहुल गांधी ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी से जांच की मांग कर रहे हैं।

मंत्री महेश जोशी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने अपने शासन काल मे केवल अपने मित्र उद्योगपतियों को ही लाभ दिया है। उन्होंने कहा कि फायदे के लिए सारे नियम कायदों को ताक में रख दिया गया है। एलआईसी वाला घोटाला अब बता रहा है कि सारे बड़े टेंडर उन्हें को ही दिए जा रहे हैं। समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष अर्चना शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार अपने उद्योगपतियों को लाभ देने के लिए सब नियम बार-बार तोड़े जा रही है। वह कुछ उद्योगपतियों के कर्जा माफ करती आ रही है, लेकिन किसानों का कर्जा माफ नहीं किया जा रहा है। धरने में पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, कांग्रेस नेता ललित तूनवाल, जसवंत गुर्जर, रामसिंह कस्वा, पुष्पेंद्र भारद्वाज, शशि गुप्ता, आर आर तिवाड़ी, पार्षद अफजल महबूब, मनोज मुद्गल, बृजेंद्र तिवारी समेत कई अन्य नेता भी शामिल हुए।

'संविदा पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश महेन्द्र चौधरी की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता हिमांशु ठोलिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता प्रदूषण नियंत्रण मंडल में संविदा के तौर पर 5 अगस्त 2020 को आईटी ऑफिसर के पद पर नियुक्त हुआ था। इसके बाद से वह लगातार अपने पद पर काम करता आ रहा है। वहीं प्रदूषण मंडल ने गत 9 नवंबर को एक आदेश जारी कर याचिकाकर्ता के पद पर नए संविदाकर्मियों से आवेदन मांगे। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि एक संविदाकर्मी को हटाकर उसके स्थान पर स्थाई कर्मचारी को ही नियुक्त किया जा सकता है। यदि संविदाकर्मी को पद से हटाया जा रहा है तो उसके स्थान पर दूसरे संविदाकर्मी की नियुक्ति नहीं की जा सकती। ऐसे में याचिकाकर्ता के पद पर नए संविदाकर्मी को नियुक्त करने के आदेश पर रोक लगाई जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगते हुए याचिकाकर्ता को मौजूदा पद पर कार्य करते रहने के आदेश दिए हैं।

कांग्रेस के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्वयं को कांग्रेस तथा चुनावी राजनीति में कितना सक्रिय रखेंगी।

समझा जाता है कि ए.आई.सी.सी. तथा पी.सी.सी. सदस्यों की सूचियाँ सार्वजनिक नहीं की गई हैं, जबकि कई राज्यों की सूचियाँ तैयार हो चुकी हैं। लेकिन उन राज्यों से कह दिया गया है कि वे अपनी सूचियों को लेकर खामोश रहें तथा उन्हें सार्वजनिक नहीं करें।

ए.आई.सी.सी. सदस्य सी.डब्ल्यु.सी. सदस्यों के लिये वोट करते हैं उसी प्रकार पी.सी.सी. सदस्य भी कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए वोट देते हैं यद्यपि पी.सी.सी. सदस्यों की लिस्ट कभी भी जारी नहीं की गई और आरोप थे कि बहुत से फर्जी सदस्य बन गए थे।

अगर चुनाव होते हैं तो बहुत से प्रत्याशी अपना भाग्य आजमाना चाहेंगे।

विपक्ष चाहता है, अडानी प्रकरण किसी भी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बचाओ, एस.बी.आई. बचाओ", नहीं चलेगी और बेईमानी, बस करो मोदी-अडानी" जैसे नारे लिखे हुये थे।

सांसदों की तख्तियों पर अडानी ग्रुप पर लगे आरोपों की जाँच संयुक्त संसदीय समिति से या सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में कराये जाने की विपक्ष की माँग भी दोहराई गई थी।

तृणमूल कांग्रेस पहले तो उस मीटिंग में शामिल नहीं हुई थी, जो संसद भवन में राज्यसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे के कक्ष में हुई थी। इस मीटिंग में हिन्डनबर्ग रिपोर्ट में अडानी ग्रुप के खिलाफ लगाये गये आरोपों को लेकर सरकार की खामोशी पर चर्चा हुई थी। इसके अलावा, मीटिंग में इस मुद्दे पर सरकार को घेरने के लिये संयुक्त रणनीति के प्रतिपादन पर भी चर्चा हुई थी। लेकिन बाद में, तृणमूल कांग्रेस विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गई।

मीटिंग के बाद, विपक्षी दलों ने संसद-परिसर में स्थित महात्मा गांधी की मूर्ति के आगे प्रदर्शन भी किया तथा अडानी ग्रुप के खिलाफ लगे आरोपों की जाँच के लिये संयुक्त संसदीय समिति गठित किये जाने की माँग की। इस प्रदर्शन में तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा ने भी भाग लिया।

अडानी मुद्दे पर संसद में बहस की माँग कर रहे विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन के कारण अभी तक, संसद के किसी भी सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिये धन्यवाद प्रस्ताव भी पेश नहीं हो सका है।

राज्यसभा में टी.एम.सी. के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा है कि संसद की बैठक में अब आगे और अवरोध नहीं डाला जाना चाहिये, क्योंकि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर होने वाली बहस में सदस्यों को मोदी सरकार को "घेरने" का मौका मिलेगा।

लेकिन कांग्रेस सदस्य राज्यसभा के सभापति को कम से कम तीन ऐसे नोटिस दे चुकी है, जिनमें अडानी के मुद्दे पर चर्चा के लिये सभी सूचीबद्ध काम-काज के निलंबन की माँग की गई है।

लोकसभा में भी, इस मामले में चर्चा की माँग पर जोर देते हुये, विपक्षी सदस्यों ने "अडानी सरकार" के नारे लगाये। जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरु हुई, विपक्षी सदस्यों ने "अडानी सरकार हाय- हाय" तथा जे.पी.सी. लागू करो के नारे लगाने शुरु कर दिये। इस बीच राज्यसभा में, जब सभापति जगदीप धनखड़ ने स्थगन के नोटिस अस्वीकार कर दिये तो अडानी मुद्दे पर चर्चा की माँग करते हुये, विपक्षी सदस्य प्रदर्शन करने लगे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने सांसदों को डाँटते हुये कहा कि "नारेबाजी" देश के हित में नहीं है तथा जनता ने उन्हें उसके मुद्दे उठाने के लिये चुना है। राज्यसभा में भी, सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, "यह बात उचित नहीं है कि आप एक ऐसा मंच चुन रहे हैं, जो विषयेतर विचार विमर्श के लिये है। .... मैं आप लोगों से अपील करता हूँ कि यह समय हमारे लिये यह विचार करने का है कि आम आदमी क्या सोच रहा है।" लेकिन शोर-शराबे के चलते, दोनों सदन अपरान्ह 2 बजे तक के लिये स्थगित कर दिये गये।

जहाँ विपक्ष चाहता है कि यह मुद्दा जन-अदालत में जीवित बना रहे, वहीं सरकार की रणनीति यह प्रतीत हो रही है कि वह मीडिया तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिये अपनी छवि को खराब होने से रोकने की कवायद में लगा रहे।

हाई कोर्ट ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और उन्हें पदोन्नति से वंचित रखा गया। जैसा कि विदित है कि कॉंस्टेबल, हैड कॉंस्टेबल और ए.एस.आई. के रिक्त पदों की गणना में और फिर उन पदों पर पदोन्नति देने में भारी गड़बड़ी कई सालों से हो रही है, जिससे प्रदेश के हर जिले से ऐसे मामले सामने आ रहे हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इन गड़बड़ियों की वजह से प्रदेश में दो से ढाई हजार एस.आई. के पदों को भरने या पदोन्नति देने में भारी प्रभाव पड़ेगा।

प्रणीत कौर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पत्नी प्रणीत कौर ने कहा कि ऐसा व्यक्ति जिसने सोनिया गांधी के विदेशी मूल का मुद्दा उठाया था वह उनसे सवाल पूछ रहा है। कौर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो चाहे एक्शन ले सकती है। कांग्रेस की डिसिप्लीनरी एक्शन कमेटी के प्रमुख तारिक अनवर को संबोधित पत्र में लिखा है कि, मैं हैरान हूँ कि जिस व्यक्ति ने 1999 में सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे पर पार्टी छोड़ दी थी और 2019, अर्थात 20 साल, तक पार्टी से बाहर रहा और जिसे खुद अनुशासनात्मक कार्यवाही का सामना करना पड़ा, वह मुझसे अनुशासनात्मक मसले पर सवाल कर रहा है। प्रणीत कौर ने अपने पत्र में लिखा जहां तक एक्शन की बात है आप जो चाहे एक्शन ले सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908